राष्ट्रीय दैनिक

हर खबर की खबर

प्रातः किरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 मुझे बहुत धमकियां मिलती है : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप....

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले मे ईशान किशन.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 112 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 14 अगस्त , 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 30.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	75%
नहीं	15%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,53,000
चांदी	2,55,000
संसेक्स	78,079.96
निफ्टी	24,395.85

देश की सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की कल्पना के सृजक हैं कलाकार: मुर्मु

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को यहां देश के प्रतिष्ठित कलाकारों को वर्ष 2024 और 2025 के लिए संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप तथा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए और कहा कि भारतीय परंपरा के वाहक ये कलाकार देश की सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की कल्पना के सृजक हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सम्मानित किए गए कलाकार मिलकर देश का ऐसा सांस्कृतिक मानचित्र प्रस्तुत करते हैं जिसमें इस देश की मिट्टी की कथाएं और गीत जुड़े हैं, ऐसा मानचित्र जिसमें विविधता से भरी इस धरती के नृत्य और उत्सव समाए हैं और सदियों से विकसित हुई इसकी भाषाओं और बोलियों की यादें समाई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की संस्कृति जड़ों से जुड़ी हुई है। अलग-अलग खान-पान, वेषभूषा, नृत्य और संगीत, प्रकृति से प्रेरित हैं। चहकते हुए चिड़ियों से, कल-कल बहते झरनों से, पेड़-पत्तों से, बादलों से, नदियों से प्रेरणा लेकर कलाकार अपने नृत्य और संगीत को प्रदर्शित करते हैं। विविधता और एकता का

यह संगम हमारी कलाओं की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सभी विभिन्न कला शैलियों में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा, ह्व हमारी कलाओं की सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक जीवंत गुरु ही होते हैं। आज के तेजी से बदलते दौर में हमारी बहुत सी लोक-कलाओं पर विलुप्त होने का संकट मंडरा रहा है। ऐसी कला विधाओं का न केवल साक्ष्य और प्रमाण रखना जरूरी है बल्कि उन्हें जीवंत रखने के लिए विशेष प्रयास जरूरी हो जाते हैं। उन्होंने कहा यह अच्छी बात है कि संगीत नाटक अकादमी इसी उद्देश्य से ह्यकला-दीक्षाह्ल कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। उन्होंने वरिष्ठ कलाकारों से कहा कि वे अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए योजनापूर्वक प्रयास करें। राष्ट्रपति ने कहा कि कला के संस्कार और समझ से जीवन को समृद्ध करने के लिए प्रकृति को सबसे सहज प्रशिक्षण संस्थान माना जाता है। लोक और जनजातीय कलाओं में जीवन का स्वाभाविक उल्लास और प्रकृति के साथ गहरा संवाद दिखाई देता है। इन कला रूपों में समुदाय की स्मृति और सामूहिक चेतना सहज रूप से व्यक्त होती है। यही कारण है कि लोक कलाएं भारत की सांस्कृतिक पहचान का अत्यंत महत्त्वपूर्ण आधार हैं। राष्ट्रपति ने पुरस्कार पाने वाले कलाकारों को बधाई दी और कहा कि भारतीय परंपरा के वाहक हमारे कलाकार देश की सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की कल्पना के सृजक हैं।उन्होंने कहा कि संगीत नाटक अकादमी को भारत की सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अकादमी आने वाले समय में भी भारत की सांस्कृतिक ऊर्जा से समूचे विश्व को लाभान्वित करती रहेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर पर 2-लेन स्लिप रोड पुल का किया लोकार्पण

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को पूर्वी दिल्ली के कोंडली में गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर पर नवनिर्मित 2-लेन स्लिप रोड पुल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्वी दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पटपड़गंज से विधायक रविंद्र सिंह नेगी और त्रिलोकपुरी से विधायक रविकांत उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि वर्षों से लंबित विकास कार्यों को गति मिली है और दिल्ली विकास की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है। आज पूर्वी दिल्ली के कोंडली क्षेत्र में बड़े नाले पर निर्मित दो नवनिर्मित स्लिप रोड ब्रिजों का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इन पुलों के निर्माण से त्रिलोकपुरी, कोंडली और पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्रों के हजारों नागरिकों को बेहतर सड़क संपर्क, सुगम आवागमन और अधिक सुविधाजनक यातायात व्यवस्था का लाभ मिलेगा। यह परियोजना क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ-साथ दैनिक यात्रियों की आवाजाही को और आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का ध्यान ऐसी आधारभूत संरचना विकसित करने पर है, जिसका सीधा और व्यापक लाभ आम नागरिकों को मिले। सड़क नेटवर्क को मजबूत करना, यातायात के दबाव को कम करना और दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों के बीच बेहतर आवागमन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। कोंडली में यह परियोजना बेहतर कनेक्टेड, सुगम और विकसित दिल्ली की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ सुरक्षित एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस स्लिप रोड परियोजना का लोकार्पण किया जा रहा है, वह भी लंबे समय से स्वीकृत थी, लेकिन इसके कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी नहीं की गई थीं। दिल्ली में नई सरकार बनने के बाद आवश्यक एनओसी और स्वीकृतियां प्रदान की गईं, दोबारा फंड आवंटित किया गया और अब यह परियोजना जनता को समर्पित की जा रही है। दिल्ली में लंबे समय से ड्रेनेज सिस्टम के आधुनिकीकरण की आवश्यकता थी। बढ़ती आबादी और बदलती जरूरतों के बावजूद पुराने नालों और ड्रेनेज नेटवर्क के उत्थान, डिसिल्टिंग और रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इसका परिणाम बारिश के दौरान जलभराव और नागरिकों को होने वाली परेशानियों के रूप में सामने आता रहा। वर्तमान सरकार ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में काम कर रही है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि कोंडली में गाजीपुर ड्रेन एवं हिंडन नहर पर नवनिर्मित 2-लेन स्लिप रोड पुल का लोकार्पण क्षेत्र में बेहतर आवागमन और सुगम यातायात की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना से कोंडली, कल्याणपुरी, गाजीपुर और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा, साथ ही मौजूदा कोंडली ब्रिज पर यातायात के दबाव और जाम को कम करने में मदद मिलेगी। इस परियोजना के तहत कोंडली ब्रिज पर गाजीपुर ड्रेन और हिंडन नहर के ऊपर 2-लेन के दो स्लिप रोड ब्रिज बनाए गए हैं। पहले कल्याणपुरी, गाजीपुर और नोएडा की ओर से आने-जाने वाले वाहनों के एक साथ मिलने से पीक आवर्स में अक्सर जाम लगता था। नए स्लिप रोड ब्रिज बनने से मुख्य चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव और आपसी टकराव कम होगा और वाहनों की आवाजाही सुचारु होगी। यह मार्ग चंद सिनेमा रोड, गाजीपुर रोड और कोंडली ब्रिज के बीच कनेक्टिविटी बेहतर करेगा। इससे कोंडली, कल्याणपुरी, गाजीपुर और गाजीपुर डेयरी फार्म रोड क्षेत्र के लाखों लोगों को बेहतर सड़क संपर्क, वैकल्पिक मार्ग और समय की बचत का लाभ मिलेगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह: कड़ी सुरक्षा के बीच लाल किला पर हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता की तैयारियों को लेकर गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किला के पास फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। इस रिहर्सल का आयोजन गुरुवार की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मजबूती सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त के बीच किया गया। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के मौके पर लाल किले की प्रचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बड़ी संख्या में भीड़ जुटने की संभावना है। साथ ही, कई तरह के प्रतिबंध लगाने जाए जा सकते हैं। शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के मुताबिक, आज रिहर्सल का आयोजन किया गया है। ऐसे मौकों पर शाहरदा काफी संवेदनशील इलाकों में गिना जाता है। सीमा की दृष्टि से देखे, तो हमारे जिले से कुल सात सीमा चिन्हित होते हैं, जिसमें गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश प्रमुख रूप से शामिल है। लिहाजा इन इलाकों में ट्रैफिक रात 10 बजे से पूरी तरह बंद रहेगी। उनके मुताबिक, वैसे तो पूरे जिले में पहले से ही चौकियां हैं। लेकिन, हमने अपने जिले में कुछ अस्थाई चौकियां भी बनाई हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि हर प्रकार की आपाताकालीन स्थिति में रेसपॉन्स व्हिकल, पेट्रोल व्हिकल अपने-अपने इलाकों में हर प्रकार की आपातकालीन स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लाल किला परिसर के पीछे, यमुना नदी का खादर वाला इलाका सुरक्षा व्यवस्था काफी दुरूस्त कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हम इन इलाकों में 15 अगस्त तक पेट्रोलिंग करते रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस जोन-2 अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एसीपी) दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रात 10 बजे तक प्रतिबंध जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में व्यवसायिक वाहनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। हमने उत्तर प्रदेश और हरियाण से जुड़े अधिकारियों से भी संपर्क स्थापित किया और उनसे कहा कि वो इन इलाकों में किसी भी प्रकार के व्यवसायिक वाहनों को आने से रोके, ताकि भीड़ पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक के लिए कई डायवर्जन प्वाइंट भी बनाए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा अध्यक्ष, गृहमंत्री व अन्य ने दी अहिल्याबाई होल्कर को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने गुरुवार को अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बिरला ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को भी याद किया। उन्होंने चटर्जी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। बिरला ने एक्स पर लिखा, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में किसानों, कारीगरों, व्यापारियों और आम नागरिकों के हितों को प्राथमिकता दी और साथ ही मालवा में व्यापार, कृषि और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया। उनका शासन जन-कल्याण, सुशासन और जन-सेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। धर्म और संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ, उन्होंने देश के कई प्रमुख तीर्थ स्थलों पर मंदिरों, घाटों, कुओं, बावड़ियों और विश्राम-गृहों के निर्माण और जीर्णोद्धार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों का व्यापक प्रभाव आज भी भारत की सांस्कृतिक विरासत में दिखाई देता है। लोकमाता के महान योगदान और विरासत के सम्मान में, संसद पुस्तकालय भवन के प्रांगण में स्थापित उनकी यह प्रतिमा केवल एक महान नायिका की स्मृति ही नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, जन-कल्याण की भावना और जन-सेवा के आदर्शों का प्रतीक है। सोमनाथ चटर्जी का सार्वजनिक जीवन उनकी गहरी विधाई समझ, संसदीय परंपराओं के प्रति प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि लोकमाता ने मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण, तीर्थ स्थलों के विकास तथा सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और पुनर्स्थापना में अद्वितीय योगदान दिया। महिला शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देकर अहिल्याबाई होल्कर ने महिलाओं को सशक्त बनाया तथा जन-कल्याण, न्याय तथा सुशासन का आदर्श स्थापित किया।

विपक्ष पर बरसीं कंगना रनौत, कहा- खराब कर रखा है संसद का माहौल

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को संसद में हंगामे को देखते हुए मीडिया से बातचीत में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि इन्होंने पूरी तरह से संसद का माहौल खराब करके रखा है। विपक्ष के विरोध पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा, यह बहुत आपत्तिजनक है। इन्होंने यहां का माहौल पूरी तरह से खराब कर रखा है। हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। एक तरफ राहुल गांधी होम मिनिस्ट्री से सवाल पूछते हैं, फिर भी कहते हैं कि वे गृह मंत्री को बोलने नहीं देंगे। यह कैसा बर्ताव है? वे चर्चा की मांग करते हैं लेकिन जब उन्हें चर्चा का ऑफर मिलता है, तो वह कहते हैं कि उन्हें जवाब नहीं चाहिए। इसका तो बस एक ही मतलब है कि उनके पास कोई असली मुद्दा नहीं है। ये सब विकास, देश की तरक्की, अर्थव्यवस्था या रक्षा से जुड़े मुद्दे खत्म हो जाने के बाद, वह यहां बस नखरे कर रहे हैं। इसके साथ ही भाजपा सांसद शमिक भट्टाचार्य ने भी मीडिया संग बातचीत में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि उनके पास चर्चा मे भाग लेने की हिम्मत ही नहीं है, तो वे जवाब क्या सुनेंगे। उन्होंने कहा, जवाब सुनने की हिम्मत होनी चाहिए, जो उनके पास नहीं है। चर्चा में भाग लेने की हिम्मत उनकी हो नहीं रही है, उनके पास कोई मुद्दा ही नहीं है। देश में जो भ्रष्टाचार चल रहा है, उसकी नीव कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी जनता के दिलों से खेलती चली आई है और अभी भी यही कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी जनता के साथ धोखाधड़ी कर रही है। जनता ने उन्हें चर्चा में भाग लेने, उनका दुख-दर्द सुनने के लिए चुना है।

राज्यसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित मानूसन सत्र में महज 39 प्रतिशत उत्पादकता रही

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा का 271वां सत्र बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया और इस दौरान उच्च सदन की उत्पादकता महज 39.17 प्रतिशत रही। उच्च सदन में अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी तथा नीट प्रश्न पत्र लीक का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के हंगामे एवं नारेबाजी के कारण उच्च सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच आज तक गतिरोध दूर करने पर सहमति नहीं बन सकी। उच्च सदन की बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले सभापति सी पी राधाकृष्णन ने अपने पारंपरिक संबोधन में बताया कि सदन में कुल 37 घंटे 49 मिनट ही कामकाज हुआ। सभापति ने सत्र के दौरान लगातार हुए हंगामे और व्यवधानों पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि इसके कारण सदन का कामकाज बार-बार बाधित हुआ और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक चर्चा भी नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले व्यवधानों का असर अंततः लोगों के विश्वास और उनकी आकांक्षाओं पर पड़ता है। इसलिए सभी सदस्यों को संसदीय आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने और इस संस्था की गरिमा तथा पवित्रता की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय के नुकसान के बावजूद सदन ने अपने मूल विधाई दायित्वों को पूरा किया। राधाकृष्णन ने यह भी कहा कि यदि सभी सदस्य सामूहिक रूप से सदन की कार्यवाही में भाग लेते, अपने महत्वपूर्ण सुझाव देते और सार्थक विचार-विमर्श में शामिल होते तो स्थिति निश्चित रूप से अलग होती। सत्र के अंतिम दिन सभापति की अनुमति से शून्यकाल और प्रश्नकाल को स्थगित करके ह्यखान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा हुई। खान मंत्री जी किशन रेड्डी के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा में यह विधेयक बुधवार को पारित हो चुका है। सत्र के दौरान उच्च सदन में 12 विधेयकों पर विचार किया और उन्हें पारित या वापस किया गया। इनमें राष्ट्र गीत ह्यवंदे मातरम् के अपमान या इसके गान को दंडनीय बनाने संबंधी प्रावधान वाला राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 तथा केरल का नाम बदलकर केरलम् करने के प्रावधान वाला ह्यकेरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 विधेयक शामिल हैं। इस दौरान लंबी चर्चा और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद सदन ने 29 जुलाई को परीक्षा में सुधार से संबंधित लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दी थी।

हाईकोर्ट के फैसले पर भाजपा का आआपा पर हमला, केजरीवाल से मांगा जवाब

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए आम आदमी पार्टी (आआपा) और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। त्रिवेदी ने कहा कि झारखंड और पंजाब के मुद्दों पर चुप रहने वाले अरविंद केजरीवाल अब बताएं कि जब अदालत में उनकी सरकार का झूठ सामने आ गया है, तो क्या वह अपनी सरकार से इस्तीफा दिलवाएंगे? उन्होंने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप भी लगाया। भाजपा सांसद ने कहा कि पंजाब विधानसभा में झूठ, संसद में बवाल और अदालत द्वारा उठाए गए सवाल यह साफ दिखाते हैं कि छात्र हितों की बात करने वालों की तथाकथित नैतिकता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में भाजपा सांसद सुधांशु आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वे झारखंड और पंजाब से जुड़े मुद्दों पर चुप रहे, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इन मामलों पर कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया। त्रिवेदी ने संसद में हुए हंगामे और न्यायपालिका द्वारा उठाए गए सवालों का उल्लेख करते हुए विपक्ष पर संवैधानिक मयार्दा और नैतिकता के दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों और युवाओं के हितों का सबसे बड़ा पैरोकार बताते हैं, उनकी राजनीतिक और संवैधानिक नैतिकता अब सवालों के घेरे में है। मुंह में दही जमा कर बैठे है। छात्र हितों से उनका कोई सरोकार नहीं है।

राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केन-बेतवा नदी....

केन-बेतवा परियोजना के प्रभावितों से मिले राहुल गांधी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की समस्याएं सुनीं और उनकी चिंताओं को आगे उठाने का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण आदिवासियों और अन्य स्थानीय लोगों के विस्थापन, पुनर्वास और मुआवजे से जुड़ी समस्याओं को उनके सामने रखा। प्रभावित लोगों ने परियोजना के चलते अपनी जमीन, घर और आजीविका पर पड़ने वाले असर से भी उन्हें अवगत कराया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब केन-बेतवा परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर और पन्ना जिलों में आदिवासी, किसान और स्थानीय ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रभावित लोगों की प्रमुख चिंताओं में विस्थापन, मुआवजे में देरी, पुनर्वास की व्यवस्था और वन अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। इससे पहले 5 अगस्त को राहुल गांधी ने लोकसभा में केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के विस्थापन और पुनर्वास से जुड़ा सवाल भी उठाया था। राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय से परियोजना से प्रभावित परिवारों का विवरण और विरोध कर रहे आदिवासी समुदायों की शिकायतों पर सरकार की ओर से की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी थी। जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुगार्दास उइके ने लिखित जवाब में बताया कि मंत्रालय को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण विस्थापन से संबंधित कई अभ्यावेदन मिले हैं। इन अभ्यावेदनों की जांच के बाद उन्हें मध्य प्रदेश सरकार और संबंधित जिला प्रशासन को जांच तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया है। केंद्र ने कहा है कि वन अधिकार कानून का क्रियान्वयन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इसके तहत मध्य प्रदेश की केन नदी के पानी को उत्तर प्रदेश की बेतवा नदी तक पहुंचाया जाना है। परियोजना में बांध के अलावा नहरों और सुरंगों का निर्माण शामिल है। परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। सरकार के अनुसार इससे बुंदेलखंड में करीब 10.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और करीब 62 लाख लोगों को पेयजल का लाभ मिलेगा। हालांकि, परियोजना से प्रभावित लोगों का कहना है कि विकास के विरोध के बजाय उनकी चिंता उचित पुनर्वास, पारदर्शी मुआवजे और वन एवं जमीन से जुड़े अधिकारों को लेकर है।

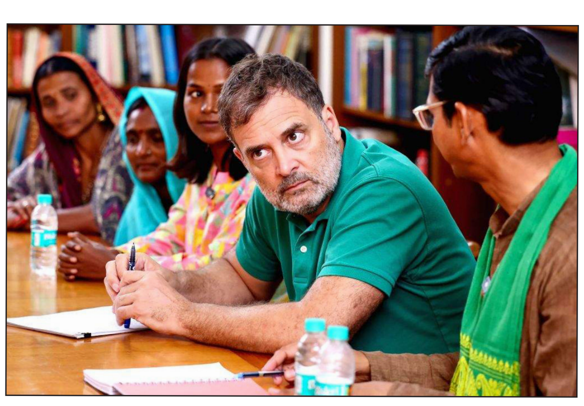

राज्यसभा में 'शुद्धिकरण' विवाद: नड्डा बोले- मामले की होगी जांच, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष के संबोधन के बाद कथित 'शुद्धिकरण' किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे छुआछूत की घटना बताते हुए दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। खरगे ने कहा कि 8 अगस्त को उनकी रैली के बाद मैदान का 'शुद्धिकरण' कराया गया, जो छुआछूत जैसी मानसिकता को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में भाजपा की भूमिका है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने कहा कि भाजपा ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इस मामले को गंभीरता से लेंगे। नड्डा ने कहा, जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कांग्रेस से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि छुआछूत किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा, हम सभी इस घटना की निंदा करते हैं। हम सभी समान हैं और किसी के शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं है। सरकार इस मामले की जांच कराए और दोषियों को सजा मिले।

संक्षिप्त समाचार

मुनस्यारी में बनेंगे दो ट्रैकिंग रूट, बढ़ेगा साहसिक पर्यटन

पिथौरागढ़, एजेंसी। पर्यटन नगरी मुनस्यारी में जल्द ही दो नए ट्रैकिंग रूट अस्तित्व में आएंगे। इससे क्षेत्र के साथ ही जिले के साहसिक पर्यटन को नई पहचान और उड़ान मिलेगी। नए ट्रैकिंग रूट बनाने के लिए 81 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है जिससे पर्यटन कारोबार भी बढ़ेगा। मुनस्यारी क्षेत्र में मर्तोली पीक और बुर्फूधार प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हैं। यहां तक पहुंचने के लिए बदहाल रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। अब इन दोनों पर्यटक स्थलों तक पहुंच आसान बनाने की कवायद शुरू हुई है। मुनस्यारी क्षेत्र साहसिक पर्यटन का केंद्र है। हर साल देश-विदेश से ट्रैकर क्षेत्र के ग्लेशियरों और चोटियों पर ट्रैकिंग के लिए पहुंचते हैं। नंदा देवी मंदिर से मर्तोली पीक अझैर बुर्फू गांव से बुर्फूधार तक ट्रैकिंग रूट बनेंगे जिससे ट्रैकरों की संख्या बढ़ेगी और पर्यटन कारोबार को भी गति मिलेगी। मुनस्यारी क्षेत्र में मिलम, नामिक और रालम ग्लेशियर ट्रैकरों की पहली पसंद हैं। मिलम ग्लेशियर को कुमाऊं के सबसे बड़े ग्लेशियर के रूप में भी पहचान मिली है जो गोरी गंगा का उद्गम स्थल भी है। वहीं नामिक ग्लेशियर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत परिवेश के लिए जाना जाता है जो ट्रेकर्स के बीच लोकप्रिय है। रालम ग्लेशियर नंदा देवी और पंचाचूली की पहाड़ियों के करीब स्थित एक बेहद खूबसूरत और चुनौतीपूर्ण ट्रेकिंग रूट है। इन ग्लेशियर में ट्रैकिंग के लिए हर साल बड़ी संख्या में ट्रैकर पहुंचते हैं। अब दो नए ट्रैकिंग रूट विकसित होने से पर्यटकों की संख्या में और उछाल आने की उम्मीद है।

मास्को में कई भारतीय युवाओं के होने की आशंका जो लौटना चाहते हैं स्वदेश

पिथौरागढ़, एजेंसी। रोजगार का झांसा देकर रूस के मास्को भेजे गए दोनों भाईयों चिमस्यानौला निवासी आनंद सिंह कार्की और भूपेंद्र सिंह कार्की की सकुशल वापसी हुई है। दोनों ने पिथौरागढ़ पहुंचकर आपबीती बताई। उन्होंने कहा कि जिस काम का वादा कर उन्हें मास्को भेजा गया वह नहीं मिला। वापस लौटने की इच्छा जताई तो उन्हें वहां से निकलने नहीं दिया गया। बमुश्किल दोनों भाई भारतीय दूतावास पहुंचे तो वहां तैनात महाराष्ट्र के एक बड़े अधिकारी और वहां की पुलिस ने उनकी काफी मदद की। सीएम के हस्तक्षेप के बाद वह अपने वतन लौट सके हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें झांसे में लेकर झूठा वादा करते हुए मास्को भेजा था वह पूर्व में 15 हजार से अधिक भारतीय युवाओं को वहां भेज चुकी है। ऐसे में साफ है कि अब भी मास्को में कई भारतीय युवा उन्हीं की तरह दिक्कत झेल रहे हैं जो स्वदेश लौटने का इंतजार कर रहे हैं। संवाद आनंद सिंह और भूपेंद्र सिंह ने संवाद न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि उनके साथ धोखा होने का आभास होते ही उन्होंने किसी तरह भारतीय दूतावास पहुंचने का लक्ष्य तय कर लिया था। हुआ भी ऐसा ही। किसी तरह बचते-बचाते दोनों भारतीय दूतावास पहुंचे तो उन्हें मदद मिल गई। उन्होंने कहा कि यदि दूतावास नहीं पहुंचते और पहले की स्वदेश लौटने की इच्छा जताते तो उनका पासपोर्ट और वीजा छीन लिया जाता। ऐसे में उनकी स्वदेश वापसी मुश्किल हो जाती।

शिक्षा के साथ अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी भी जरूरी

रूड़की, एजेंसी। सनातन धर्म प्रकाश चंद कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं के स्वागत, मार्गदर्शन और महाविद्यालयी जीवन से परिचय कराने के मकसद से तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम 12 से 14 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सौरभ भूषण शर्मा ने शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को जरूरी बताया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सौरभ भूषण शर्मा, सचिव प्रबंध समिति एवं प्रदेश संयोजक, व्यवसायिक प्रकोष्ठ, भाजपा उत्तराखंड ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश उच्च शिक्षा के साथ व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास और जीवन के लक्ष्य निर्धारित करने की यात्रा है। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा रही हैं। छात्राएं बड़े सपने देखें, निरंतर मेहनत करें और अपने माता-पिता व संस्थान का नाम रोशन करें। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार के एक पेड़ मां के नाम, हर घर तिरंगा और नशा मुक्त भारत अभियानों की जानकारी देते हुए छात्राओं को इनकी शपथ दिलाई। प्रत्येक छात्रा को मां के नाम पौधा भेंट किया गया जबकि हर घर तिरंगा के तहत तिरंगे वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. अनुपमा गर्ग ने की। वरिष्ठ प्रवक्ता प्रोफेसर अलका आर्य ने बताया कि इन गतिविधियों का मकसद छात्राओं को महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से आत्मीय रूप से जोड़ते हुए उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सहयोग की भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. भारती शर्मा ने बताया कि अभियानों से करीब 22 ग्रामों से जुड़ी छात्राओं को जोड़ा गया है। डॉ. कामना जैन ने बताया कि कार्यक्रम में एंटी-रैगिंग जागरूकता, मेंटर-मेंटी परिचय, खेल, आई हैव ए ड्रीम सहित विभिन्न गतिविधियां होंगी। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी और छात्राएं मौजूद रहीं।

छह साल की मासूम छत से गिरी, एयर एंबुलेंस से पहुंचाया जिला अस्पताल

पिथौरागढ़, एजेंसी। मुनस्यारी के सर्मोली गांव निवासी छह साल की मासूम छत से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रशासन से गुहार के बाद मासूम को एयर एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां भी मासूम की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक छह साल की लक्षिता अपने घर की छत पर खेल रही थी। इसी दौरान वह असंतुलित होकर आंगन में गिर गई। उसके सिर और शरीर में गंभीर चोट आई। आनन फानन में परिजन उसे लेकर मुनस्यारी सीएचसी पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों ने प्रशासन से बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाने के लिए एयर एंबुलेंस की मांग की। प्रशासन ने बच्ची को रेस्क्यू करने के लिए हेलीकॉप्टर भेजा।

बस है या मालगाड़ी! 30 की क्षमता वाली बस में ठूंसे 168 यात्री, अब हो गया बड़ा एक्शन

रुद्रपुर/किच्छा, एजेंसी। यात्रियों की जान से खिलवाड़ कर क्षमता से कई गुना अधिक सवारियां भरकर दूसरे राज्यों से उत्तराखंड आने-जाने वाली निजी बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने लगातार तीसरे दिन बड़ी कार्रवाई की है. किच्छा में 50 यात्रियों की क्षमता वाली बस में करीब 110 यात्री मिलने के बाद 1.07 लाख रुपए का चालान किया गया, जबकि लालपुर में 30 स्लीपर की क्षमता वाली बस में 103 और दूसरी बस में 168 यात्री मिलने से हड़कंप मच गया. निजी बसों में क्षमता से कई गुना अधिक यात्रियों को ठूंसकर ले जाने के मामले ने परिवहन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. यात्रियों की सुरक्षा को ताक पर रखकर संचालित हो रही ओवरलोड बसों के खिलाफ उधम सिंह नगर में परिवहन विभाग ने लगातार तीन दिनों से अभियान तेज कर दिया है. किच्छा और लालपुर क्षेत्र में हुई कार्रवाई के दौरान बसों में निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक यात्री मिले. कहीं 50 की क्षमता वाली बस में करीब 110 यात्री मिले तो कहीं 30 स्लीपर की क्षमता वाली बस में 168 यात्री सवार पाए गए. इन कार्रवाईयों में विभाग ने लाखों रुपए के चालान करने के साथ बसों को सीज करने और परमिट व

चालक के लाइसेंस पर कार्रवाई शुरू की है.

50 की क्षमता, 110 यात्री: 7 अगस्त शनिवार रात टनकपुर से लुधियाना जा रही जगदंबा ट्रेवल्स की निजी बस को किच्छा में सूरजमल कॉलेज के पास परिवहन विभाग की टीम ने रोककर जांच की. बस की निर्धारित क्षमता करीब 50 यात्रियों की थी, लेकिन जांच के दौरान करीब 110 यात्री सवार मिले. यात्रियों के मुताबिक भीड़ इतनी अधिक थी कि एक सीट पर 7 से 8 लोगों तक को बैठाकर सफर कराया जा रहा था. एआरटीओ हल्द्वानी जितेंद्र कुमार ने बस का 1 लाख 7 हजार 500 रुपए का चालान किया. साथ ही बस का परमिट निरस्त करने और चालक का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई शुरू की गई. कार्रवाई के बाद यात्रियों को रात में रुद्रपुर बस स्टेशन लाया गया. यात्रियों ने बताया कि, शुरुआत में एक सीट पर चार-पांच लोग बैठाए गए थे, लेकिन रास्ते में लगातार सवारियां चढ़ती गईं और बस में पैर रखने तक की जगह नहीं बची. महिलाओं और बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा. यात्रियों ने संचालकों पर मनमाना किराया वसूलने और विरोध करने पर कथित तौर पर रास्ते में उतारने की धमकी देने का आरोप लगाया.

30 स्लीपर में 168 यात्री मिलने से हड़कंप: इसी दौरान लालपुर में परिवहन विभाग की टीम ने लखीमपुर खीरी से पंजाब जा रही एक बस को 9 अगस्त देर रात करीब एक बजे जांच के लिए रोका. बस को महज 30 स्लीपर और एक सीट की क्षमता के लिए पास किया गया था, लेकिन जांच में 138 वयस्क और 30 बच्चों समेत कुल 168 यात्री मिले संभागीय परिवहन अधिकारी अरविंद पांडेय के निर्देश और एआरटीओ नवीन सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की. प्रभारी सुतैया सचल दल के परिवहन कर अधिकारी जितेंद्र सिंगवान ने बस की जांच की. इस दौरान ओवरलोडिंग के साथ बिना टैक्स और बिना परमिट संचालन समेत अन्य अनियमितताएं भी सामने आईं. विभाग ने बस का चालान कर उसे रोडवेज स्टेशन रुद्रपुर में सीज कर दिया.

दूसरी बस में 30 स्लीपर की क्षमता, 103 यात्री: 10 अगस्त लालपुर टोल के पास ही पंजाब जा रही एक अन्य यूपी नंबर की बस में महज 30 स्लीपर की क्षमता के बावजूद 103 यात्री मिले. बस के अंदर यात्रियों की भारी भीड़ देखकर परिवहन अधिकारियों के भी होश उड़ गए. विभाग ने ओवरलोडिंग के साथ परमिट और फिटनेस संबंधी अनियमितताओं पर कार्रवाई करते हुए बस सीज कर करीब 1.34 लाख रुपए का चालान किया.

यात्रियों को वैकल्पिक बसों से भेजा: कार्रवाई के बाद सबसे बड़ी चुनौती बसों में फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने की थी. परिवहन निगम की ओर से वैकल्पिक बसों की व्यवस्था कर यात्रियों को रुद्रपुर से उनके गंतव्य की ओर रवाना किया गया. सहायक महाप्रबंधक मधुसूदन मिश्रा ने यात्रियों के लिए वाहन उपलब्ध कराने में सहयोग किया.

लगातार कार्रवाई, फिर भी बड़ा सवाल: तीन दिनों से लगातार हो रही कार्रवाई ने परिवहन विभाग की सक्रियता तो दिखाई है, लेकिन साथ ही एक बड़ा सवाल भी खड़ा कर दिया है. आखिर दूसरे राज्यों से चलने वाली निजी बसें क्षमता से कई गुना अधिक यात्रियों को लेकर उत्तराखंड की सीमा तक कैसे पहुंच रही हैं क्या इन बसों की रास्ते में नियमित जांच नहीं होती यदि बसों में 30 स्लीपर की जगह 103 या 168 यात्री भरे जा रहे हैं तो यह स्थिति केवल एक स्थान पर नहीं बनती होगी. परिवहन विभाग का कहना है कि ओवरलोड बसों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा. विभाग ने यात्रियों से अपील की है कि क्षमता से अधिक सवारियां ले जाने वाली बसों में यात्रा न करें.

आयुर्वेदिक फार्मासिस्टों पुनर्नियुक्ति पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने आयुर्वेदिक और यूनानी सेवा विभाग में कार्यरत फार्मासिस्टों की वरिष्ठता विवाद को लेकर दायर याचिकाओं पर एक अहम निर्णय सुनाया है. न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ शाह की खंडपीठ ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें विभाग द्वारा जारी 2019 की अंतिम वरिष्ठता सूची को रद्द कर दिया गया था. हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2009 में हुई शुरुआती चयन प्रक्रिया और उसकी मेरिट सूची रद्द होने के बाद, फार्मासिस्टों की वरिष्ठता का निर्धारण 7 नवंबर 2012 को जारी हुए नए नियुक्ति आदेश और उसकी मेरिट के आधार पर ही किया जाएगा. यह पूरा मामला वर्ष 2009 में आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवा निदेशक द्वारा निकाली गई फार्मासिस्ट भर्ती से जुड़ा है. उस समय चयन समिति ने बैक-पेपर या पूरक परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों को अलग श्रेणी में रखते हुए योग्यता सूची में नीचे कर दिया था. इसके खिलाफ प्रभावित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद 2012 में एकलपीठ ने पुरानी चयन सूची को निरस्त करते हुए नियमानुसार नई सूची तैयार करने के आदेश दिए थे. बाद में विशेष अपील में भी इस फैसले को बरकरार रखा गया था. शासन

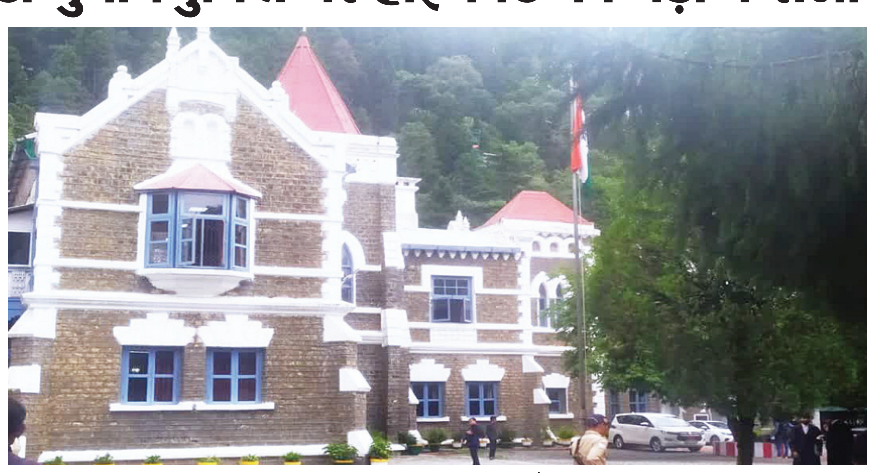

ने फिर 2012 में नए सिरे से नियुक्तियां दीं, लेकिन विभाग ने 2019 में जारी वरिष्ठता सूची में पुराने 2009 के बैच के कर्मचारियों को पिछली तिथि से वरिष्ठता का लाभ दे दिया, जिसे ट्रिब्यूनल ने रद्द कर दिया था. पुरानी वरिष्ठता का दावा कर रहे अभ्यर्थियों (जैसे कुमारी पूनम भट्ट व अन्य) ने ट्रिब्यूनल के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. उनका तर्क था कि वे 2009 से बिना किसी सेवा व्यवधान के लगातार काम कर रहे हैं. उन्हें वेतन संरक्षण का लाभ भी मिला है. हालांकि, उच्च न्यायालय ने इन तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि चूंकि 2009 की चयन प्रक्रिया पूरी तरह रद्द हो चुकी थी. किसी भी पक्ष ने बैक-डेटेड (पिछली तिथि से) नियुक्ति का कोई कानूनी आदेश प्राप्त नहीं किया था, इसलिए 7 नवंबर 2012 को जारी नया आदेश ही वास्तविक मौलिक नियुक्ति माना जाएगा. अदालत ने ट्रिब्यूनल के आदेश को विधि सम्मत मानते हुए सभी रिट याचिकाएं खारिज कर दीं.

केवाईसी और पर्ची जनरेट की दिक्कत में उलझे गैस उपभोक्ता

रूड़की, एजेंसी। गैस एजेंसियों में बुधवार को केवाईसी और गैस बुकिंग की पर्ची जनरेट नहीं होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इंडियन ऑयल के सॉफ्टवेयर में आई तकनीकी खामी के कारण शहर की विभिन्न एजेंसियों पर दिनभर काम प्रभावित रहा। सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता एजेंसियों पर पहुंच गए थे लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी अधिकांश लोगों का काम नहीं हो सका। दीपाली, छवि, प्रभात, देवभूमि, सावित्री और एकता समेत कई गैस एजेंसियों पर सुबह नौ बजे से भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। दोपहर तक सर्वर सामान्य नहीं हो पाया जिससे केवाईसी और गैस बुकिंग की पर्ची जनरेट करने का काम बाधित रहा। उपभोक्ताओं ने बताया कि जरूरी कार्यों के लिए समय निकालकर एजेंसी पहुंचे थे लेकिन तकनीकी समस्या के कारण उन्हें बिना काम कराए लौटना पड़ा।
उपभोक्ताओं के अनुसार शहरभर की एजेंसियों में यही स्थिति रही और करीब 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए। लियाकत, तैय्यब, सोनू, हरीश बिष्ट, हेमलता बहुगुणा, पिंकी शर्मा, सृष्टि, ध्रुव और रुद्राक्ष सहित कई लोगों ने समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की। एजेंसी संचालकों ने बताया कि सर्वर रुक-रुक कर काम कर रहा था जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा हुई। केवाईसी कराने के लिए बुधवार को कई उपभोक्ता गैस एजेंसी कार्यालय पहुंचे। केवाईसी प्रक्रिया के दौरान उपभोक्ताओं को निर्धारित शुल्क भी जमा करना पड़ा। कई लोगों ने शुल्क का ऑनलाइन भुगतान किया लेकिन भुगतान के मैसेज तत्काल एजेंसी संचालकों के पास नहीं पहुंचे। इससे उपभोक्ताओं और एजेंसी संचालकों के बीच भुगतान हुआ या नहीं इसको लेकर बहस की स्थिति बन गई। उपभोक्ताओं का कहना था कि उनके खाते से रकम कट चुकी है जबकि एजेंसी संचालकों को भुगतान प्राप्त होने की जानकारी नहीं मिल रही थी। कुछ उपभोक्ताओं के भुगतान के मैसेज कुछ देर इंतजार करने के बाद एजेंसी संचालकों को प्राप्त हो गए। इसके बाद उनकी केवाईसी प्रक्रिया पूरी की गई। भुगतान संबंधी तकनीकी दिक्कत के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

युवाओं ने निकाली तिरंगा रैली, देश प्रेम का दिया संदेश

पिथौरागढ़, एजेंसी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत पर्यटन विभाग और प्रशासन के सहयोग से युवाओं ने तिरंगा साइकिल रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने लोगों को देश प्रेम का संदेश दिया। डीएम आवास भाटकोट से तिरंगा साइकिल रैली को सीडीओ डॉ. दीपक सैनी और एसपी अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का सिल्थात तिराहा, केमू स्टेशन, विकास भवन होते हुए कलक्ट्रेट में समापन हुआ। रैली में शामिल 22 युवाओं ने कहा कि तिरंगा हमारी शान है और आजादी का प्रतीक है। लोगों को स्वतंत्रता दिवस पर सभी को अपने घरों में तिरंगा फहराना चाहिए। इस मौके पर एसडीएम जितेंद्र वर्मा, पर्यटन विभाग के उप निदेशक अतुल भंडारी आदि रहे। वहीं बुंगाछीना में पर्यावरण बटालियन की मिलम कंपनी के जवानों ने तिरंगा रैली निकाली। इस दौरान जवानों ने देश भक्ति गीत भी गाए। वहीं भारत माता के जयकारे लगाए इनसे पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इसके बाद जवानों ने पौधे रोपे। इस मौके पर दायित्वधारी गणेश भंडारी, मनोज सामंत, इंद्र लुंठी, रघुवीर सिंह, कोमल मेहता आदि शामिल रहे। झूलाघाट में एसएसबी के जवानों ने प्राथमिक विद्यालय कानडी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों के साथ तिरंगा रैली निकाली। जवानों ने इस दौरान लोगों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं सशक्त होंगी तो देश भी सशक्त होगा।एसएसबी की 11वीं वाहिनी ने सामूहिक वंदे मातरम् गीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया। बुधवार को वाहिनी परिसर में कमांडेंट डॉ. अतुल कुमार राय के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। इसमें वाहिनी के सभी अधिकारियों और जवानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया।

चंबा में श्रीदेव सुमन का स्मारक बदहाल

शराब की बोतलें और कूड़े से पटा परिसर

टिहरी, एजेंसी। चंबा में स्वतंत्रता सेनानी और अमर शहीद श्रीदेव सुमन की स्मारक बदहाल स्थिति में है. स्मारक परिसर में जहां साफ-सफाई और सम्मान का वातावरण होना चाहिए था, वहां शराब की खाली बोतलें, गुटखे के पाउच और कूड़ा-कचरा पड़ा दिखाई दे रहा है. जिससे श्रीदेव सुमन के सम्मान के साथ जनभावनाओं को ठेस पहुंच रहा है. ऐसे में स्मारक के रखरखाव और साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है.

राजशाही के चंगुल से टिहरी की प्रजा को किया था आजाद: बता दें कि श्रीदेव सुमन ने अपने जीवन का बलिदान टिहरी रियासत में लोकतांत्रिक अधिकारों एवं जनहित की आवाज उठाते हुए दिया था. ऐसे महानायक की स्मृति में बनाया गया स्मारक आज खुद बदहाली का शिकार नजर आ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि स्मारक परिसर में नियमित साफ-सफाई और रखरखाव का अभाव है. परिसर में असामाजिक तत्व शराब की खाली बोतलें, गुटखे के पाउच और अन्य कूड़ा-कचरा फेंक रहे हैं.

श्रीदेव सुमन के स्मारक पर गंदगी: लोगों का कहना है कि जिस स्थान से आने वाली पीढ़ियों को श्रीदेव सुमन के संघर्ष, त्याग और बलिदान की प्रेरणा मिलनी चाहिए, अगर वही स्थान गंदगी और अव्यवस्था का शिकार रहेगा, तो यह शहीद के सम्मान के साथ जनभावनाओं के साथ भी अन्याय है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से स्मारक की तत्काल सफाई कराने, नियमित रखरखाव की व्यवस्था करने एवं परिसर में असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है. 'टिहरी जिले की पहचान श्रीदेव सुमन की वजह से है, लेकिन दुर्भाग्य है कि उनके स्मारक के आसपास बेहद गंदगी है. नगर पालिका की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है. जहां पुस्तकालय बनाया जाना था, वहां पर कूड़ा कचरा फैला है. अगर पालिका की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जाती है, तो विश्व हिंदू परिषद को आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगा. '- अमर शहीद श्रीदेव सुमन उत्तराखंड के उन महान सपूतों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने जीवन की परवाह किए बिना जनता के अधिकारों और सम्मान के लिए संघर्ष किया. उनका जीवन और बलिदान आज भी प्रदेश की नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है. चंबा शहर में उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए स्मारक बनाया गया है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि स्मारक के रखरखाव की ओर जिम्मेदार विभाग और स्थानीय प्रशासन का पर्याप्त ध्यान नहीं है.

पिथौरागढ़ में सातूं-आठूं पर्व के लिए सजने लगे मुखौटे

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत जिले में शिव-पार्वती को समर्पित सातूं-आठूं पर्व की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए मुखौटे सजने लगे हैं। यह पर्व मुखौटा संस्कृति का भी वाहक है जो पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। सीमांत जिले में नगर से लेकर कस्बों, गांवों तक सातूं-आठूं पर्व उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस बार 19 को सातूं और 20 अगस्त को आठूं पर्व मनाया जाएगा इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। नगर के साथ ही कनालीछीना, सतगढ़, सिरोली, पनखोली, डुंगरी, बस्तड़ी, अस्कोट सहित अन्य क्षेत्रों में युवा इसकी तैयारी में जुट गए हैं। यह पर्व गौरा-महेश्वर यानि शिव-पार्वती को समर्पित है। सातूं पर्व पर विशेष घास सौं से गौरा जबकि दूसरे दिन आठूं पर्व को महेश्वर की प्रतिमा स्थापित कर इनकी पूजा-अर्चना होगी। इस पर्व की विशेष पहचान मुखौटा संस्कृति भी है। पर्व पर

मुखौटों के जरिए बैलों की जोड़ी, हिरन चीतल, महाकाली आदि का प्रदर्शन किया जाता है। सतगढ़, कनालीछीना सहित अन्य क्षेत्रों में पर्व के लिए मुखौटे सजने लगे हैं। युवा इन मुखौटों पर रंग चढ़ाकर इन्हें संवारने के साथ इस प्राचीन संस्कृति को जीवंत करने में जुटे हैं। पिथौरागढ़। जिले के सतगढ़, कनालीछीना, सिरोली सहित अन्य हिस्सों में झोड़ा-चांचरी का गायन शुरू हो गया है। सातूं-आठूं पर्व पर ठुलखेल के माध्यम से भगवान शिव, मां गौरा, भगवान कृष्ण सहित अन्य देवी-देवताओं की आराधना भी की जाती है। महिलाएं और पुरुष झोड़ा-चांचरी का गायन कर अपनी लोक कला और संस्कृति का प्रदर्शन करते हैं। संवाद सातूं-आठूं पर्व पर बिरुड़ से मां गौरा के पूजन की परंपरा है। बिरुड़ पांच या सात अनाजों का मेल होता है इसमें सबसे प्रमुख गुरुश हैं जो विशेष अनाज है। गुरुश के साथ मटर, गेहूं सहित पांच या सात अनाजों का मिश्रण भिगोया जाता है। सातूं पर्व पर इसे नौले-धारों के पवित्र जल से धोया जाता है। इसी बिरुड़ से मां गौरा का पूजन होता है। पूजन के बाद बिरुड़ को पकाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। संवाद नगर से लगी ग्राम सभा फोर्ती स्थित त्यौंदर बाबा मंदिर में आठ दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ जारी है। कथा सुनने के लिए दूर-दराज के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। कथा के दौरान पुरोहित सागर पुनेठा और आचार्य भुवन बगौली ने सुबह पूजा-अर्चना संपन्न कराई। दोपहर बाद कथा व्यास योगेश कृष्ण शास्त्री ने शिव-पार्वती विवाह संवाद, भगवान शिव के स्वरूप और उनकी महिमा का वर्णन सुनाया।इस दौरान हीरा बल्लभ पुनेठा, बाबा अमर गिरी, बाबा दीनानाथ, योगेश बगौली, चंद्रशेखर बगौली, शंकर बगौली, मोहन चंद्र बगौली, महेश चंद्र बगौली, शेखर उपाध्याय, सोनू चौबे, लक्ष्मी दत्त जोशी, सागर पुनेठा, रोहित पुनेठा मौजूद रहे।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE FOR SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY, OUTSIDE INDIA. INITIAL PUBLIC OFFER OF EQUITY SHARES ON THE MAIN BOARD OF BSE LIMITED ("BSE") AND NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE"), (AND TOGETHER WITH BSE, THE "STOCK EXCHANGES") IN COMPLIANCE WITH CHAPTER II OF THE SECURTIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED ("SEBI ICDR REGULATIONS")

TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED

(Please scan this QR Code to view the Prospectus)

TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED

(To be listed on the main board of BSE and NSE)

Our Company was originally incorporated as a private limited company under the name "Technocraft Construction Private Limited" under the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation dated October 21, 1998, issued by the Registrar of Companies, NCT of Delhi and Haryana. Thereafter, the name of our Company was changed from 'Technocraft Construction Private Limited' to 'Technocraft Ventures Private Limited' pursuant to a board resolution dated January 08, 2024, and a special resolution passed by our shareholders dated January 10, 2024, and a fresh certificate of incorporation dated February 09, 2024, was issued pursuant to change of name, by the Registrar of Companies, Delhi. Subsequently, our Company was converted into a public limited company pursuant to a resolution passed by our Board of Directors dated February 16, 2024, and a special resolution passed by our shareholders on March 13, 2024. Consequently, the name of our Company was changed to 'Technocraft Ventures Limited', and a fresh certificate of incorporation was issued to our company by the Registrar of Companies, Central Processing Centre, on June 11, 2024. For further details, kindly refer *"Our History and Certain Corporate Matters - Brief History of our Company"* beginning on page 328 of the Prospectus filed with ROC.

Corporate Identity Number: U70101DL1998PLC096763 **Registered Office:** S 553/54, Ground Floor, School Block, Shakarpur, New Delhi-110092, India; **Corporate Office:** B-137, Sector-2 Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, India;
Contact Person: Shefali Kesarwani, Company Secretary and Compliance Officer; **Tel.:** +91 9211252228; **E-mail:** compliance@technocraftventures.com; **Website:** www.technocraftventures.com

PROMOTERS OF OUR COMPANY: SANJAY TYAGI, REKHA TYAGI, KARTIKEY TYAGI, KARTIKEY CONSTRUCTIONS (PARTNERSHIP FIRM) AND SANJAY TYAGI HUF

Our Company has filed the Prospectus with the RoC, dated August 12, 2026 and the Equity Shares are proposed to be listed on the main board of BSE Limited ("BSE") and National Stock Exchange of India Limited ("NSE") and the trading will commence on Friday, August 14, 2026.

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC OFFERING OF 11,881,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED ("OUR COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 212 PER EQUITY SHARE ("OFFER PRICE") (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ 202 PER EQUITY SHARE) AGGREGATING TO ₹ 2,518.77 MILLION (THE "OFFER"). "THE OFFER COMPRISES OF A FRESH ISSUE OF 9,505,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH AGGREGATING ₹ 2015.06 MILLION BY OUR COMPANY (THE "FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF 2,376,000 EQUITY SHARES BY KARTIKEY CONSTRUCTIONS (PARTNERSHIP FIRM) (THE "PROMOTER SELLING SHAREHOLDER") AND REFERRED TO AS, THE "SELLING SHAREHOLDER" (THE "OFFER FOR SALE"). THE OFFER CONSTITUTING 30% OF OUR POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL."

**PRICE BAND: ₹ 200 TO ₹ 212 PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH.
THE FLOOR PRICE IS 20 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES AND
THE CAP PRICE IS 21.20 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES.**

RISK TO INVESTORS

For details, kindly refer to the section titled "Risk Factors" beginning on page 33 of the Prospectus.

A. **Risk to Investors:**

1. **Business Concentration Risk:** We have generated 85.44%, 80.22% and 90.91% of our revenue from operations for the financial year ended on March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, respectively, from Water & Wastewater Infrastructure work. We are a multidisciplinary public infrastructure development company engaged in the execution of turnkey Engineering, Procurement and Construction (**"EPC"**) contracts. We operate across various infrastructure segments, including Water & Wastewater Infrastructure such as Water Supply Scheme Projects (**"WSSPs"**), Sewerage Networks, Sewerage Treatment Plants (**"STPs"**), Wastewater Treatment Plants (**"WWTPs"**), Transmission mains, Reservoirs, Trenchless & Micro tunnelling Works, Roads and Highways work, Electrical Transmission work, Urban Infrastructure which includes sector-level planning and execution of residential building projects and Operation and Maintenance (**"O&M"**) of public utilities.
The business segment wise bifurcation of revenue for the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 are as below:

(*₹ in million*)

Particulars	For the Financial Year ended					
	March 31, 2026		March 31, 2025		March 31, 2024	
	Amount	% of revenue from operations	Amount	% of revenue from operations	Amount	% of revenue from operations
Sale of Services						
Water & Wastewater Infrastructure work	2,947.64	85.44	2,242.61	80.22	2,055.48	90.91
Roads and Highways work	444.04	12.87	20.38	0.73	-	0.00
Urban Infrastructure work	-	-	248.38	8.88	-	0.00
Electrical Transmission work	-	-	210.30	7.52	-	0.00
Operation & Maintenance work	57.71	1.67	24.50	0.88	13.79	0.61
Other Operating Revenues						
Sale of Material	0.57	0.02	49.47	1.77	191.75	8.48
Total	**3,449.96**	**100.00**	**2,795.64**	**100.00**	**2,261.02**	**100.00**

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362TEEDWY3049.

2. **Revenue Concentration Risk:** A substantial portion of our revenues is derived from contracts awarded by Central and State Governments, local authorities under Government-led schemes such as the Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (**"AMRUT"**), Jal Jeevan Mission (**"JJM"**), Namami Gange and Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (**"PMGSY"**). Our order book is therefore highly dependent on Government budgetary allocations and policy priorities. Any reduction or reallocation in public spending, delay in issuance of tenders, change in pre-qualification norms, or cancellation of awarded projects could materially reduce our pipeline of opportunities.
The table below sets forth our revenue from Government & Government authorities and from Private clients for the financial years ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 indicated:

(*₹ in million*)

Particulars	For the financial year ended		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
Revenue from Government	3,449.39	2,274.52	1,741.50
% of Revenue from Operations	99.98	81.36	77.02
Revenue from Private Sector	0.57	521.12	519.52
% of Revenue from Operations	0.02	18.64	22.98
Total	**3,449.96**	**2,795.64**	**2,261.02**

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362MFNQNB9135.

Our Company may face execution risks, including delays in approvals, resource mobilisation, site challenges, adverse weather, land acquisition issues, labour shortages, and supply chain disruptions in future. Our Company may not be able to successfully bid for and/or procure government orders in the future. Any inability to secure such orders, or a reduction in the number or value of government contracts awarded to our Company, could adversely affect our revenue, financial condition and results of operations.

3. **Geographical Concentration Risk:** Our Company's project portfolio is geographically concentrated, with a significant presence in Uttar Pradesh and Rajasthan. Our Company's geographic concentration in Uttar Pradesh and Rajasthan exposes it to risks such as regional slowdowns in infrastructure spending, changes in state policies or political conditions, limited geographic diversification, challenges in competing for large national projects due to a regional market perception, and constraints on efficiently expanding and clustering projects across other states.
Following are the state wise bifurcation of revenue for the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024:

(*₹ in million*)

Sr. No.	Name of the States	For the Financial Year ended March 31,					
		2026		2025		2024	
		Revenue from Operations	% of Revenue from Operations	Revenue from Operations	% of Revenue from Operations	Revenue from Operations	% of Revenue from Operations
1.	Uttar Pradesh	881.00	25.53	756.39	27.06	1,382.72	61.15
2.	Rajasthan	2,175.25	63.05	1,665.42	59.58	730.64	32.31
3.	Delhi	355.21	10.30	163.53	5.85	147.66	6.54
4.	Uttarakhand	-	-	210.30	7.52	-	-
5.	Madhya Pradesh	38.50	1.12	-	-	-	-
	Total	**3,449.96**	**100.00**	**2,795.64**	**100.00**	**2,261.02**	**100.00**

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362LGVDOP3135.

4. **Ability to qualify and bid for Government Tenders:** Our Company relies on competitive government tenders to secure infrastructure projects across sectors such as water, wastewater, power, roads, microtunneling and urban infrastructure. Its ability to win contracts depends on meeting technical and financial eligibility criteria, which may change over time. Delays, cancellations, or unsuccessful bids can result in wasted bid preparation costs and reduced business opportunities. Even after winning a contract, delays in project awards or commencement can lead to underutilized labour and equipment, increasing costs and reducing profitability.
The table below sets forth details of the cumulative bids submitted by us and the corresponding conversion metrics for the period ended July 15, 2026 and for the financial years ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 indicated:

Particulars	Solo bid by the Company	Bid as a Lead Partner	Bid as a Joint Venture Partner
Bids submitted	56	9	6
Less: Cancelled/ Awaited/ Pending Result	20	1	3
Net bids submitted	36	8	3
Awarded	13	6	0
Successful Conversion of Bids (in %)	36.11	75.00	0.00

5. **Financial Risks:** A substantial portion of our revenues is derived from contracts awarded by Central and State Governments. The execution of large infrastructure projects involves high working capital requirements, and any shortfall or delay in the availability of working capital may adversely affect our project execution, business and financial condition, cash flows and results of operations. Further, our business requires significant working capital investment, which constitutes trade receivables and inventories together form a substantial part of our non-cash current assets, constituting 79.50%, 72.93% and 74.59% of total non-cash current assets as of March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, respectively.

Risk related to Working Capital Requirement Risk

Our operations across infrastructure segments, including water and wastewater projects, roads, electrical networks, and civil construction are inherently working capital intensive due to significant upfront expenses in procurement, mobilization, and project execution. As per our restated consolidated financial Information, our working capital requirements for the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 amounted to ₹ 1,338.16 million, ₹ 1,400.09 million and ₹ 1,280.66 million, respectively. Further, our working capital requirements for Financial Year 2027 are estimated at ₹ 2,909.29 million out of which an amount of ₹ 1,500.00 million will be funded out of the Net Proceeds from issue of fresh equity shares in financial year 2027, whereas the balance, if any, would be arranged from our internal accruals and/or borrowings. For details of our working capital requirements and estimation, kindly refer "Objects of the Offer" beginning on page 136 of the Prospectus.

Risk related to Trade Receivables & Trade Payables

As majority of our revenue is generated through the government tenders so our Company's trade receivables constitute only receivables from Governments:

(*₹ in million*)

Particulars	For the financial year ended		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
Trade Receivables	1,179.76	581.84	1,001.83
Revenue from operations	3,449.96	2,795.64	2,261.02
Trade Receivables as % of revenue from operations	34.20	20.81	44.31

The increase in our trade receivables as at March 31, 2026 was primarily attributable to the timing of billing during Fiscal 2026, with approximately 40% of our revenue from operations of ₹ 3,449.96 million being billed during the fourth quarter while approximately 56% was billed during the third and fourth quarters combined. Consequently, a substantial portion of the invoices remained outstanding as at the fiscal year-end, resulting in trade receivables of ₹ 1,179.76 million, of which ₹ 1,131.08 million were outstanding for less than six months.

Risk related to Contingent Liabilities:

Our contingent liabilities and commitments (as per Ind AS 37), derived from the Restated Consolidated Financial Information is ₹ 99.79 million and the following bank guarantees have been provided against the works:

(*₹ in million*)

GUARANTEES			
Particulars	As at		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
A) Bank Guarantees	1,680.33	1,113.16	792.27
Total	**1,680.33**	**1,113.16**	**792.27**

For further details, kindly refer *"Restated Consolidated Financial Information - Annexure 46 - Contingent Liabilities and Commitments"* beginning on page 438 of the Prospectus.

If a significant portion of these liabilities materialize, it could have an effect on our results of operations and financial condition. Further, there can be no assurance that we will not incur similar or increased levels of contingent liabilities in the future.

6. **Risk of seasonality of operations of the Company:** Our business operations may be affected by seasonal factors which may restrict our ability to carry on activities related to our construction projects, laying of water pipes and fully utilize our resources.
The following factors may restrict our ability:
➢ Heavy or sustained rainfalls
➢ Flood
➢ Cyclones or
➢ Other extreme weather conditions
The above could result in delays or disruptions to our operations during the critical periods of our projects and cause severe damages to our premises and equipment's. In particular, the monsoon season may adversely affect our ability to carry on activities related to our projects and efficiently utilize our resources, resulting in a Slowdown in construction projects. This may lead to delays in project execution and consequently defer the recognition of revenue and profits to subsequent quarters. Adverse seasonal developments may also necessitate the evacuation of personnel, suspension or curtailment of operations, damage to construction sites or delays in the delivery of materials. Such fluctuations may adversely affect our revenues, cash flows, results of operations and financial conditions.

7. **Orders in our order book may be delayed, truncated, modified, or cancelled, and may not translate into confirmed orders**
As on July 15, 2026, our Order Book includes 14 EPC projects across water & wastewater treatment infrastructure work and roads and highways work with an aggregate unexecuted contract value of ₹13,054.45 million and 5 Operations and Maintenance (O&M) projects aggregating ₹ 152.87 million. Our Order Book represents the unexecuted value of ongoing and newly awarded contracts. It is compiled based on internal estimates and is unaudited. The methodology used by our Company may differ from industry practices and should not be construed as a guaranteed measure of future revenue or profitability. The realization of income from our Order Book is subject to various factors including but not limited to project approvals, site conditions, contractual timelines and changes in project scope or specifications by the client.

(*₹ in million*)

Sr. No.	Particulars	FY 2025-26	FY 2024-25	FY 2023-24
1.	Opening balance of Order Book	7,688.20	7,528.80	3,243.20
2.	Add: New orders awarded during the year	8,156.60	2,752.00	5,729.10
3.	Less: Sales booked*	3,449.96	2,798.40	2,262.10
4.	Add/less: Variation/Reduction	(35.87)	205.80	818.60
5.	Closing Order Book	12,358.97	7,688.20	7,528.80

**Revenue from operations as per audited standalone statement of profit & loss.*

Continued on next page...

...continued from previous page.

8. **Outstanding Legal Proceeding:** There are proceedings pending at different levels of adjudication before various courts, enquiry officers and appellate forums involving our Company, Directors, Promoters, Key Managerial Personnel (KMPs) and Senior Managerial Personnel (SMPs). Such proceedings could divert management's time, attention and consume financial resources in their defense. Further, an adverse judgment in some of these proceedings could have an adverse impact on our business, financial condition, and result of operations
9. **Regulatory Risk:** The company is unable to trace certain historical corporate records and RoC filings, and some statutory filings contain incomplete or inaccurate disclosures that have not been revised. Under the circumstances elaborated above, our Company cannot assure you that the filings were made in a timely manner, or the information gathered through other available documents of our Company are correct. Also, our Company may not be in a position to attend to and / or respond appropriately to any legal matters pertaining to such period and relating to such documents which have been lost and to that extent the same may adversely affect our business operations.
10. The average cost of acquisition of Equity Shares for the Promoter Selling Shareholder is ₹ 2.50 and offer price at upper end of the price band is ₹ 212.
11. Weighted average cost of acquisition (WACA) of Equity Shares by our Promoters (including the Promoter Selling Shareholder):

Particulars	Number of Equity Shares of face value of ₹ 10 each	WACA of Equity Shares of face value of ₹ 10 per Equity Share acquired in last 18 months (in ₹)	WACA of Equity Shares of face value of ₹10 per Equity Share acquired in last 1 year (in ₹)	WACA of Equity Shares of face value of ₹ 10 per Equity Share acquired in last 3 years (in ₹)
Sanjay Tyagi	1,212,000	0.10	Nil	0.10
Rekha Tyagi	395,200	Nil	Nil	Nil
Kartikey Tyagi	600,000	Nil	Nil	Nil
Sanjay Tyagi HUF	2,114,200	Nil	Nil	Nil
Kartikey Constructions^	24,990,000	Nil	Nil	Nil

As certified by the Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountant pursuant to their certificate dated July 10, 2026.
^Also the Promoter Selling Shareholder.
Note: Weighted average cost of acquisition of all equity shares during last one year, 18 months and three years has been calculated after considering the shares allotted by way of bonus issue and gift.

12. Weighted average cost of acquisition of all Equity Shares transacted by our Promoters (including Promoter Selling Shareholder) and members of the Promoter Group in last 1 year, 18 months and 3 years immediately preceding from the date of Prospectus is as follows:

Period	Weighted Average Cost of Acquisition of Equity Shares (in ₹)	Cap price is 1.74 times the Weighted Average Cost of Acquisition	Range of acquisition price: Lowest Price-Highest Price (in ₹)
Last 1 year	Nil	Nil	Nil
Last 18 months	121.76	1.74	121.76-121.76
Last 3 years	121.76	1.74	121.76-121.76

As certified by the Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountant pursuant to their certificate dated July 10, 2026.
Note: Weighted average cost of acquisition of all equity shares during last one year, 18 months and three years has been calculated without considering the shares allotted by way of bonus issue and gift.

13. Weighted Average Return on Net Worth for last three financial years is 24.55%.
14. Weighted average cost of acquisition for all the shares transacted in the last one year, 18 months and 3 years preceding the date of the Prospectus is given in point 11 above.
15. The Price/Earnings ratio based on diluted EPS for Fiscal 2026 for our Company at the upper end of the Price band is 14.73 times as compared to the average industry peer group PE ratio of 24.73 times.
16. The BRLM associated with the Offer i.e., Khambatta Securities Limited has handled 11 public issues (2 main board IPOs & 9 SME IPOs) in the past three years preceding the date of Prospectus, out of which 3 SME IPOs closed below offer price on listing date.

Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For detail kindly refer *"Risk Factors"* beginning on page 33 of the Prospectus.

BID / OFFER PROGRAMME

ANCHOR INVESTOR BID OPENED & CLOSED ON : THURSDAY, AUGUST 06, 2026

BID / OFFER OPENED ON : FRIDAY, AUGUST 07, 2026

BID / OFFER CLOSED ON : TUESDAY, AUGUST 11, 2026

The Offer was made in terms of Rule 19(2)(b) of the SCRR, read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations. The Offer was made through the Book Building Process, in compliance with Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50% of the Net Offer was made available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers (**"QIBs"**) (such portion referred to as **"QIB Portion"**) provided that our Company, in consultation with the BRLM, allocated 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations (the **"Anchor Investor Portion"**), of which 40% of the Anchor Investor Portion was reserved for allocation in the following manner: (i) 33.33% for domestic Mutual Funds, and (ii) 6.67% was reserved for Life Insurance Companies and Pension Funds, subject to valid Bids having been received from domestic Mutual Fund, Life Insurance Companies and Pension Funds at or above the price at which Equity Shares was allocated to the Anchor Investors (**"Anchor Investor Allocation Price"**), in accordance with the SEBI ICDR Regulations. Any under-subscription in the reserved category specified in clause (ii) above, could be allocated to domestic Mutual Fund. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares were made added to the Net QIB Portion. (other than the Anchor Investor Portion). Further, 5% of the Net QIB Portion was made available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds subject to valid Bids having been received at or above the Offer Price, and the remainder of the QIB Portion was made available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids having been received at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in Mutual Fund Portion were added to the remaining QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Offer was made available for allocation to NIIs (out of which: (a) one-third of the portion available to NIIs was reserved for allocation to Bidders with a Bid size of more than ₹0.20 million and up to ₹ 1.00 million ; and two-thirds of the Non-Institutional Category was reserved for allocation to Bidders with Bid size of more than ₹ 1.00 million and under-subscription in either of these two sub- categories of Non-Institutional Category could be allocated to Bidders in the other sub-category of Non-Institutional Category). Further, not less than 35% of the Net Offer was made available for allocation to RIIs, in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids having been received from them at or above the Offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) were required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective Bank Accounts and UPI ID (in case of UPI bidders using the UPI Mechanism), in which case the corresponding Bid Amounts was blocked by the SCSBs or the Sponsor Bank(s) as applicable, to participate in the Offer. Anchor Investors were not permitted to participate in the Anchor Investor Portion of the Offer through ASBA process. For details, kindly refer *"Offer Procedure"* beginning on page 576 of the Prospectus.

The bidding for Anchor Investor opened and closed on Thursday, August 06, 2026. The Company received 04 applications from 04 Anchor Investors for 35,64,050 Equity Shares. The Anchor Investor Offer Price was finalized at ₹ 212 per Equity Share. A total of 35,63,810 Equity Shares were allocated under the Anchor Investor Portion aggregating to ₹ 755.53 million.

The Offer received 13,60,671 applications for 32,70,82,350 Equity Shares resulting in 27.53 times subscription as disclosed in the Prospectus. The details of the applications received in the Offer from Retail Individual Bidders, Non-Institutional Bidders, QIBs and Anchor Investors are as under (before technical rejections):

Sr. No.	Category	No. of Applications applied	No. of Equity Shares	Shares Reserved as per Prospectus	No. of times Subscribed	Amount (₹)
A	Qualified Institutional Bidders -Anchor	4	35,64,050	35,63,810	1.00	75,55,78,600
B	Qualified Institutional Bidders (excluding Anchor)	51	10,01,23,100	23,76,690	42.13	21,22,60,97,200
C	Non Institutional Investors -1	39,585	4,03,79,850	5,94,050	67.97	8,56,05,28,200
D	Non Institutional Investors -2	14,691	7,63,53,130	11,88,100	64.26	16,18,68,63,560
E	Retail Individual Investors	13,06,340	10,66,62,220	41,58,350	25.65	22,61,23,90,640
	Total	**13,60,671**	**32,70,82,350**	**1,18,81,000**	**27.53**	**69,34,14,58,200**

*This includes 5,529 applications for 3,87,100 Equity Shares from Retail Individual Investor which were not in book but excludes bids (UPI Mandates & SCSBs cancelled) not accepted by investor.

Final Demand

A summary of the final demand as per NSE and BSE as on the Bid/Offer Closing Date at different Bid prices is as under:

Sr. No.	Bid Price	No. of Equity Shares	% to Total	Cumulative Total	Cumulative % of Total
1	200	1,93,340	0.06	1,93,340	0.06
2	201	15,470	0.00	2,08,810	0.06
3	202	15,190	0.00	2,24,000	0.06
4	203	3,850	0.00	2,27,850	0.07
5	204	4,270	0.00	2,32,120	0.07
6	205	44,240	0.01	2,76,360	0.08
7	206	6,090	0.00	2,82,450	0.08
8	207	13,790	0.00	2,96,240	0.09
9	208	18,060	0.01	3,14,300	0.09
10	209	5,390	0.00	3,19,690	0.09
11	210	47,740	0.01	3,67,430	0.11
12	211	20,370	0.01	3,87,800	0.11
13	212	23,82,66,490	68.94	23,86,54,290	69.06
	CUT OFF	**10,69,39,840**	**30.94**	**34,55,94,130**	**100.00**
		34,55,94,130	**100.00**		

The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange, being BSE on August 12, 2026.

A. Allotment to Retail Individual Bidders (After Technical Rejections) (including ASBA Applications)

The Basis of Allotment to the Retail Individual Bidders, who have bid at cut-off or at the Offer Price of ₹212 per Equity, was finalized in consultation with BSE. This category has been subscribed to the extent of 24.91 times. The total number of Equity Shares Allotted in Retail Individual Bidders category is 41,58,350 Equity Shares to 59,405 successful applicants. The category-wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per Bidder	Ratio	Total No. of Equity Shares allotted
1	70	11,92,788	94.08	8,34,95,160	80.61	70	32:683	39,12,020
2	140	41,377	3.26	57,92,780	5.59	70	44:939	1,35,730
3	210	11,981	0.94	25,16,010	2.43	70	14:299	39,270
4	280	5,160	0.41	14,44,800	1.39	70	31:661	16,940
5	350	4,216	0.33	14,75,600	1.42	70	41:873	13,790
6	420	1,715	0.14	7,20,300	0.7	70	16:343	5,600
7	490	2,134	0.17	10,45,660	1.01	70	44:939	7,000
8	560	588	0.05	3,29,280	0.32	70	1:21	1,960
9	630	376	0.03	2,36,880	0.23	70	9:188	1,260
10	700	1,360	0.11	9,52,000	0.92	70	4:85	4,480
11	770	300	0.02	2,31,000	0.22	70	7:150	980
12	840	326	0.03	2,73,840	0.26	70	15:326	1,050
13	910	5,570	0.44	50,68,700	4.89	70	44:939	18,270
TOTAL		**12,67,891**	**100.00**	**10,40,00,000**	**100.00**			**41,58,350**

B. Allotment to Non-Institutional Bidders (more than ₹0.20 million and upto ₹1.00 million) (After Technical Rejections) (including ASBA Applications)

The Basis of Allotment to the Non-Institutional Bidders (more than ₹ 0.20 million and upto ₹ 1.00 million), who have bid at the Offer Price of ₹ 212 per Equity Share or above, was finalized in consultation with BSE. This category has been subscribed to the extent of 66.96 times. The total number of Equity Shares allotted in this category is 5,94,050 Equity Shares to 606 successful applicants. The category-wise details of the Basis of Allotment are as under:

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per applicant	Ratio	Total No. of Equity Shares allotted
1	980	36,779	94.24	3,60,43,420	90.61	980	12:773	5,59,580
2	1,050	763	1.95	8,01,150	2.01	980	12:763	11,760
3	1,120	181	0.46	2,02,720	0.51	980	3:181	2,940
4	1,190	116	0.30	1,38,040	0.35	980	1:58	1,960
5	1,260	59	0.15	74,340	0.19	980	1:59	980
6	1,330	41	0.11	54,530	0.14	980	1:41	980
7	1,400	191	0.49	2,67,400	0.67	980	3:191	2,940
8	1,470	62	0.16	91,140	0.23	980	1:62	980
9	1,960	70	0.18	1,37,200	0.34	980	1:70	980
10	2,100	49	0.13	1,02,900	0.26	980	1:49	980
11	2,310	332	0.85	7,66,920	1.93	980	5:332	4,900
12	2,380	50	0.13	1,19,000	0.30	980	1:50	980
13	4,690	71	0.18	3,32,990	0.84	980	1:71	980
14	1,540	15	0.04	23,100	0.06	980	0:0	0
15	1,610	17	0.04	27,370	0.07	980	0:0	0
16	1,680	17	0.04	28,560	0.07	980	0:0	0
17	1,750	30	0.08	52,500	0.13	980	0:0	0
18	1,820	11	0.03	20,020	0.05	980	0:0	0
19	1,890	27	0.07	51,030	0.13	980	0:0	0
20	2,030	7	0.02	14,210	0.04	980	0:0	0
21	2,170	7	0.02	15,190	0.04	980	0:0	0
22	2,240	16	0.04	35,840	0.09	980	0:0	0
23	2,450	22	0.06	53,900	0.14	980	0:0	0
24	2,520	1	0.00	2,520	0.01	980	0:0	0
25	2,590	1	0.00	2,590	0.01	980	0:0	0
26	2,660	4	0.01	10,640	0.03	980	0:0	0
27	2,730	1	0.00	2,730	0.01	980	0:0	0
28	2,800	13	0.03	36,400	0.09	980	0:0	0
29	2,870	6	0.02	17,220	0.04	980	0:0	0
30	2,940	14	0.04	41,160	0.10	980	0:0	0
31	3,010	4	0.01	12,040	0.03	980	0:0	0
32	3,150	3	0.01	9,450	0.02	980	0:0	0
33	3,290	3	0.01	9,870	0.02	980	0:0	0
34	3,360	3	0.01	10,080	0.03	980	0:0	0
35	3,500	12	0.03	42,000	0.11	980	0:0	0
36	3,570	3	0.01	10,710	0.03	980	0:0	0
37	3,640	2	0.01	7,280	0.02	980	0:0	0
38	3,710	3	0.01	11,130	0.03	980	0:0	0
39	3,780	5	0.01	18,900	0.05	980	0:0	0
40	3,850	1	0.00	3,850	0.01	980	0:0	0
41	3,920	4	0.01	15,680	0.04	980	0:0	0
42	4,060	2	0.01	8,120	0.02	980	0:0	0
43	4,200	1	0.00	4,200	0.01	980	0:0	0
44	4,270	1	0.00	4,270	0.01	980	0:0	0
45	4,340	1	0.00	4,340	0.01	980	0:0	0
46	4,410	3	0.01	13,230	0.03	980	0:0	0
47	4,480	2	0.01	8,960	0.02	980	0:0	0
48	4,550	1	0.00	4,550	0.01	980	0:0	0
49	4,620	3	0.01	13,860	0.03	980	0:0	0
Please Note : 1 (One) lot of 980 shares have been allocated to all the Applicants from Serial No.14 to 49 = 2940 shares in ratio of 3:266							3:266	2,940
4 Additional share will be allotted to successful allotees from Sr no. 2 to 49 = 140 shares							1:1	140
1 Additional share will be allotted to successful allotees from Sr no. 2 to 49 = 30 shares in ratio of 30:35							30:35	30
	Total	**39,030**	**100.00**	**3,97,79,250**	**100.00**			**5,94,050**

C. Allotment to Non-Institutional Bidders (more than ₹1.00 million) (After Technical Rejections) (including ASBA Applications)

The Basis of Allotment to the Non-Institutional Bidders (more than ₹1.00 million), who have bid at the Offer Price of ₹212 per Equity Share or above, was finalized in consultation with BSE. This category has been subscribed to the extent of 63.60 times. The total number of Equity Shares allotted in this category is 11,88,100 Equity Shares to 1,212 successful applicants. The category-wise details of the Basis of Allotment are as under: (Sample)

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares applied	% to Total	No. of Equity Shares allotted per Bidder	Ratio	Total No. of Equity Shares allotted
1	4,760	13,808	94.98	6,57,26,080	86.98	980	1:12	11,27,980
2	4,830	199	1.37	9,61,170	1.27	980	17:199	16,660
3	4,900	170	1.17	8,33,000	1.10	980	7:85	13,720
4	4,970	31	0.21	1,54,070	0.20	980	3:31	2,940
5	5,040	36	0.25	1,81,440	0.24	980	1:12	2,940
6	5,110	22	0.15	1,12,420	0.15	980	1:11	1,960
7	5,180	21	0.14	1,08,780	0.14	980	2:21	1,960
8	5,250	27	0.19	1,41,750	0.19	980	2:27	1,960
9	5,320	8	0.06	42,560	0.06	980	1:8	980
10	5,390	21	0.14	1,13,190	0.15	980	2:21	1,960
11	5,600	12	0.08	67,200	0.09	980	1:12	980
12	5,950	30	0.21	1,78,500	0.24	980	1:10	2,940
13	7,000	26	0.18	1,82,000	0.24	980	1:13	1,960
14	7,070	6	0.04	42,420	0.06	980	1:6	980
15	7,560	7	0.05	52,920	0.07	980	1:7	980
16	8,470	7	0.05	59,290	0.08	980	1:7	980
17	9,800	6	0.04	58,800	0.08	980	1:6	980
18	5,460	4	0.03	21,840	0.03	980	0:0	0
19	5,670	5	0.03	28,350	0.04	980	0:0	0
20	5,740	3	0.02	17,220	0.02	980	0:0	0
21	5,810	2	0.01	11,620	0.02	980	0:0	0
22	5,880	2	0.01	11,760	0.02	980	0:0	0
23	6,020	1	0.01	6,020	0.01	980	0:0	0
24	6,090	2	0.01	12,180	0.02	980	0:0	0
25	6,160	1	0.01	6,160	0.01	980	0:0	0
26	6,300	3	0.02	18,900	0.03	980	0:0	0
27	7,140	2	0.01	14,280	0.02	980	0:0	0
28	7,490	1	0.01	7,490	0.01	980	0:0	0
29	7,700	2	0.01	15,400	0.02	980	0:0	0
30	7,770	2	0.01	15,540	0.02	980	0:0	0
31	7,840	1	0.01	7,840	0.01	980	0:0	0
32	8,190	1	0.01	8,190	0.01	980	0:0	0

Continued on next page...

संक्षिप्त खबरें

गुरुग्राम में सफाई और फायर कर्मचारियों की हड़ताल

गुरुग्रा।म में नगर निगम और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल आठवें दिन भी जारी रही। हरियाणा नगरपालिका कर्मचारी संघ और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर यह प्रदर्शन पुराने नगर निगम कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन की संयुक्त अध्यक्षता इकाई प्रधान सम्मी बोहत और फायर के जिला प्रधान साहुन खान ने की। राज्य उप प्रधान बसंत कुमार ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि 13 मई को हुए समझौते को लागू न करके प्रशासन कर्मचारियों के साथ विश्वासघात कर रहा है। पक्का करने पर बनी थी सहमति फायर विभाग के उप प्रधान जोगिंदर ने बताया कि 13 मई के समझौते में सफाई कर्मचारियों, सीवरकर्मियों, माली, बेलदार, क्लर्क और फायरमैन सहित विभिन्न कच्चे कर्मचारियों को 30 जून तक पक्का करने पर सहमति बनी थी।

गुरुग्राम में स्वतंत्रता दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल

डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा फहराएंगे तिरंगा; DC उत्तम सिंह ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। गुरुवार को सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। जिसका उपायुक्त उत्तम सिंह ने बारीकी से जायजा लिया। 15 अगस्त को होने वाले जिला स्तरीय समारोह में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा मुख्य अतिथि होंगे। वे सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। इससे पहले, वे जिला परिषद हॉल परिसर स्थित युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे। डीसी ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान उपायुक्त उत्तम सिंह ने परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों व प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसमें अनुशासन, गरिमा और उत्कृष्टता बनाए रखने पर जोर दिया गया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को दशार्ने वाली प्रस्तुतियां देंगे। ह्यवंदे मातरम्ह्ण के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रणवानन्दा इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-92 के विद्यार्थी विशेष प्रस्तुति देंगे। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अर्जुन नगर के विद्यार्थी कृष्ण लीला प्रस्तुत करेंगे। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जैकबपुरा की छात्राएं पंजाबी नृत्य और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-4/7 के विद्यार्थी राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत करेंगे। मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा डंबल शो राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुशांत लोक सेक्टर-43 के विद्यार्थी हरियाणवी नृत्य और ब्लू बेल्स स्कूल, सेक्टर-4 के विद्यार्थी नारी सशक्तिकरण पर आधारित विशेष प्रस्तुति देंगे। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लेजर और डंबल शो भी समारोह का मुख्य आकर्षण रहेगा। 7 टुकड़ियां भव्य परेड में हिस्सा लेगी समारोह में सात टुकड़ियां भव्य परेड में हिस्सा लेगी। परेड का नेतृत्व एसीपी अभिलक्ष जोशी करेंगे। इसमें गुरुग्राम पुलिस, महिला पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी सीनियर बॉयज डीएसडी कॉलेज और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैकबपुरा के स्टूडेंट पुलिस कैडेट की टुकड़ियां शामिल होगी। स्वतंत्रता सेनानी होंगे सम्मानित समारोह के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर बलिदानियों के परिजनों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह का समापन राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ होगा।

CATVISION LIMITED
(CIN: L92111DL1985PLC021374)
Regd. Office: H-17/202, 2nd Floor, Vikas Marg, Delhi-110092
Website: www.catvisionindia.com
E-mail: catvision@catvisionindia.com, Tel.: +91(120) 4229116
Toll Free No: 7669300112, 18001037032

STATEMENT OF UNAUDITED STANDALONE AND CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED JUNE 30, 2026

The Board of Directors of the Company, at their Meeting held on 13th August 2026, approved the Unaudited Standalone and Consolidated Financial Results of the Company for the quarter ended on June 30, 2026.The results, along with the Auditors' Report, have been posted on the Company's website at **www.catvisionindia.com** and can be accessed by scanning the QR code.

For and on behalf of the Board of Directors
Sd/-
Syed Athar Abbas
Managing Director
DIN: 00770259

Place: Noida
Date: August 13, 2026

Note:
The above intimation is in accordance with Regulation 33 read with Regulation 47(1) of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

...continued from previous page.

Sr. No.	Category	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Equity Shares applied	% to Total	No. of Equity Shares allotted per Bidder	Ratio	Total No. of Equity Shares allotted
33	8,400	2	0.01	16,800	0.02	980	0:0	0
34	8,540	1	0.01	8,540	0.01	980	0:0	0
35	8,680	1	0.01	8,680	0.01	980	0:0	0
36	8,960	2	0.01	17,920	0.02	980	0:0	0
37	9,170	1	0.01	9,170	0.01	980	0:0	0
38	9,380	3	0.02	28,140	0.04	980	0:0	0
39	9,450	4	0.03	37,800	0.05	980	0:0	0
40	9,520	4	0.03	38,080	0.05	980	0:0	0
41	9,590	1	0.01	9,590	0.01	980	0:0	0
42	9,940	1	0.01	9,940	0.01	980	0:0	0
43	10,010	1	0.01	10,010	0.01	980	0:0	0
44	10,500	5	0.03	52,500	0.07	980	0:0	0
45	10,570	1	0.01	10,570	0.01	980	0:0	0
46	11,480	1	0.01	11,480	0.02	980	0:0	0
47	11,830	1	0.01	11,830	0.02	980	0:0	0
48	11,900	1	0.01	11,900	0.02	980	0:0	0
49	12,250	1	0.01	12,250	0.02	980	0:0	0
50	12,460	1	0.01	12,460	0.02	980	0:0	0
51	14,000	5	0.03	70,000	0.09	980	0:0	0
52	14,140	1	0.01	14,140	0.02	980	0:0	0
53	14,700	2	0.01	29,400	0.04	980	0:0	0
54	15,260	1	0.01	15,260	0.02	980	0:0	0
55	17,290	1	0.01	17,290	0.02	980	0:0	0
56	18,900	1	0.01	18,900	0.03	980	0:0	0
57	19,670	2	0.01	39,340	0.05	980	0:0	0
58	19,810	1	0.01	19,810	0.03	980	0:0	0
59	20,230	1	0.01	20,230	0.03	980	0:0	0
60	21,000	3	0.02	63,000	0.08	980	0:0	0
61	23,520	1	0.01	23,520	0.03	980	0:0	0
62	23,660	1	0.01	23,660	0.03	980	0:0	0
63	23,800	2	0.01	47,600	0.06	980	0:0	0
64	28,000	2	0.01	56,000	0.07	980	0:0	0
65	35,350	1	0.01	35,350	0.05	980	0:0	0
66	37,730	1	0.01	37,730	0.05	980	0:0	0
67	42,490	1	0.01	42,490	0.06	980	0:0	0
68	46,900	1	0.01	46,900	0.06	980	0:0	0
69	47,040	1	0.01	47,040	0.06	980	0:0	0
70	47,110	2	0.01	94,220	0.12	980	0:0	0
71	70,000	1	0.01	70,000	0.09	980	0:0	0
72	71,190	1	0.01	71,190	0.09	980	0:0	0
73	80,150	1	0.01	80,150	0.11	980	0:0	0
74	1,40,000	1	0.01	1,40,000	0.19	980	0:0	0
75	1,89,000	1	0.01	1,89,000	0.25	980	0:0	0
76	23,59,000	2	0.01	47,18,000	6.24	980	0:0	0
Please Note : 1 (One) lot of 980 shares have been allocated to all the Applicants from Serial No.18 to 76 = 4,900 shares in ratio of 5:102							5:102	4,900
1 Additional share will be allotted to successful allotees from Sr no. 1 to 76 = 340 shares in ratio of 340:1,212							340:1212	340
GRAND TOTAL		**14,539**	**100.00**	**7,55,66,260**	**100.00**			**11,88,100**

D. Allotment to QIBs (After Technical Rejections)

Allotment to QIBs, who have bid at the Offer Price of ₹ 212 per Equity Share or above, has been done on a proportionate basis in consultation with BSE. This category has been subscribed to the extent of 42.13 times of Net QIB portion. As per the SEBI Regulations, Mutual Funds were allotted 5% of the Equity Shares of Net QIB portion available i.e. Nil Equity Shares and other QIBs and unsatisfied demand of Mutual Funds were allotted the remaining available Equity Shares i.e. 23,76,690 Equity Shares (i.e., Includes spilled over of 1,18,835 Equity Shares from QIB MF category) on a proportionate basis. The total number of Equity Shares allotted in the QIB category is 23,76,690 Equity Shares, which were allotted to 51 successful Applicants.

Category	FI'S/BANK'S	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPC/FII	Others	Total
QIB	5,14,548	-	7,561	4,62,044	4,77,730	9,14,807	-	23,76,690

E. Allotment to Anchor Investors (After Technical Rejections)

The Company, in consultation with the BRLMs, have allocated 35,63,810 Equity Shares to 4 Anchor Investors (through 4 Anchor Investor Application Forms) (including Nil domestic Mutual Funds through Nil schemes) at an Anchor Offer Price at ₹212 per Equity Share in accordance with SEBI ICDR Regulations. This represents 60% of the QIB portion.

Category	FI'S/BANK'S	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPC/FII	OTHERS	Total
ANCHOR	-	-	-	11,97,810	7,10,500	16,55,500	-	35,63,810

The Board of Directors of our Company at its meeting held on August 12, 2026 has taken on record the basis of allotment of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange, being BSE and has allotted the Equity Shares to various successful applicants. The Allotment Advice Cum Refund Intimation and/or notices have been dispatched to the address of the investors as registered with the depositories. Further, instructions to the SCSBs have been issued for unblocking of funds and transfer to the Public Offer Account on August 12, 2026 and the payments to non-syndicate brokers have been issued on August 13, 2026. In case the same is not received within ten days, investors may contact the Registrar to the Offer at the address given below. The Equity Shares allotted to the successful allottees have been uploaded on August 13, 2026 for credit into the respective beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company has filed the Listing application with BSE and NSE on August 13, 2026. The Company has received the listing and trading approval from BSE & NSE, and trading will commence on August 14, 2026.

CORRIGENDUM

CORRIGENDUM: NOTICE TO INVESTORS

This is with reference to the Red Herring Prospectus (RHP) dated July 30, 2026 filed with the Registrar of Companies (RoC), Delhi-I.

The attention of investors is drawn to the following:

1. On the second cover page and under the section titled "Definitions and Abbreviations", "General Information", "Terms of the Offer" and "Offer Procedure" on pages 6, 11, 110, 562, 598 and 599 respectively of the Red Herring Prospectus, the reference of Hindi National daily newspaper "Jansatta" shall be replaced with "Business Standard".
2. Under the Risk Factor No. 15 on page 49 of the Red Herring Prospectus, the variation amount for FY 2025-26 shall be modified as "₹ (35.87) million".
3. The sub-section titled "Key Justification for the projected Working Capital Requirements - Robust Order Book" on page 143 of the Red Herring Prospectus, shall be modified as follows:
   "As on July 15, 2026, our outstanding order book is at ₹ 13,207.32 million, which will be completed within next 3 to 4 years. Apart from the outstanding work orders in hand of ₹ 13,207.32 million, the company has also been recently awarded L1 status by Delhi Jal Board under AMRUT 2.0 valuing ₹ 1,964.68 million."
4. The sub-section titled "Joint Ventures of our Company – Our History and Certain Corporate Matters" on page 333 of the Red Herring Prospectus, shall be modified as follows:
   "Except as disclosed in this Red Herring Prospectus, our Company does not have any joint ventures."
5. The sub-section titled "Disposal of investor grievances by listed group companies and listed subsidiary – Other Regulatory and Statutory Disclosures" on page 561 of the Red Herring Prospectus, shall be modified as follows:
   "As at the date of this Red Herring Prospectus, we do not have any listed group company or subsidiary, except as follows:
   VVIP Infratech Limited is a listed company and is forming part of our group companies due to the related party transactions in the Financial Year ended on March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 but our Company and Promoters do not have any control or voting rights in this group company."

The information above modifies and updates the information (as applicable) in the RHP. The RHP accordingly stands amended to the extent stated hereinabove and the above changes are to be read in conjunction with the RHP. Please note that this Corrigendum does not reflect all the changes that have occurred between the date of filing of the RHP and the date hereof, and the relevant changes shall be reflected in the Prospectus filed with the RoC, SEBI and the Stock Exchanges. "For further details kindly refer RHP dated July 30, 2026 filed with RoC"

INVESTORS PLEASE NOTE

These details of the Allotment made was hosted on the website of Registrar to the Offer, Bigshare Services Private Limited at www.bigshareonline.com.

All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Offer quoting full name of the First/ Sole applicant, Serial number of the Bid cum Application form number, Bidders DP ID, Client ID, PAN, date of submission of Bid cum Application Form, address of the Bidder, number of Equity Shares bid for, name of the Member of the Syndicate, place where the bid was submitted and payment details at the address given below:

BOOK RUNNING LEAD MANAGER

KHAMBATTA SECURITIES LIMITED
806, World Trade Tower, Tower B, Noida Sector-16, Uttar Pradesh-201301, India
Tel.: +91 9953989693; 0120 4415469
E-mail: ipo@khambattasecurities.com
Investor Grievance E-mail: mbcomplaints@khambattasecurities.com
Contact Person: Chandan Mishra/ Shubhra
Website: www.khambattasecurities.com
SEBI Registration Number: INM000011914

REGISTRAR TO THE OFFER

BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED
S6-2, 6th Floor, Pinnacle Business Park, Next to Ahura Centre, Mahakali Caves Road, Andheri East, Mumbai – 400093, Maharashtra, India
Tel: +91 22 6263 8200
E-mail: ipo@bigshareonline.com
Investor Grievance E-mail: investor@bigshareonline.com
Contact Person: Babu Rapheal
Website: www.bigshareonline.com
SEBI Registration Number: INR000001385

COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER

Shefali Kesarwani
S 553/54, Ground Floor, School Block, Shakarpur, New Delhi-110092, India.
Tel: +91 7835008595
E-mail: compliance@technocraftventures.com

Investors may contact the Company Secretary and Compliance Officer, the BRLM or the Registrar to the Offer in case of any pre-offer or post-offer related grievances including non-receipt of letters of Allotment, non-credit of Allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders or non-receipt of funds by electronic mode. For all offer related queries and for redressal of complaints, investors may also write to the BRLM.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Prospectus.

For **Technocraft Ventures Limited**
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Shefali Kesarwani
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Noida, Uttar Pradesh
Date: August 13, 2026

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED.

TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED has filed a Prospectus dated August 12, 2026 with Registrar of Companies, Delhi I, Securities and Exchange Board of India (**"SEBI"**), BSE Limited (**"BSE"**) and the National Stock Exchange of India (**"NSE"**, together with **"BSE"**, the **"Stock Exchanges"**). The Prospectus is made available on the website of the SEBI at www.sebi.gov.in, the website of the BRLM at www.khambattasecurities.com, the website of the Company at www.technocraftventures.com and websites of BSE and NSE i.e. www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively. Any potential investor should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, kindly refer ***"Risk Factors"*** beginning on page 33 of the Prospectus. Potential investors should not rely on the DRHP filed with the SEBI and Stock Exchanges for making any investment decision.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended or any state securities laws of the United States, and may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are only being offered and sold (i) to persons in the United States or to or for the account or benefit of, U.S. Persons, in each case to investors that are both "qualified institutional buyers" (as defined in Rule 144A under the U.S. Securities Act and referred to in the Red Herring Prospectus as "U.S. QIBs") and, for the avoidance of doubt, the term U.S. QIBs does not refer to a category of institutional investor defined under applicable Indian regulations and referred to in the Red Herring Prospectus as "QIBs"; and "qualified purchasers" (as defined under the U.S. Investment Company Act and referred to in the Red Herring Prospectus as "QPs") in transactions exempt from or not subject to the registration requirements of the U.S. Securities Act and in reliance on Section 3(c)(7) of the U.S. Investment Company Act; or (ii) outside the United States to investors that are not U.S. Persons in offshore transactions (as defined in, and in reliance on, Regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sales occur).

सम्पादकीय

लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास का जीवंत दस्तावेज है एक अनोखी दास्तान

उमेश कुमार सिंह

लखनऊ। वरिष्ठ लेखक लव भार्गव की पुस्तक एक अनोखी दास्तान केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि इतिहास, विरासत, संघर्ष, संस्कृति और आत्मअन्वेषण का ऐसा जीवंत दस्तावेज है, जिसमें एक व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ बदलते भारतीय समाज और समय की भी तस्वीर दिखाई देती है। पुस्तक की शुरूआत लेखक के गौरवशाली पारिवारिक इतिहास से होती है। महान प्रकाशक मुंशी नवल किशोर की विरासत से जुड़े परिवार की कहानी भारतीय प्रकाशन जगत के स्वर्णिम इतिहास से पाठकों को परिचित कराती है। नवल किशोर प्रेस की स्थापना, भारतीय भाषाओं में महत्वपूर्ण ग्रंथों के प्रकाशन तथा साहित्यिक और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख पुस्तक को ऐतिहासिक महत्व प्रदान करता है। बचपन की फुसफुसाहटें अध्याय में लखनऊ की तहजीब, पारिवारिक वातावरण, विशाल हवेली, पुराने नौकरों, ऐतिहासिक प्रिंटिंग प्रेस, स्कूल जीवन, पारिवारिक संबंधों और बचपन की भावनात्मक स्मृतियों का अत्यंत आत्मीय चित्रण किया गया है। लेखक की सहज शैली पाठक को उनके बचपन के दौर में ले जाती है और पारिवारिक जीवन की खुशियों, तनावों, अनुशासन तथा संघर्षों से रूबरू कराती है। पुस्तक में लखनऊ स्वयं एक महत्वपूर्ण पात्र की तरह उपस्थित दिखाई देता है। नवाबी विरासत, गंगा-जमुनी संस्कृति, खानपान, साहित्य, स्थापत्य और सामाजिक जीवन के माध्यम से लेखक ने शहर की उस सांस्कृतिक पहचान को सामने रखा है, जिसने देशभर में लखनऊ को विशिष्ट स्थान दिलाया। विभिन्न इतिहासकारों और लेखकों के संदर्भ पुस्तक के ऐतिहासिक पक्ष को और मजबूत करते हैं। जवानी की गर्मी में लेखक के संघर्षशील और प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व का विस्तार दिखाई देता है। फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ऋळख्क्र) में चयन तथा फिल्म, संगीत और कला जगत की अनेक प्रसिद्ध हस्तियों से जुड़े संस्मरण पुस्तक को विशेष रूप से रोचक बनाते हैं। यश चोपड़ा, रोमेश शर्मा, दुर्गा खोटे, शंकर-जयकिशन, मोहम्मद रफी, दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, बेगम अख्तर, अनूप जलोटा, वैजयंतीमाला और पद्मा सुब्रह्मण्यम जैसी विभूतियों से संबंधित प्रसंग पाठकों को उस दौर की सांस्कृतिक दुनिया की झलक देते हैं। डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक एक अनोखी दास्तान का दायरा साहित्य और फिल्म जगत से कहीं आगे तक जाता है। राजनीति, उद्योग, व्यापार, सामाजिक सेवा, चिकित्सा, विदेश यात्राओं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े अनुभव भी इसमें शामिल हैं। लौह अयस्क व्यापार, मध्य अफ्रीकी गणराज्य से जुड़े कूटनीतिक प्रयास, स्वास्थ्य क्षेत्र में लैप्रोस्कोपी कार्यक्रम तथा विभिन्न व्यावसायिक प्रयोगों की सफलता और असफलताओं को लेखक ने आत्मस्वीकृति के साथ प्रस्तुत किया है। पुस्तक की एक बड़ी विशेषता इसकी भाषा और प्रस्तुति शैली है। सरल, सहज, प्रवाहपूर्ण और संवादात्मक भाषा पाठक को लगातार जोड़े रखती है। व्यक्तिगत संस्मरणों और ऐतिहासिक तथ्यों के बीच लेखक ने संतुलन स्थापित किया है। उनकी आत्मस्वीकृति इस कृति को विशेष विश्वसनीयता प्रदान करती है, क्योंकि उन्होंने केवल उपलब्धियों को ही नहीं, बल्कि असफलताओं, आर्थिक चुनौतियों, पारिवारिक मतभेदों, अधूरे सपनों और भावनात्मक संघर्षों को भी खुलकर सामने रखा है। पुस्तक वर्तमान और भविष्य से भी संवाद करती है। शिक्षा, तकनीकी विकास, उद्यमिता, नई पीढ़ी और बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था पर लेखक के विचार इसे केवल अतीत की कहानी नहीं रहने देते, बल्कि समकालीन संदर्भों से जोड़ते हैं। हालांकि कुछ स्थानों पर घटनाओं और व्यक्तियों का विवरण लंबा हो जाता है तथा अनेक नाम और प्रसंग सामान्य पाठक के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। कुछ अध्यायों का संपादन अधिक संक्षिप्त होता तो पुस्तक की गति और प्रभाव और बेहतर हो सकता था। फिर भी इसकी व्यापक सामग्री और ऐतिहासिक महत्व के सामने यह कमी गौण है। समीक्षक उमेश कुमार सिंह के अनुसार, एक अनोखी दास्तान एक व्यक्ति के जीवन की कथा से आगे बढ़कर भारतीय समाज, संस्कृति, प्रकाशन, राजनीति, फिल्म, व्यापार और बदलते समय का बहुआयामी दस्तावेज बन जाती है। इतिहास, संस्मरण, आत्मचिंतन और प्रेरणा का यह संगम पुस्तक को विशिष्ट बनाता है।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

15 अगस्त 1947 भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम प्रभात था, जब सदियों की गुलामी की अंधेरी रात समाप्त हुई और स्वतंत्रता का सूर्य उदित हुआ। यह स्वतंत्रता लाखों ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों और असंख्य बलिदानों की अमूल्य धरोहर है। आज, जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, तब यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी है। यह समय है यह देखने का कि हमने सात दशकों से अधिक की यात्रा में क्या पाया, कहाँ पहुँचे और किन चुनौतियों से अभी भी जूझ रहे हैं। स्वतंत्रता के समय भारत आर्थिक रूप से कमजोर, अशिक्षा, गरीबी, भुखमरी और सामाजिक विषमताओं से घिरा हुआ देश था। सीमित संसाधनों और अनेक कठिनाइयों के बावजूद भारत ने लोकतंत्र को न केवल अपनाया, बल्कि उसे सफलतापूर्वक सशक्त भी बनाया। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति और श्वेत क्रांति ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने चंद्रयान, मंगलयान और आदित्य मिशनों के माध्यम से विश्व में भारत की वैज्ञानिक क्षमता का परचम लहराया है। डिजिटल क्रांति ने भारत को विश्व के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान और तकनीकी नवाचार वाले देशों में स्थापित किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, रेल, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे, बंदरगाह, हवाई अड्डों और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। महिलाओं की शिक्षा, पंचायतों में भागीदारी, सेना और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में उनकी बढ़ती भूमिका सामाजिक परिवर्तन का सकारात्मक संकेत है। खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का गौरव बढ़ाया है। किन्तु उपलब्धियों के इस उज्ज्वल पक्ष के साथ अनेक चुनौतियाँ भी हमारे सामने हैं। आज भी बेरोजगारी, गरीबी, आय की असमानता, भ्रष्टाचार, पर्यावरण प्रदूषण, जल संकट, कृषि संकट, साइबर अपराध, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और सामाजिक वैमनस्य जैसी समस्याएँ राष्ट्रीय विकास की गति को प्रभावित करती हैं। तकनीकी प्रगति के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुँच अभी भी एक बड़ी चुनौती है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल चुनावों में नहीं, बल्कि नागरिकों के चरित्र, कर्तव्यनिष्ठा और संवैधानिक मूल्यों के सम्मान में निहित होती है। यदि नागरिक ईमानदारी, अनुशासन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें, तो भारत का विकास और अधिक तीव्र गति से संभव होगा। आज विश्व तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और ज्ञान-आधारित विकास की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारत के युवाओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, किसानों, उद्यमियों और श्रमिकों पर विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।आत्मनिर्भरता, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के संतुलन से ही भारत 21वीं सदी का नेतृत्व कर सकता है। स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि कर्तव्यों का भी आह्वान है। देश के प्रति प्रेम केवल तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि ईमानदारी से कार्य करना, कानून का पालन करना, प्रकृति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना ही सच्ची देशभक्ति है। आइए, स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में हम उन अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करें, जिन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर हमें स्वतंत्र भारत का अमूल्य उपहार दिया। साथ ही यह संकल्प लें कि हम एक ऐसे भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे जो समृद्ध, शिक्षित, वैज्ञानिक, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने।

पुरुषार्थ जगाएं, व्यसन त्यागें : सफलता और सुख का यही सच्चा मार्ग

इसके विपरीत जब मनुष्य पुरुषार्थ छोड़कर आलस्य, निराशा और व्यसनों का सहारा लेने लगता है, तब उसकी क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। इसलिए जीवन को सार्थक और सफल बनाने के लिए पुरुषार्थ जगाना तथा दुर्व्यसनों से दूर रहना अत्यंत आवश्यक है। दक्षिण अफ्रीका के एक प्रसंग से इसकी प्रेरणा मिलती है। वहां अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध आंदोलन चल रहा था। एक सत्याग्रही को जोहन्सबर्ग की जेल में बंद कर दिया गया। जेल में सभी कैदियों से काम कराया जाता था। अधिकांश कैदी किसी तरह अपना काम पूरा करते, लेकिन एक कैदी निर्धारित समय से पहले ही अपना कार्य पूरा कर लेता और बचे हुए समय में ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ता रहता। एक दिन जेल का निरीक्षण करने आए अंग्रेज गवर्नर ने उससे पूछा कि उसे कोई परेशानी तो नहीं है। उस कैदी ने कहा कि यहां पूरा काम नहीं मिलता। गवर्नर को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा कि जब दूसरे कैदी काम से बचने का प्रयास करते हैं तो वह अधिक काम क्यों करना चाहता है। कैदी ने उत्तर दिया कि वह इसलिए अधिक काम करता है ताकि उसकी मेहनत करने की क्षमता नष्ट न हो जाए। यह साधारण-सा कैदी आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बना। वह थे महात्मा गांधी।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

मनुष्य के जीवन की वास्तविक पहचान उसके पुरुषार्थ से होती है। परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि व्यक्ति के भीतर परिश्रम करने, संघर्ष करने और आगे बढ़ने का संकल्प है तो कठिन से कठिन रास्ता भी आसान हो जाता है। इसके विपरीत जब मनुष्य पुरुषार्थ छोड़कर आलस्य, निराशा और व्यसनों का सहारा लेने लगता है, तब उसकी क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। इसलिए जीवन को सार्थक और सफल बनाने के लिए पुरुषार्थ जगाना तथा दुर्व्यसनों से दूर रहना अत्यंत आवश्यक है। दक्षिण अफ्रीका के एक प्रसंग से इसकी प्रेरणा मिलती है। वहां अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध आंदोलन चल रहा था। एक सत्याग्रही को जोहन्सबर्ग की जेल में बंद कर दिया गया। जेल में सभी कैदियों से काम कराया जाता था। अधिकांश कैदी किसी तरह अपना काम पूरा करते, लेकिन एक कैदी निर्धारित समय से पहले ही अपना कार्य पूरा कर लेता और बचे हुए समय में ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ता रहता। एक दिन जेल का निरीक्षण करने आए अंग्रेज गवर्नर ने उससे पूछा कि उसे कोई परेशानी तो नहीं है। उस कैदी ने कहा कि यहां पूरा काम नहीं मिलता। गवर्नर को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा कि जब दूसरे कैदी काम से बचने का प्रयास करते हैं तो वह अधिक काम क्यों करना चाहता है। कैदी ने उत्तर दिया कि वह इसलिए अधिक काम करता है ताकि उसकी मेहनत करने की क्षमता नष्ट न हो जाए। यह साधारण-सा कैदी आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बना। वह थे महात्मा गांधी। उनके जीवन का यह प्रसंग बताता है कि परिस्थितियां व्यक्ति को महान नहीं बनातीं, बल्कि परिस्थितियों के बीच किया गया पुरुषार्थ व्यक्ति को महान बनाता है। भारत की संस्कृति ने सदैव पुरुषार्थ को जीवन का आधार माना है। इस धरती पर अनेक महापुरुष हुए, जिन्होंने समाज को अहिंसा, सत्य, सर्वोदय और अनेकांत जैसे महान सिद्धांत दिए। आचार्य समन्तभद्र ने सदियों पहले सर्वोदय की कल्पना करते हुए सबके कल्याण और अभ्युदय की भावना प्रस्तुत की। भगवान महावीर ने भी समाज में समानता, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। उन्होंने जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को चुनौती देते हुए धर्म का द्वार सभी के लिए खोलने की प्रेरणा दी। उनका संदेश स्पष्ट था कि मनुष्य अपने कर्म और पुरुषार्थ से अपने जीवन का निर्माण कर सकता है। पुरुषार्थ करने वाले व्यक्ति के लिए सफलता की राह खुलती जाती है। जीवन में अवसर सभी को मिलते हैं, लेकिन उनका लाभ वही उठा पाता है जो समय पर प्रयास करता है। एक छोटी-सी घटना इस बात को बहुत सरलता से समझाती है। सड़क पर बैलगाड़ी जा रही थी और कुछ बच्चे उसके साथ चल रहे थे। गाड़ी देखकर कुछ बच्चे दौड़कर उसमें चढ़ गए, जबकि कुछ पीछे रह गए। गाड़ीवान से पूछा गया कि कुछ बच्चे पीछे क्यों रह गए। उसने सहज उत्तर दिया कि जिनमें हिम्मत और पुरुषार्थ था, वे गाड़ी में चढ़ गए। यह प्रसंग जीवन का भी सत्य है। अवसर सामने आने पर जो व्यक्ति प्रयास करता है, वही आगे बढ़ता है। आज पुरुषार्थ की सबसे बड़ी आवश्यकता व्यसनों से बचने के लिए है। हमारे आसपास अनेक प्रकार के आकर्षण और बुरी आदतें मौजूद हैं। नशा और अन्य दुर्व्यसन व्यक्ति की सोच, समय, धन और कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। व्यसन केवल व्यक्ति को ही नुकसान नहीं पहुंचाते, बल्कि परिवार और समाज को भी कमजोर करते हैं। एक व्यक्ति की बुरी आदत धीरे-धीरे पूरे परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इसलिए व्यसन से दूर रहना भी अपने आप में एक बड़ा पुरुषार्थ है। समाज में व्यसन-मुक्ति के लिए अनेक अभियान चलाए जाते हैं। सरकार और सामाजिक संस्थाएं लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करती हैं। सभाएं होती हैं, जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया जाता है। लेकिन केवल अभियान चलाने से समस्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए परिवार, समाज और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जिस व्यक्ति में स्वयं अनुशासन नहीं है, वह दूसरों को अनुशासन का संदेश प्रभावी ढंग से नहीं दे सकता। इसलिए व्यसन-मुक्त समाज की शुरूआत स्वयं से करनी होगी। व्यसन व्यक्ति की बुद्धि और विवेक को कमजोर कर देते हैं। एक प्रसिद्ध प्रसंग में एक व्यक्ति को यह अवसर दिया गया कि वह चार विकल्पों में से किसी एक को चुने। उसने आसान समझकर शराब का रास्ता चुना, लेकिन नशे के प्रभाव में उसके विवेक पर नियंत्रण नहीं रहा और एक गलत निर्णय दूसरे गलत निर्णय को जन्म देता चला गया। इस प्रसंग का संदेश यही है कि व्यसन अक्सर अकेला नहीं आता। एक बुरी आदत दूसरी बुरी आदत का रास्ता खोल सकती है और व्यक्ति धीरे-धीरे अपने विवेक तथा आत्मनियंत्रण को खो सकता है। इसीलिए व्यसन को केवल एक व्यक्तिगत आदत मानना पर्याप्त नहीं है। यह परिवार, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक वातावरण से जुड़ी समस्या है। जिस धन का उपयोग परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के निर्माण में होना चाहिए, वह व्यसनों में नष्ट हो सकता है। जिस समय का उपयोग ज्ञान, रोजगार और आत्मविकास में होना चाहिए, वह व्यर्थ चला जाता है। सबसे बड़ी क्षति यह होती है कि व्यक्ति के भीतर आगे बढ़ने की इच्छा और कार्यक्षमता कमजोर होने लगती है। जैन दर्शन मनुष्य को अपने जीवन का निमार्ता मानता है। भगवान महावीर ने आत्मबल, संयम और पुरुषार्थ का मार्ग दिखाया। उनका संदेश व्यक्ति को अंधानुकरण से निकालकर जागरूकता और आत्मप्रयास की ओर ले जाता है। जीवन में कुछ प्राप्त करना है तो स्वयं प्रयास करना होगा। केवल इच्छा करने से सफलता नहीं मिलती। जिस प्रकार दीपावली पर लक्ष्मी का पूजन करने के साथ व्यक्ति को अपने कर्म और परिश्रम से धन अर्जित करना पड़ता है, उसी प्रकार जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषार्थ आवश्यक है। पुरुषार्थ केवल धन कमाने तक सीमित नहीं है। ज्ञान प्राप्त करना भी पुरुषार्थ है,

दिल्ली से रांची तक उठते सवाल - आंदोलन मुद्दे से तय होता है या सत्ता किसके हाथ में?

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक और विश्वविद्यालयों से लेकर सड़कों तक छात्र आंदोलनों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छात्र जब अपनी पढ़ाई, रोजगार, परीक्षा, फीस, छात्रवृत्ति, आरक्षण, संस्थागत सुविधाओं अथवा भविष्य से जुड़े सवालों को लेकर सड़क पर उतरते हैं तो लोकतंत्र में उनकी आवाज को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। लेकिन सवाल तब पैदा होता है, जब छात्र आंदोलन का चेहरा छात्र होते हैं, मगर उसके पीछे की पटकथा किसी और की होती है। सवाल तब और गंभीर हो जाता है, जब एक ही प्रकार के आंदोलन को अलग-अलग राजनीतिक दल और विचारधाराएं सत्ता में अपनी स्थिति के अनुसार अलग-अलग नजरिए से देखने लगती हैं। आज हमारे सामने यही सबसे बड़ा प्रश्न है कि क्या छात्र आंदोलन वास्तव में छात्रों के अधिकारों की लड़ाई है या राजनीतिक दलों के लिए अपनी जमीन मजबूत करने का माध्यम? पिछले एक महीने में देश ने दिल्ली के जंतर-मंतर और रांची में चल रहे छात्र आंदोलन जैसे दो अलग-अलग घटनाक्रमों को देखा है। दोनों जगह युवा सड़क पर हैं। कहीं भूख हड़ताल है, कहीं प्रदर्शन है, कहीं पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, कहीं मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत में छात्र आंदोलन कोई नई घटना नहीं है। देश के लोकतांत्रिक इतिहास में छात्र शक्ति ने कई बार सत्ता को चुनौती दी है, व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई है और सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन की दिशा तय की है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक और विश्वविद्यालयों से लेकर सड़कों तक छात्र आंदोलनों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छात्र जब अपनी पढ़ाई, रोजगार, परीक्षा, फीस, छात्रवृत्ति, आरक्षण, संस्थागत सुविधाओं अथवा भविष्य से जुड़े सवालों को लेकर सड़क पर उतरते हैं तो लोकतंत्र में उनकी आवाज को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। लेकिन सवाल तब पैदा होता है, जब छात्र आंदोलन का चेहरा छात्र होते हैं, मगर उसके पीछे की पटकथा किसी और की होती है। सवाल तब और गंभीर हो जाता है, जब एक ही प्रकार के आंदोलन को अलग-अलग राजनीतिक दल और विचारधाराएं सत्ता में अपनी स्थिति के अनुसार अलग-अलग नजरिए से देखने लगती हैं। आज हमारे सामने यही सबसे बड़ा प्रश्न है कि क्या छात्र आंदोलन वास्तव में छात्रों के अधिकारों की लड़ाई है या राजनीतिक दलों के लिए अपनी जमीन मजबूत करने का माध्यम? पिछले एक महीने में देश ने दिल्ली के जंतर-मंतर और रांची में चल रहे छात्र आंदोलन जैसे दो अलग-अलग घटनाक्रमों को देखा है। दोनों जगह युवा सड़क पर हैं। कहीं भूख हड़ताल है, कहीं प्रदर्शन है, कहीं पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, कहीं मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। लेकिन इन दोनों आंदोलनों के प्रति राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रिया में अंतर दिखाई देता है। यही अंतर लोकतंत्र के सामने एक असहज सवाल खड़ा करता है कि क्या आंदोलन का मूल्य मुद्दे से तय होता है या इस बात से कि सत्ता किसके हाथ में है? दिल्ली में सत्ता के खिलाफ उठने वाली छात्र आवाज के साथ जो लोग खड़े दिखाई देते हैं, वे रांची में उसी तरह की छात्र बेचैनी से दूरी क्यों बना लेते हैं? यदि छात्रों की समस्या वास्तव में समस्या है, तो फिर सरकार बदलते ही उसके प्रति संवेदनशीलता क्यों बदल जाती है? यहीं से छात्र आंदोलन और राजनीति के रिश्ते की पड़ताल शुरू होती है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में छात्र केवल विद्यार्थी नहीं होते हैं। वे समाज की युवा चेतना होते हैं। उनके पास भविष्य की आकांक्षाएं होती हैं और वर्तमान व्यवस्था के प्रति प्रश्न करने का साहस भी। छात्रों के सामने कई वास्तविक समस्याएं होती हैं। परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी, परिणाम में देरी, भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता, बेरोजगारी, फीस में वृद्धि, छात्रवृत्ति का भुगतान न होना, हॉस्टल की समस्या, शिक्षकों की कमी, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और सरकारी नौकरियों में अवसर जैसे विषय सीधे उनके जीवन से जुड़े होते हैं। ऐसे मामलों में छात्र आंदोलन को केवल राजनीतिक आंदोलन कह देना भी उचित नहीं होगा। हर आंदोलन के पीछे किसी राजनीतिक दल का हाथ हो, यह मान लेना छात्रों के संघर्ष को कमतर आंकना होगा। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि राजनीति छात्र आंदोलनों को प्रभावित करती रही है। छात्र संगठन लंबे समय से राजनीतिक विचारधाराओं की प्रयोगशाला रहे हैं। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में बनने वाली राजनीतिक चेतना आगे चलकर राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है। यही कारण है कि छात्र आंदोलन में राजनीतिक हस्तक्षेप हमेशा से रहा है। समस्या राजनीतिक समर्थन में नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब छात्र की वास्तविक समस्या पीछे छूट जाती है और राजनीतिक हित आगे आ जाता है। राजनीति में किसी आंदोलन को समर्थन देना लोकतांत्रिक अधिकार है। विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठाए, आंदोलनकारी छात्रों के साथ खड़ा हो, उनकी मांगों को संसद या विधानसभा में उठाए, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन लोकतंत्र का वास्तविक परीक्षण तब होता है, जब राजनीतिक दल अपने विरोधियों की सरकार में भी उसी सिद्धांत को अपनाते हैं। यदि किसी दल को दिल्ली में छात्र आंदोलन इसलिए महत्वपूर्ण लगता है क्योंकि वहां केंद्र में उसकी विरोधी सरकार है, तो वही दल रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों से इसलिए दूरी बना ले क्योंकि वहां उसके राजनीतिक समीकरण अलग हैं, तो यह छात्र हित नहीं, बल्कि राजनीतिक सुविधा है। इसी तरह यदि सत्ता पक्ष अपने शासन वाले राज्य में छात्रों की मांग को गंभीरता से लेने के बजाय उसे विपक्ष की साजिश बताता है, जबकि दूसरे राज्य में वही आंदोलन होने पर सरकार को छात्र विरोधी कहता है, तो यह भी दोहरा राजनीतिक मापदंड है। छात्रों को राजनीतिक मोहरा बनाने का सबसे खतरनाक पहलू यही है कि अंततः नुकसान छात्रों का ही होता है। उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। उनका समय बर्बाद होता है। उनके परिवार आर्थिक और मानसिक दबाव झेलते हैं और कई बार आंदोलन खत्म होने के बाद राजनीतिक दल अपने-अपने रास्ते चले जाते हैं, जबकि आंदोलनकारी छात्र अपने भविष्य के सामने अकेले खड़े रह जाते हैं। दिल्ली और रांची के बीच भौगोलिक दूरी लगभग 1200 किलोमीटर के आसपास है। लेकिन छात्र आंदोलनों को लेकर राजनीतिक दृष्टिकोण की दूरी इससे कहीं अधिक दिखाई दे सकती है। एक शहर राष्ट्रीय राजधानी है, दूसरा राज्य (झारखंड) की राजधानी। एक जगह केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठती है, दूसरी जगह राज्य सरकार के खिलाफ। एक स्थान पर विपक्ष को सरकार को घेरने का अवसर दिखाई देता है, दूसरे स्थान पर वही विपक्ष राजनीतिक असुविधा महसूस कर सकता है।

ध्वजारोहण या ध्वज फहराना : 80वें स्वतंत्रता दिवस पर जानिए दोनों में फर्क

सुनील कुमार महला

15 अगस्त 2026 का दिन प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, उत्साह और देशभक्ति का अवसर है। इस वर्ष हम भारत की स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगांठ पूरी होने के बाद 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। पाठक जानते हैं कि 15 अगस्त 1947 को भारत ने औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी और इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।स्वतंत्रता दिवस का सबसे महत्वपूर्ण और भावनात्मक क्षण राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ा होता है। तिरंगा केवल तीन रंगों से बना एक ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता, एकता, विविधता और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। भारत का वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। जब 15 अगस्त को तिरंगा आकाश में लहराता है, तो उसके साथ करोड़ों भारतीयों की आशाएं, आकांक्षाएं और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध भी जुड़ जाता है। राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े नियमों में समय के साथ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 26 जनवरी 2002 से भारतीय ध्वज संहिता में बदलाव कर नागरिकों को अपने घर, कार्यालय और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिया गया। इससे पहले आम नागरिकों के लिए राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर कई प्रतिबंध थे। बाद में 30 दिसंबर 2021 के संशोधन के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में हाथ से काते और हाथ से बुने कपड़ों के साथ-साथ मशीन से बने कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम और खादी के बंटिंग के उपयोग की अनुमति दी गई। इस प्रकार अब केवल खादी से बने ध्वज तक यह व्यवस्था सीमित नहीं रही।इसके बाद 20 जुलाई 2022 को भारतीय ध्वज संहिता में एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। इसके तहत किसी नागरिक के घर पर राष्ट्रीय ध्वज को दिन और रात दोनों समय फहराने की अनुमति दी गई। इसलिए सूर्यास्त के बाद घर पर तिरंगा उतारना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, रात में ध्वज फहराते समय उसकी गरिमा और सम्मान का पूरा ध्यान रखना आवश्यक है। राष्ट्रीय ध्वज साफ-सुथरा, सही स्थिति में और सम्मानजनक एवं प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित होना चाहिए। केसरिया पट्टी हमेशा ऊपर की ओर होनी चाहिए और ध्वज उल्टा नहीं लगाया जा सकता। ध्वज फटा, मैला या अस्त-व्यस्त नहीं होना चाहिए तथा उसे जमीन, फर्श या पानी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट, झालर, बंटिंग आदि के रूप में नहीं किया जा सकता।आज अधिकार और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाते हुए हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान तिरंगे को केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित रखने के बजाय प्रत्येक नागरिक के घर और जीवन से जोड़ने का माध्यम बना है। हालांकि, यहां यह समझना भी जरूरी है कि ध्वजारोहण और ध्वज फहराना शब्दों का प्रयोग अक्सर एक-दूसरे के स्थान पर कर दिया जाता है, लेकिन इनके अर्थ और परंपरागत प्रयोग में अंतर है। ध्वजारोहण का शाब्दिक अर्थ है-ध्वज को नीचे से ऊपर उठाकर निर्धारित ऊंचाई तक ले जाना और स्थापित करना। वहीं ध्वज फहराने का आशय है-पोल के ऊपर स्थित ध्वज को खोलकर अथवा फैलाकर हवा में लहराना। इस दृष्टि से दोनों क्रियाओं की प्रकृति अलग है। भारत के राष्ट्रीय पर्वों में इस अंतर को समझने के लिए 15 अगस्त और 26 जनवरी का उदाहरण सबसे उपयुक्त है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। इसके विपरीत 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण करते हैं। इसलिए सामान्यतः कहा जाता है कि 15 अगस्त को ध्वज फहराया जाता है और 26 जनवरी को ध्वजारोहण किया जाता है। इसके पीछे दोनों राष्ट्रीय पर्वों की ऐतिहासिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण हैं। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ था। उस समय ब्रिटिश शासन के प्रतीकात्मक रूप से हटने और स्वतंत्र भारत के उदय का संदेश देते हुए तिरंगे को ऊपर फहराया गया। दूसरी ओर, 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और देश एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसलिए गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा ध्वजारोहण की परंपरा स्थापित हुई। हालांकि सामान्य बोलचाल में ध्वजारोहण और ह्यध्वज फहरानाह्ण कई बार समान अर्थ में प्रयुक्त होते हैं और सरकारी अथवा सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी दोनों शब्द सुनने को मिल सकते हैं। लेकिन राष्ट्रीय पर्वों की विशिष्ट संवैधानिक एवं ऐतिहासिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए 15 अगस्त के लिए

संक्षिप्त खबरें

मुख्य डाकघर मुरादाबाद में 19 अगस्त को लगेगी पेंशन अदालत

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में मंडल स्तरीय पेंशन मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए मुख्य डाकघर मुरादाबाद में 19 अगस्त को पेंशन अदालत सुबह 11 बजे लगेगी। यह जानकारी राजकीय पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सक्सेना ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि पेंशन अदालत में मंडल से संबंधित पेंशन मामलों और पेंशन संबंधी समस्याओं पर सुनवाई की जाएगी। संबंधित पेंशनभोगी अपनी समस्या अथवा शिकायत 18 अगस्त तक कार्यालय को भेज सकते हैं। उन्होंने बताया कि पेंशन अदालत में उन्हीं शिकायतों पर विचार किया जाएगा, जिनका मंडलीय स्तर पर शिकायत किए जाने के बावजूद निस्तारण नहीं हो सका है।

फर्रुखाबाद: पति ने पत्नी को उफनती गंगा नदी में फेंका, महिला ने तैर कर बचाई जान

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में गुरुवार को कमालगंज थाना क्षेत्र प्रेम विवाह के बाद जिस पति के साथ जिंदगी बिताने के सपने देखे थे, उसी पति को उफनती गंगा में धक्का देने का गंभीर आरोप लगा है। गंगा की तेज धार के बीच महिला ने तैर कर किसी तरह अपनी जान बचाई और किनारे तक पहुंची। जानकारी के मुताबिक, थाना कम्पिल क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर निवासी सुमन (२५) का विवाह हरजीत के साथ हुआ था। आरोप है कि करीब दो वर्ष पूर्व उसने अपने पहले पति को छोड़कर नीव करोरी निवासी रामू राजपूत से प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद दोनों पांचाल घाट पर किराये का कमरा लेकर साथ रहने लगे। बताया गया कि रामू ने सुमन से कहा कि वह नौकरी के सिलसिले में दिल्ली जा रहा है और उसे रिश्तेदारी में छोड़ देगा। आरोप है कि इसके बाद रामू अपनी पत्नी को बाइक पर बैठाकर एक रिश्तेदार के साथ निकला। दोनों चाचूपुर होते हुए कमालगंज क्षेत्र स्थित गंगा पुल पर पहुंचे। जहां गंगा पुल पर पहुंचने के बाद रामू ने पत्नी सुमन को उफनती गंगा में धक्का दे दिया। अचानक नदी में गिरने के बाद महिला जिंदगी और मौत के बीच जूझती रही लेकिन हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह तैरकर गंगा किनारे पहुंच गई। इसी दौरान कुछ लोगों की नजर गंगा किनारे बदहवास हालत में पड़ी महिला पर पड़ी। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कमालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को उपचार एवं चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा। थानाध्यक्ष रामसहाय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला के आरोपों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी और आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता विभिन्न स्कूलों के 156 बच्चों ने किया प्रतिभाग

मुरादाबाद। पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से हिंदू मॉडल इंटर कॉलेज में जश्न ए आजादी थीम पर सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के 156 बच्चों ने प्रतिभाग किया। पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट की संस्थापिका गरिमा सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता कार्यक्रम पूरी तरह से राष्ट्रीयता को समर्पित था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सीमा मिड्ढा, विशिष्ट अतिथि नागरिक सुरक्षा के डिप्टी चीफ वार्डन पंकज सक्सेना, मेजर डॉ. मीनू मेहरोत्रा, दीपाली अग्रवाल, मोना गुप्ता, अनीशा मौजूद रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सुप्रसिद्ध नृत्यांगना हेमा अरोड़ा, वंदना वर्मा और वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. पंकज दर्पण रहे। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता दो ग्रुपों में आयोजित हुई, जिसमें ग्रुप ए में कौशल्या इंटर कॉलेज की छात्राएं मान्या, राधिका, जानवी, सोनाक्षी निधि और खुशी ने विजेता का पुरस्कार प्राप्त किया जबकि ग्रुप बी में साहू रमेश कुमार कन्या इंटर कॉलेज की प्रत्यूषा सैनी, मीठी रस्तोगी, इशिका यादव, योगिता, पावनी यादव, मान्य रस्तोगी ने विजेता का स्थान प्राप्त किया।

काशी में धूमधाम से मनाया जाएगा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज का 57 वां जन्म दिवस

वाराणसी। काशी में संतों और शंकराचार्य के शिष्यों की ओर से शुक्रवार को ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 57 वां जन्म दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उक्त जानकारी गुरुवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी। संजय पाण्डेय ने बताया कि पूज्य शंकराचार्य जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर पूरे देश व विदेश में शंकराचार्य के शिष्यों द्वारा वृहद विविध धार्मिक आयोजन एवं अनुष्ठान सम्पन्न किए जाएंगे। 14 अगस्त को काशी में शंकराचार्य घाट स्थित श्रीविद्यामठ में प्रातः आठ बजे वैदिक आचार्यों द्वारा शंकराचार्य के दीघार्यु जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु रुद्राभिषेक सम्पन्न कराया जाएगा, जिसके पश्चात शंकराचार्य के चरणपादुका का पूजन, उनके चित्र पर माल्यार्पण और वेदपाठ किया जाएगा। 11:45 बजे से दंडी संन्यासियों का महाभंडारा शुरू होगा, जिसके पश्चात भक्तगण प्रसाद ग्रहण करेंगे।

योगी सरकार ने गोमती को निर्मल बनाने की कवायद की तेज, सीवेज प्रबंधन का बड़ा एक्शन प्लान तैयार

प्रात: किरण संवाददाता

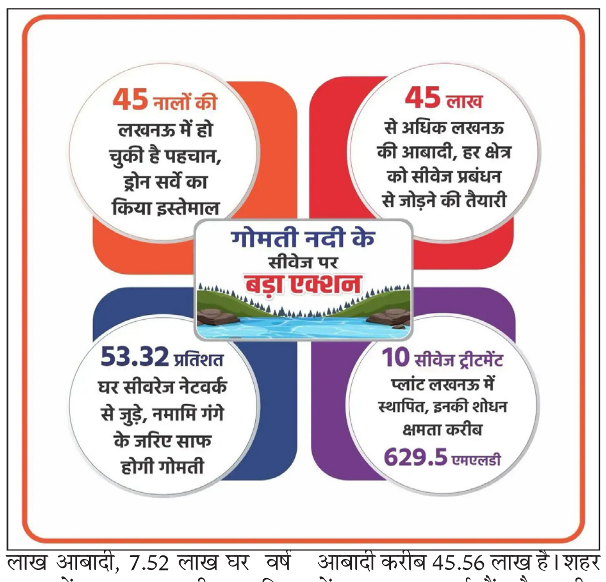

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए जोर-शोर से काम कर रही है। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में गोमती नदी को सीवेज प्रदूषण से मुक्त करने के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। शहर से निकलने वाले सीवेज को सीधे गोमती में पहुंचने से रोकने के लिए नालों की टैपिंग, फ्लो डायवर्जन, एसटीपी की क्षमता बढ़ाने और नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। ड्रोन सर्वे के बाद गोमती में गिरने वाले 45 नालों की पहचान हुई है। अब इन नालों के जरिए नदी में पहुंच रहे सीवेज का शोधन सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग एसटीपी से जोड़ने की योजना पर काम हो रहा है। 45.56 लाख आबादी, 7.52 लाख घर वर्ष 2026 में लखनऊ नगर की अनुमानित आबादी करीब 45.56 लाख है। शहर में कुल 110 वार्ड हैं और करीब 7.52 लाख घर हैं। इनमें से लगभग 4.01 लाख यानी 53.32 प्रतिशत घर सीवरेज नेटवर्क से जुड़े हैं। ऐसे में सीवरेज नेटवर्क का विस्तार और नालों के जरिए गोमती में पहुंच रहे प्रदूषित पानी को रोकना नदी संरक्षण के लिए बड़ी चुनौती है। आंकड़ों के अनुसार लखनऊ में आबादी के सापेक्ष करीब 546.77 एमएलडी घरेलू सीवेज (गंदा और अपशिष्ट जल) उत्पन्न होता है, जबकि वास्तविक डिस्चार्ज करीब 880.70 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रति दिन) है। इसमें 690.33 एमएलडी सीवेज नालों के माध्यम से और 190.71 एमएलडी सीवर नेटवर्क के जरिए प्रवाहित होता है। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक जोगिंदर सिंह ने बताया कि नदियों को स्वच्छ बनाना हमारी प्राथमिकता है। विभाग ने नए नालों की पहचान की है, जिन्हें जल्द शोधित किया जाएगा। इससे शहर के बड़े हिस्से से गुजरने वाली गोमती नदी का स्वरूप बदलेगा। योगी सरकार ने गोमती को निर्मल बनाने की कवायद की तेज, सीवेज प्रबंधन का बड़ा एक्शन प्लान तैयार 629.5 एमएलडी शोधन क्षमता शहर में उत्पन्न सीवेज के शोधन के लिए कुल 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित हैं। इनकी कुल शोधन क्षमता करीब 629.5 एमएलडी है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वास्तविक डिस्चार्ज और मौजूदा शोधन क्षमता के बीच अंतर बना हुआ है। ऐसे में गोमती में सीधे पहुंचने वाले सीवेज को रोकने के साथ ही शोधन क्षमता का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना जरूरी है। ड्रोन सर्वे में 12 नए नाले मिले लखनऊ में गोमती नदी करीब 30 किलोमीटर की लंबाई में प्रवाहित होती है।

वाराणसी में 21 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड परियोजना का विरोध

कांग्रेस, सपाजनों के साथ प्रभावित लोगों ने सौंपा पत्रक, बोले- पहले डीपीआर सार्वजनिक करे प्रशासन

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। प्रस्तावित 21 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड परियोजना को लेकर वाराणसी में विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। परियोजना से प्रभावित होने की आशंका जता रहे स्थानीय लोगों और उनके प्रतिनिधियों ने मंडलायुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सार्वजनिक करने और प्रभावित क्षेत्रों में खुली जनसुनवाई कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे संजीव सिंह ने कहा कि किसी भी बड़ी विकास परियोजना को आगे बढ़ाने से पहले उससे प्रभावित होने वाले लोगों को पूरी जानकारी देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की जद में शहरी क्षेत्र के गरीब परिवारों, छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और वरुण नदी के किनारे रहने वाले लोगों के प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि परियोजना के दायरे में कौन-कौन से क्षेत्र, मकान, दुकानें और अन्य प्रतिष्ठान आएंगे। पहले सार्वजनिक हो डीपीआर प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि एलिवेटेड रोड की डीपीआर सार्वजनिक की जाए। संजीव सिंह के मुताबिक, डीपीआर सामने आने के बाद ही लोगों को परियोजना के वास्तविक स्वरूप, प्रस्तावित मार्ग और संभावित प्रभावों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि दस्तावेज सार्वजनिक होने से प्रभावित लोग अपनी आपत्तियां और सुझाव तथ्यों के आधार पर प्रशासन के सामने रख सकेंगे।

पुलिस मुठभेड़ में चार आरोपी गिरफ्तार, चोरी की पांच सोलर प्लेट और हथियार बरामद

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। थाना अफजलगढ़ पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पांच सोलर प्लेट, दो तमंचे, कारतूस, 30 हजार रुपये की नकदी और वारदात में इस्तेमाल ट्रक बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 11 अगस्त को ग्राम मदनियावाला निवासी रिषव कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके खेत में ट्यूबवेल की छत पर लगे सोलर पैनलों में से चार सोलर प्लेट अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। मामले में अफजलगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी। इसी क्रम में 12 अगस्त की रात करीब 10:10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि मदनियावाला स्थित एचसीएम इंटर कॉलेज के पास आम के बाग में एक ट्रक में चार लोग चोरी की पांच सोलर प्लेट लेकर मौजूद हैं और किसी अन्य वारदात की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी, जिसमें आरक्षी गौरव कुमार घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी, जबकि दो अन्य को मौके से पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नाजिम, विमल कुमार, दीपक और आशीष के रूप में हुई है। चारों थाना रेहड़ क्षेत्र के रहने वाले हैं। घायल आरोपियों और पुलिसकर्मी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अफजलगढ़ भेजा गया। प्रारंभिक जांच में दीपक, विमल और नाजिम के थाना रेहड़ के हिस्ट्रीशीटर होने की बात सामने आई है। पूछताछ में सामने आई दो वारदातें पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 6/7 अगस्त की रात मदनियावाला स्थित ट्यूबवेल से चार सोलर प्लेट चोरी की थीं। चोरी की प्लेटों को ट्रक में रखकर ले जाया जा रहा था और उन्हें बेचने की तैयारी थी। आरोपियों ने करीब पांच-छह दिन पहले ग्राम फजलाबाद परमानंदपुर उर्फ मदनियावाला में एक बंद मकान के ताले तोड़कर चोरी करने की बात भी स्वीकार की।

बिजनौर में शास्त्री और नेताजी की प्रतिमाओं का अनावरण, चौराहों के सौंदर्यीकरण को मिलेगी नई दिशा

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। नगर पालिका परिषद बिजनौर की ओर से शहर के प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण और महापुरुषों को सम्मान देने की दिशा में पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में नगर के दो प्रमुख चौराहों पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। प्रतिमाओं का अनावरण नगर पालिका परिषद की चेयरमैन श्रीमती इंदिरा सिंह ने विधि-विधान के साथ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि नगर के प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण पालिका की प्राथमिकताओं में शामिल है। महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके जीवन, संघर्ष और आदर्शों से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि नगर के अन्य प्रमुख चौराहों का भी चरणबद्ध तरीके से सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। आने वाले समय में शहर के विभिन्न चौराहों पर अन्य महान विभूतियों की प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी। इससे जहां शहर की सुंदरता बढ़ेगी, वहीं नागरिकों और युवा पीढ़ी को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह, सभासद शमशाद अंसारी, अभिषेक राणा, आदिल एडवोकेट, मनोज चौधरी उर्फ मनी, नीरज शर्मा, राजीव वर्मा, अतुल, अमित ठाकुर, तुषार चौधरी राजा, मुस्तकीम, सुरेंद्र सिंह, श्रीमती मनोरमा शर्मा, मानव सचदेवा और बिजेन्द्र सहित अनेक लोग मौजूद रहे। नगर पालिका के कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, अवर अभियंता सिविल यशवंत सिंह, कर निरीक्षक सुंदर लाल, ऋषिपाल सिंह और निर्माण लिपिक सोनिका सहित पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पूर्व सैनिकों और शहर के नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

नूरपुर में शिक्षक संघ और बीईओ की वार्ता से प्रशिक्षण विवाद सुलझा

एआरपी शुभम कुमार की कार्यशैली से नाराज शिक्षकों ने किया था एफएलएन प्रशिक्षण का बहिष्कार

प्रात : किरण संवाददाता

बिजनौर। ब्लॉक संसाधन केंद्र नूरपुर में एफएलएन प्रशिक्षण को लेकर शिक्षकों और एआरपी के बीच चल रहा विवाद गुरुवार को शिक्षक संघ पदाधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारी के बीच हुई वार्ता के बाद समाप्त हो गया। सहमति बनी कि प्रशिक्षण के दौरान अब एआरपी शिक्षकों की उपस्थिति नहीं लेंगे। शिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण में आने वाले शिक्षकों की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी सहायक लेखाकार नरेंद्र सिंह को सौंपी गई है। दरअसल, ब्लॉक संसाधन केंद्र नूरपुर में एआरपी शुभम कुमार की कार्यशैली से नाराज शिक्षकों ने एफएलएन प्रशिक्षण का बहिष्कार कर दिया था। मामला संज्ञान में आने के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने भी खंड शिक्षा अधिकारी को शिक्षकों से वार्ता कर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए थे। गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष नितिन चौहान, ब्लॉक मंत्री अरुण कुमार तथा जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हितेश कुमार की खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश देवी के साथ लंबी वार्ता हुई। शिक्षक संघ पदाधिकारियों ने ब्लॉक संसाधन केंद्र पर तैनात कर्मचारियों की कार्यशैली को लेकर नाराजगी जताई और एआरपी शुभम कुमार की कार्यशैली में सुधार की मांग रखी। वार्ता में तय हुआ कि प्रशिक्षण में आने वाले शिक्षकों की उपस्थिति लेने और सूची तैयार करने का कार्य सहायक लेखाकार नरेंद्र सिंह करेंगे। साथ ही ब्लॉक संसाधन केंद्र के कर्मचारियों को शिक्षकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश दिए गए। खंड शिक्षा अधिकारी अमरेश देवी ने बताया कि एआरपी शुभम कुमार को कार्यशैली में सुधार के निर्देश दिए गए हैं।

लोनी में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल नागरिकों के बीज दिखी देशभक्ति की दीवानगी

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को लोनी में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में भारी भीड़ देखने को मिली। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष लोगों के बीच उनकी देशभक्ति की दीवानगी को उजागर कर रहे थे। यात्रा में भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों के साथ आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली छात्र-छात्राएं, स्काउट्स, युवा, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल रहे। कार्यक्रम से पूर्व लोनी टोल पर भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री एके शर्मा का भव्य स्वागत किया। खन्ना नगर पहुंचने पर जिलाध्यक्ष चौ चैन पाल, लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर एवं पार्टी कार्यकताओं ने फूलों की बड़ी माला से स्वागत किया। इस दौरान विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने शाल एवं रामदरबार भेंट कर मंत्री जी का स्वागत किया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स, वाद्ययंत्रों, बैंड-बाजे के साथ स्कूली बच्चों सहित हजारो लोगों ने शिरकत की। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा एवं नगर विकास और ऊर्जा मंत्री का जोरदार स्वागत किया। खन्ना नगर स्थित धन्नू राम रेस्टोरेंट से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा गढ़ी कटैया तक पहुंची। यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों पर स्कूली बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्ग तक उत्साह से झूमते नजर आए। तिरंगे रंग के गुब्बारों और आतिशबाजी से आसमान भी राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन संयुक्त रूप से उपाध्यक्ष रामकुमार त्यागी जी, मास्टर राजकुमार एवं कृष्ण बंसल ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी, विशेषकर ऋ्ल्ल-, राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को यह समझना होगा कि देश की प्रगति केवल नारों से नहीं, बल्कि शिक्षा, विकास और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण से होती है।

रोवर रेंजर्स और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं को नशे के प्रति किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद। केजीके महाविद्यालय में रोवर रेंजर्स इकाई और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को नशा मुक्त युवा फार विकसित भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम व शपथ ग्रहण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ओम की ध्वनि तथा प्रेरक गीत गाकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डीपीएस रावत ने की और संचालन रेंजर लीडर डॉ. गीतिका नागर ने किया। वक्ताओं ने बताया कि नशा मुक्ति युवा का विकसित भारत का उद्देश्य युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रखने तथा 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से आए सुदेश चंद्र त्यागी ने नशे से होने वाली हानियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह अभियान जन आंदोलन हैं, जिसमें युवा अपनी सजातीय भूमिका निभाएं। वीरेश ने विद्यार्थियों को कहानी सुना कर तंबाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी दी।

गरिमा ने नशा मुक्त रहने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रो. राजकुमार सोनकर, प्रो. चंद्रभान सिंह यादव, डॉ. राजदेव सिंह व डॉ. प्रदीप कुमार उपस्थित रहे।

विकास कार्यों की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने दिए सख्त निर्देश बिना सूचना अनुपस्थित दो अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जनपदीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के लिए कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक और जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता बिना सूचना अनुपस्थित मिले। इस पर प्रभारी मंत्री ने दोनों अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में विभागीय समन्वय जरूरी है और अधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से करें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में बांटी जाए राहत किट प्रभारी मंत्री ने जिले के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। उपजिलाधिकारी चांदपुर ने बताया कि चार-पांच गांव प्रभावित हैं। मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में राहत किट उपलब्ध कराई जाएं और प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखे। उन्होंने जल निगम ग्रामीण की योजनाओं की भी जांच कराने के निर्देश दिए। कहा कि गांवों में कितनी पानी की टंकियां बनी हैं, कितनी पाइपलाइन बिछाई गई है और पाइपलाइन डालने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत हुई है या नहीं, इसकी जांच कराई जाए। गौशालाओं का महीने में एक बार हो औचक निरीक्षण कपिल देव अग्रवाल ने अधिकारियों को अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने गौशालाओं का महीने में कम से कम एक बार औचक निरीक्षण कराने को कहा। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान को आमजन और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से सफल बनाने पर जोर दिया। साथ ही विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के महत्व को बताते हुए कहा कि यह दिन देश के इतिहास की पीड़ा को स्मरण करने और नई पीढ़ी को उससे परिचित कराने का अवसर है। किसानों और आमजन की समस्याओं का हो प्राथमिकता से समाधान एमएलसी अशोक कटारिया ने अधिकारियों से किसानों और आमजन के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शादी अनुदान योजना के लाभार्थियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। नहटौर विधायक ओम कुमार ने नहटौर-नगीना मार्ग का निरीक्षण कराने तथा सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग रखी। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्बन क्रेडिट योजना का प्रचार-प्रसार कराने और इसके क्रियान्वयन के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा।

18 स्वास्थ्य उपकेंद्र बनकर तैयार

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा पूछे गए सवाल पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जिले में 18 स्वास्थ्य उपकेंद्रों का निर्माण पूरा हो चुका है। 18 अन्य उपकेंद्रों के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है, जिन पर निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

कई योजनाओं की प्रगति जानी

समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, वृक्षारोपण अभियान, कृत्रिम गभार्धान, पशु टीकाकरण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वास्थ्य विभाग, उद्योग, सहकारिता, सिंचाई और नमामि गंगे सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। प्रभारी मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए निर्देशों का समयबद्ध एवं अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र चौहान, नहटौर विधायक ओम कुमार, धामपुर विधायक अशोक राणा, एमएलसी अशोक कटारिया, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष इन्दिरा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

योगी सरकार में राजस्व वादों के त्वरित निस्तारण को मिली रफ्तार, लाखों मामलों का हुआ निपटारा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की त्वरित न्याय और जनसमस्याओं के प्रभावी निस्तारण की नीति के तहत राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण की प्रक्रिया को लगातार तेज किया जा रहा है। शासन स्तर से की जा रही नियमित मॉनिटरिंग और विशेष अभियानों का असर राजस्व वादों के निस्तारण के आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। धारा-24 के 39,645 वादों का निस्तारण सीमांकन/पैमाइश से संबंधित धारा-24 के तहत 31 दिसंबर 2025 तक 28,556 वाद विचाराधीन थे। 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 तक 91,472 नए वाद आए, जिनमें से 39,645 वादों का निस्तारण किया गया। वर्तमान में 80,383 वाद विचाराधीन हैं। पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों की संख्या महज 24 है। धारा-24 के तहत सबसे अधिक विचाराधीन वादों वाले जिलों में प्रयागराज, प्रतापगढ़, लखनऊ, अमेठी और मथुरा शामिल हैं। धारा-34 में विशेष अभियान से 2.21 लाख वाद निस्तारित नामांतरण/दाखिल-खारिज से संबंधित धारा-34 में भी बड़े स्तर पर निस्तारण किया गया। 31 दिसंबर 2025 तक 48,910 वाद विचाराधीन थे। 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 के बीच 14,70,133 वाद आयोजित हुए, जिनमें से 10,96,814 वादों का निस्तारण किया गया। वहीं, 45 दिन से अधिक अवधि से लंबित नामांतरण वादों के निस्तारण के लिए 15 से 25 जून 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान में ही 2,21,667 वादों का निस्तारण किया गया। भू-उपयोग परिवर्तन के मामलों में भी तेजी धारा-80 के तहत भू-उपयोग परिवर्तन से जुड़े मामलों में 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 तक 28,797 वाद आए, जबकि 49,855 वादों का निस्तारण किया गया। पांच वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों की संख्या शून्य दर्ज की गई है। पुराने मामलों के निस्तारण पर विशेष जोर योगी सरकार द्वारा राजस्व न्यायालयों में पुराने और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कार्यालय नगर पंचायत सहसपुर, जनपद–बिजनौर

पत्रांक:315/न0पं0सह0/2026–27 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक:13 अगस्त, 2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित के द्वारा नगर पंचायत सहसपुर, जनपद –बिजनौर के क्षेत्राधीन सम्पत्ति के पंजीकृत बैनामों के आधार पर उनके सामने अंकित भवन संख्या पर नामान्तरण तथा नाम में संशोधन हेतु प्रार्थना पत्र दिया है। इस सबंध में यदि निम्नांकित सम्पत्ति पर किसी को भी आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित विज्ञप्ति प्रकाशन के 30 दिन के अंदर कार्यालय में प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति पर नियमानुसार विचार नही किया जायेगा।

क्र सं	नाम/पिता–पति का नाम क्रेता	पता क्रेता	नाम–पिता/पति का नाम विक्रेता/हिबैयकर्ता/गिफटकर्ता	पता विक्रेता	भवन संख्या	विरण सम्पति
1.	अकील अहमद पुत्र जमील अहमद	मौहल्ला अफगाना सहसपुर, बिजनौर	फहीम अहमद पुत्र श्री मौ0 हनीफ	मौहल्ला सरायकलां सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 02 भवन सं0– 442R	बैनामा
2.	कुमारी साहिबा खातून पुत्री सलीम अहमद	मौहल्ला सरायकलां सहसपुर, बिजनौर	नईमा खातून पत्नी श्री तसलीम अहमद	मौहल्ला सरायकलां सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 04 भवन सं0– 155R	बैनामा
3.	मौहम्मद फेसल समर पुत्र श्री मौहम्मद	मौहल्ला शेखान उत्तरी सहसपुर, बिजनौर	मजहर उल इस्लाम पुत्र श्री मौ0 इस्लाम	मौहल्ला हकीमपुर सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 11 भवन सं0– 083R	बैनामा
4.	नीरज कुमार पुत्र श्री वीर सिंह	मौहल्ला शेखान तलाई सहसपुर, बिजनौर	वीर सिंह पुत्र श्री बल्लू सिंह	मौहल्ला शेखान तलाई सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 01 भवन सं0– 237R	बैनामा
5.	राहुल पुत्र श्री राम किशन	मौहल्ला शेखान तलाई/उत्तरी सहसपुर, बिजनौर	राम किशन पुत्र श्री बल्लू सिंह	मौहल्ला शेखान उत्तरी सहसपुर ,बिजनौर	वार्ड– 01 भवन सं0– 238R	बैनामा
6.	कृष्ण कुमार पुत्र श्री शमीम अहमद।	मौहल्ला शेखान तलाई/उत्तरी सहसपुर, बिजनौर	प्रेम सिंह पुत्र श्री बल्लू सिंह	मौहल्ला शेखान तलाई/उत्तरी सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 01 भवन सं0– 233R	बैनामा
7.	जुबैर अहमद पुत्र शमीम अहमद।	मौहल्ला सरायकलां, सहसपुर, बिजनौर	नूर अहमद पुत्र श्री छुन्नू	मौहल्ला सरायकलां सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 04 भवन सं0– 244R	बैनामा
8.	तहसीन बेगम पुत्र श्री रहीस अहमद।	मौहल्ला चौधरियान सहसपुर, बिजनौर	कु0 जमाल अंजुम व शाहिन परवीन पुत्रगण मुजाहिदुल इस्लाम	मौहल्ला चौधरियान सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 07 भवन सं0– 343R	बैनामा
9.	सुरेय्या परवीन पत्नी श्री शमीम अहमद।	मौहल्ला चौधरियान कस्बा उमरी कलां, काँठ, मुरादाबाद	अफसर अहमद पुत्र श्री अबरार अहमद	मौहल्ला मौलवियान सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 02 भवन सं0– 340R	बैनामा
10.	अभिषेक वालिन व अभिजीत पुत्रगण उदल सिंह।	मौहल्ला शेखान तलाई सहसपुर, बिजनौर	चूना सिंह पुत्र श्री फूसा सिंह	मौहल्ला शेखान तलाई सहसपुर, बिजनौर	वार्ड– 01 भवन सं0– 088R	बैनामा

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत सहसपुर, जनपद बिजनौर

संक्षिप्त खबरें

पंखा अपनी ओर खींचते ही लगा करंट, परिवार के इकलौते सहारे की मौत

मीरजापुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के पिड़खिर गांव में गुरुवार दोपहर 45 वर्षीय मुन्ना मुसहर की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। फरार्टा पंखे का स्विच ऑन कर उसे अपनी ओर खींचते समय पंखे में उतर रहे करंट ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि मुन्ना दोपहर करीब दो बजे घर में फरार्टा पंखा चला रहे थे। स्विच ऑन करने के बाद वह पंखे को हाथ से अपनी ओर खींच रहे थे। इसी दौरान पंखे में उतर रहे करंट की चपेट में आकर वह उससे चिपक गए। परिजन कुछ समझ पाते, इससे पहले ही मौके पर उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग और परिजन मौके पर जुट गए। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुन्ना परिवार का मुख्य सहारा थे और ईंट-भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी लक्ष्मीना और शीला तथा पुत्र चंद्रमा और किशन का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन की चीख-पुकार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। जमालपुर प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अब गांव-गांव होगी पानी की जांच, पंचायत सहायकों को मिली वाटर टेस्टिंग किट

मीरजापुर। गांवों में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में जल जीवन मिशन ने कदम बढ़ाया है। गुरुवार को जमालपुर ब्लॉक सभागार में जल जीवन मिशन विभाग की ओर से पंचायत सहायकों को पानी की गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान 50 पंचायत सहायकों को वाटर टेस्टिंग किट वितरित की गई। प्रशिक्षक विकास मौर्य ने पंचायत सहायकों को किट के माध्यम से पानी की जांच करने की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि समय-समय पर गांवों में पेयजल की जांच की जाएगी। वाटर टेस्टिंग किट की मदद से पानी में मौजूद विभिन्न रासायनिक पदार्थों और बैक्टीरिया का पता लगाया जा सकेगा। पानी की जांच के लिए आवश्यक टैबलेट भी उपलब्ध कराई गई। प्रशिक्षक ने कहा कि दूषित पानी के सेवन से ग्रामीणों को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में नियमित जांच से पानी की गुणवत्ता का पता समय रहते लगाया जा सकेगा और लोगों को पीने योग्य शुद्ध पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण के बाद पंचायत सहायकों की जिम्मेदारी होगी कि वे अपने-अपने गांवों में समय-समय पर पानी के स्रोतों की जांच करें और पानी की गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी संबंधित विभाग तक पहुंचाएं। इस दौरान शैलेंद्र सिंह, सुजीत विश्वकर्मा, भानू यादव, पूजा कुमारी, रवि दुबे, सभ्या कुमारी, राजेश कुमार, सिमोन, आर्यन यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित 85 परिवारों को राहत किट वितरित पानी उतरने के बाद होगा कृषि क्षति का आकलन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, 13 अगस्त। तहसील चांदपुर क्षेत्र में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को ग्राम रायपुर खादर में 85 प्रभावित परिवारों को राशन किट वितरित की गईं। पूर्व विधायक श्रीमती कमलेश सैनी द्वारा प्रभावित परिवारों को राहत किट उपलब्ध कराई गई। उप जिलाधिकारी चांदपुर प्रशांत वर्मा ने बताया कि 14 अगस्त को ग्राम दत्तियाना के 49, जमालुद्दीनपुर के 35 और मीरापुर सीकरी के 140 प्रभावित परिवारों को राशन किट वितरित की जाएंगी। शेष राशन किट प्राप्त होने के बाद अन्य प्रभावित परिवारों को भी राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि तहसील चांदपुर क्षेत्र में 29 जुलाई से पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ा है। इससे मीरापुर सीकरी, सलेमपुर, दत्तियाना, सिंहाली, मुजफ्फरपुर खादर, जमालुद्दीनपुर, धीवरपुरा, रायपुर खादर, जलालपुर खादर, कुम्हरिया, शुजातपुर खादर और खानपुर खादर सहित कई गांवों के खेत जलमग्न हुए हैं। 8 अगस्त के बाद जलस्तर बढ़ने से कुछ गांवों की आबादी में भी पानी भर गया, जिससे कई परिवार प्रभावित हुए हैं। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राहत और बचाव कार्यों के लिए तहसील स्तर पर दो मानव चालित नाव और एक मोटरबोट उपलब्ध कराई गई हैं। दो नावें एक अगस्त तथा मोटरबोट आठ अगस्त को तहसील चांदपुर को उपलब्ध कराई गई थीं। इनका उपयोग प्रभावित गांवों में राहत और बचाव कार्यों के लिए किया जा रहा है। एसडीएम के अनुसार बाढ़ प्रभावित परिवारों का राजस्व टीम द्वारा सर्वे कर सूची तैयार की गई है। राहत सामग्री के लिए जिला स्तर से 500 राशन किट की मांग की गई थी, जिसके सापेक्ष 320 किट प्राप्त हो चुकी हैं।

पानी उतरने के बाद होगा फसलों के नुकसान का सर्वे

वर्तमान में खेतों में पानी भरा होने के कारण कृषि क्षति का सही आकलन संभव नहीं है। जलस्तर कम होने और पानी उतरने के बाद राजस्व तथा कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा फसलों के नुकसान का सर्वे और आकलन कराया जाएगा। इसके बाद नियमानुसार पात्र प्रभावित किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

गंगा के कटान से कुन्दनपुर पर संकट, सिंचाई विभाग ने डाला डेरा

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव के चलते बिजनौर तहसील क्षेत्र के ग्राम कुन्दनपुर के सामने कटान का खतरा लगातार बढ़ रहा है। नदी अब गांव से महज 80 से 85 मीटर की दूरी तक पहुंच गई है। तेजी से हो रहे कटान को देखते हुए ग्रामीणों में चिंता और भय का माहौल है। संभावित खतरे को देखते हुए सिंचाई विभाग की टीम ने मौके पर डेरा डाल दिया है और कटावरोधी सुरक्षात्मक कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिए हैं। ग्राम प्रधान के अनुसार यदि समय रहते कटान रोकने के प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए तो गांव की आबादी के साथ-साथ सैकड़ों बीघा उपजाऊ कृषि भूमि भी गंगा की धारा में समाहित हो सकती है। ग्रामीणों ने नदी के कटान को रोकने के लिए तत्काल प्रभावी सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी बिजनौर ने अफजलगढ़ सिंचाई खंड धामपुर के अधिशासी अभियंता को तत्काल कटावरोधी सुरक्षात्मक कार्य कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी शुरू कर दी है। अधिशासी अभियंता कर रहे लगातार निगरानी अधिशासी अभियंता अरूण सचदेवा अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद हैं। उनके साथ कनिष्ठ अभियंता नवीन शर्मा, चन्द्रकुश चौहान, महावीर सिंह, नरेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी और राजस्व कर्मी निगरानी में जुटे हैं। अधिकारियों की ओर से कटान प्रभावित क्षेत्र में लगातार स्थिति का जायजा लिया जा रहा है और आवश्यकतानुसार सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ा है। जलप्रवाह तेज होने से नदी की धारा कटान कर रही है, जिसके चलते कुन्दनपुर क्षेत्र में खतरा बढ़ा है।

राजस्व विभाग भी अलर्ट

उप जिलाधिकारी सदर के निर्देश पर राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक और लेखपालों को भी मौके पर निगरानी के लिए निर्देशित किया गया है। सिंचाई और राजस्व विभाग की टीमें आपसी समन्वय के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल प्रशासन के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है। अधिशासी अभियंता अरूण सचदेवा ने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को कटावरोधी कार्य युद्धस्तर पर कराने तथा संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ी

इस सामग्री पर समाचार पत्र के लिए समाचार लिखिए

प्रात: किरण संवाददाता

बिजनौर। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं, कर्मचारियों, खिलाड़ियों सहित अन्य पात्र लोगों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दी गई है। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने बताया कि आगामी 3 दिसंबर 2026 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए कुल 12 श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी अथवा स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजन के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, दिव्यांगजन के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति एवं संस्था, प्रेरणास्रोत, जीवन में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान अथवा उत्पाद विकास, बाधामुक्त वातावरण के सृजन के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्य, पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाला सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग व्यक्ति एवं बालक-बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी तथा दिव्यांगजन के सशक्तीकरण के लिए कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। सीडीओ ने बताया कि निदेशालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दी गई है। जनपद के इच्छुक पात्र व्यक्ति निर्धारित श्रेणी के अनुसार आवश्यक अभिलेखों के साथ अपना आवेदन 20 अगस्त 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, बिजनौर के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। पुरस्कार से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट ६६६.४स्र्ँद्ग.ङ्गठ्ठ५.ल्ल तथा हेल्पलाइन नंबर 1801801995 से प्राप्त की जा सकती है। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के पात्र दिव्यांगजन, संस्थाओं, नियोक्ताओं, खिलाड़ियों एवं संबंधित व्यक्तियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत कर राज्य स्तरीय सम्मान के इस अवसर का लाभ उठाएं।

नए श्रम कानूनों की रेल कर्मचारियों को दी गई

करीब 100 कर्मचारियों ने लिया हिस्सा, श्रम कानूनों के प्रावधानों, अधिकारों और कार्यस्थल सुरक्षा पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल मुख्यालय स्थित सभागार में बुधवार को भारत सरकार द्वारा लागू किए गए नए श्रम कानूनों को लेकर विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती विनीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अभिषेक ठाकुर के संयोजन में आयोजित सेमिनार में करीब 100 रेल कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। सेमिनार में अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओपी) श्री पारितोष गौतम सहित विभिन्न शाखाओं के प्रवर अधीनस्थ एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे। मुख्य वक्ता श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केंद्रीय), बरेली श्री सरफराज किबरिया ने नए श्रम कानूनों के विभिन्न प्रावधानों, कर्मचारी कल्याण, कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों तथा कानूनों में किए गए प्रमुख बदलावों की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने नए श्रम कानूनों से जुड़े विभिन्न सवाल एवं जिज्ञासाएं मुख्य वक्ता के समक्ष रखीं। उन्होंने संबंधित प्रश्नों का समाधान करते हुए कानूनों के प्रावधानों को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। सेमिनार का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों को नए श्रम कानूनों के प्रति जागरूक करने के साथ उनके अधिकारों, दायित्वों और विधिक प्रावधानों की जानकारी देना रहा। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन कर्मचारियों को कानूनों में हुए बदलावों को समझने तथा कार्यस्थल पर उनका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने में सहायक होंगे।

विदेश भेजने के नाम पर 19 लाख रुपये की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। विदेश भेजने के नाम पर 19 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में चांदपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने शिकायतकर्ता के पुत्र को विदेश भेजने के नाम पर रकम ली थी। रुपये वापस मांगने पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार 11 फरवरी 2025 को एंटी फ्रॉड सेल, बिजनौर से प्राप्त जांच के बाद ग्राम बहौर निवासी सत्यवीर सिंह ने चांदपुर थाने में तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि अमरोहा जिले के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के ग्राम पपसर बांगर निवासी गगनदीप उर्फ बिट्टू, सर्वजीत और हरदीप सिंह ने उनके पुत्र विकसित कुमार को विदेश भेजने के नाम पर 19 लाख रुपये लिए थे। आरोप है कि रकम लेने के बाद न तो उसे विदेश भेजा गया और न ही रुपये वापस किए गए। रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने कथित रूप से गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर चांदपुर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में कुछ धाराओं को हटाते हुए अन्य धाराओं की बढ़ोतरी की गई।

बे लगाम भ्रष्टाचार पर आमजन के विचार

प्रात: किरण सुशील शर्मा

लोनी। राष्ट्रहित की मानसिकता वाले कुछ लोग रिश्वतखोरी पर लगाम लगाने के पक्षधर है, मगर उनकी गिनती शून्य के समान हैं। इस मामले में सरकार की बात करें तो, उसके द्वारा भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने के समय-समय पर दावे किए जाते रहे है. जबकि इसकी जमीनी हकीकत की बात करें तो सरकारी विभागों से भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा हैं. जो आम जनता के लिए आर्थिक नुकसान, जरूरी सेवाओं में देरी, मानसिक परेशानी और व्यवस्था से विश्वास उठने का कारण बनता जा रहा है। इससे गरीबों और जरूरतमंदों का सबसे अधिक शोषण होता है, क्योंकि उन्हें छोटे-छोटे कामों के लिए भी रिश्वत या चक्कर काटने पड़ते हैं। इसका मुख्य कारण सख्त कानून का अभाव कहां जाएगा। भ्रष्टाचार के इसी मुद्दे को लेकर जब इस प्रतिनिधि ने कुछ संभ्रांत नागरिकों के मन की बात जानी तो उनका कथन कुछ इस प्रकार रहा:- -शिशु भारती पब्लिक जूनियर हाई स्कूल के प्रबंधक निर्मल शर्मा का कहना है कि अगर सरकार भ्रष्टाचार के मामले में सख्त कानून व्यवस्था अपनाये तो रिश्वतखोरी पर नकेल लगाई जा सकती है। कानून कठोर होने से सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों में भय उत्पन्न होगा और वह रिश्वत लेने के ऐसे कृत्य से दूर रहेंगे। इसके अलावा रिश्वत लेने वाले के अलावा देने वाले के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाना जरूरी है। -शकरपुर निवासी जेपी शर्मा ने कहा कि कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी विभाग का क्यों ना हो, यदि रिश्वत लेते पकड़ा जाता है तो उसे तुरंत बर्खास्त किया जाए। हमारे देश में कहीं ना कहीं आए दिन सरकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार के मामले में पकड़े जा रहे हैं, लेकिन कड़ी कानून व्यवस्था के अभाव में वह बच जाते हैं. इस तरह भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। दरअसल आमतौर पर रिश्वत लेने वाले कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया जाता है और कुछ समय बाद उसकी पुनर्नियुक्ति हो जाती है। नतीजन भ्रष्टाचारी सोच के ऐसे कर्मचाररियो में कोई डर-भय नहीं हैं। यदि रिश्वत लेने पर सीधे बर्खास्तगी का कानून बन जाए तो उनकी भ्रष्टाचारी मानसिकता पर अंकुश लगेगा, क्योंकि उनमें नौकरी चले जाने का भय रहेगा। -समाजसेवी आरती मिश्रा के अनुसार आज के समय हर नागरिक किसी भी क्षेत्र में यही चाहता है कि उनका काम तुरंत हो, इसके लिए वह रिश्वत का सहारा लेता है. यही कारण है कि भ्रष्टाचार का यह काला कारोबार निरंतर फलता-फूलता जा रहा है। जबतक हमारी यह सोच नहीं बदलेगी कि अपने किसी भी काम के लिए रिश्वत नहीं देनी (उसकी कोई जरूरत नहीं) है, तबतक इस हानिकारक परंपरा को रोकपाना मुश्किल ही नहीं बल्कि असंभव है। इसलिए इस परिपाटी को रोकने के लिए खुद के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करने की जरूरत है। -अंकित नमक युवा के अनुसार भ्रष्टाचार को लेकर कुछ कानूनी चुनौतियां भी है. लगातार प्रयास के बावजूद भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई में कानूनी और औपचारिक अड़चन आड़े आ जाती हैं। जिसमें सबूतों की कमी, भ्रष्टाचार विरोधी कानूनी नियमों की अपर्याप्तता, आमजन में जागरूकता की कमी, समाजिक मानसिकता, अधिकारों का दुरुपयोग, प्रक्रियाओं का जटिल होने आदि के अलावा इस रिश्वतखोरी कोढ़ जैसी बीमारी का इलाज न होने का सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचारी गतिविधियों को सामान्य मानना शामिल है। -पवन सैन का मत था कि भ्रष्टाचार के दोषी व्यक्तियों का पूर्ण रूप से सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए ताकि ऐसे लोगों के मनोबल को विभाजित कर उसे चोट पहुंचाई जाये जिससे वह इसकी पुनरावृत्ति न कर सके। भ्रष्टाचार के विरोध में देशव्यापी जन-जागृति ही राष्ट्र को भ्रष्टाचार जैसी कुरीतियों से मुक्त करा सकती है।

नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सेमिनार आयोजित

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी: डॉ. लुबना हामिद

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में नशे के खिलाफ जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. लुबना हामिद ने की। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. एम. अथर कमाल ने कहा कि वर्तमान समय में अभिभावकों को अपने बच्चों पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है, क्योंकि नशे की लत युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रही है। शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. नसीम अहमद ने कहा कि इतिहास गवाह है कि नशे ने बड़ी-बड़ी रियासतों को निगल लिया और उनका कोई निशान तक नहीं बचा। संयुक्त सचिव कसीम अशरफ ने कहा कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ कड़े कानून भी जरूरी हैं, ताकि नशे के कारोबारियों और सेवन करने वालों में कानून का भय पैदा हो। चीफ प्रॉक्टर डॉ. महताब अमरोहवी ने कहा कि विश्व में होने वाले अधिकांश अपराधों में नशे की भूमिका सामने आती है। नशे के कारण हजारों लोग अपना जीवन बर्बाद कर लेते हैं, जिसका सीधा असर उनके परिवार पर पड़ता है। प्राचार्या डॉ. लुबना हामिद ने कहा कि बच्चों की संगत पर नजर रखना बेहद जरूरी है। नशा एक ऐसी दीमक है, जो युवा वर्ग को लग जाए तो उसे अंदर से खोखला कर देती है। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए सार्थक प्रयास किए जाने चाहिए, तभी स्वस्थ और स्वच्छ समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर अरमान सिद्दीकी, डॉ. फराह सिद्दीकी, डॉ. महताब आलम, अतुल कुमार सोनी, जुनैद आलम पम्मी, डॉ. रेशमा जैदी, डॉ. निकहत नकवी, डॉ. मुबारक अली, दुदार्ना फारूकी, शिवानी सागर सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

तिरंगामय हुआ अमरोहा, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

भव्य तिरंगा रैली में उमड़ा जनसैलाब, शहीद स्मारक पर स्वतंत्रता सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को अमरोहा में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजे और देशभक्ति गीतों के बीच निकली रैली में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं और स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने पूरे शहर को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। तिरंगा रैली ज्योतिबाफुले चौक से शुरू होकर शहीद स्मारक स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीमती कान्ता कर्दम, पूर्व मंत्री मदन चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, धनौरा विधायक राजीव तरारा, पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश सहित अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे। रैली के दौरान ह्यवंदे मातरम्ह्व और ह्यभारत माता की जयह्व के नारों से वातावरण गूंज उठा। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम का संदेश दिया। लोगों से अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की गई। इस दौरान वंदे मातरम् और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन भी हुआ। शहीद स्मारक पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर युवाओं, महिलाओं, बच्चों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सेल्फी ली। इसके बाद शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन एवं श्रद्धांजलि दी गई। वहीं तिरंगा प्रदर्शनी का अवलोकन कर लोगों ने राष्ट्रध्वज के इतिहास और उसके महत्व की प्राप्त की। मुख्य अतिथि कान्ता कर्दम ने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि आजादी हमें वीरों के बलिदान से मिली है। भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।विधायक राजीव तरारा ने नागरिकों से राष्ट्रध्वज संहिता का पालन करते हुए घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने की अपील की। पूर्व सांसद देवेन्द्र नागपाल ने कहा कि अभियान के माध्यम से सभी वर्गों के लोग राष्ट्रभक्ति के इस पर्व में सहभागिता कर रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने जिलेवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

चोरी के माल के साथ चार शातिर गिरफ्तार, सैंट्रो कार भी बरामद

रजबपुर पुलिस ने फार्म हाउस चोरी का किया खुलासा, एलईडी, प्रिंटर, टैबलेट और बाइक बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। रजबपुर थाना पुलिस ने मिलक मेहमदी स्थित फार्म हाउस से हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया 32 इंच का एलईडी टीवी, प्रिंटर, सैमसंग टैबलेट, स्टेप्लाईजर और होंडा सीडी 110 मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त सफेद रंग की सैंट्रो कार संख्या वढ20उ6084 को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम मिलक मेहमदी निवासी सतीश कुमार ने फार्म हाउस डिनर प्वाइंट से 2 अगस्त की रात करीब दो बजे सामान चोरी होने की शिकायत की थी। मामले में 12 अगस्त को थाना रजबपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही थी। इसी दौरान 13 अगस्त को उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की घटना में शामिल आरोपी चोरी के सामान को बेचने के लिए गुलड़िया रोड स्थित खालकपुर तिराहे के पास सैंट्रो कार में खड़े हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को कार सहित गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान कार के डैशबोर्ड से सैमसंग का टैबलेट, पिछली सीट से 32 इंच की हायर कंपनी की एलईडी तथा डिग्गी से सुल्तान कंपनी का स्टेप्लाईजर और एप्शन कंपनी का प्रिंटर बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने 21 जुलाई की रात नौगावां सादात क्षेत्र के ग्राम गजस्थल के बाहर क्रेशर पर बने मकान से होंडा सीडी 110 मोटरसाइकिल और स्टेप्लाईजर चोरी करने की बात भी बताई। इस संबंध में नौगावां सादात थाने में भी मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन निवासी जुझैला कलां थाना सिवाला कलां, बिजनौर, रोहित निवासी अख्त्यारपुर थाना मंडी धनौरा, अंकुर निवासी मिजार्पुर थाना नौगावां सादात और अमित निवासी अख्त्यारपुर थाना मंडी धनौरा के रूप में हुई है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने आरोपियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश करने की बात कही है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष विकास कुमार, उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार समेत थाना रजबपुर के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

देवरिया में तिरंगा यात्रा में शामिल छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

देवरिया। देवरिया जिला मुख्यालय स्थित पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज से गुरुवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज की छात्राएं भी शामिल हुईं। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच यात्रा पूरी करने के बाद स्कूल पहुंचते ही कई छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। छात्राओं को कमजोरी, चक्कर और डिहाइड्रेशन की शिकायत होने पर तत्काल महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में लाया गया। छात्राओं का इलाज चल रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि छात्राओं की स्थिति सामान्य है। करीब 50 छात्राओं को मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में लाया गया। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने तत्काल सभी छात्राओं की जांच कर इलाज शुरू किया। चिकित्सकों ने बताया कि गर्मी और शरीर में पानी की कमी के कारण छात्राओं की तबीयत बिगड़ी है। करीब 16 छात्राओं को दोबारा उपचार के लिए लाया गया। डॉ. प्रवीण पांडेय, डॉ. एन .के पांडेय डॉ. रोहित, डॉ. अजीत पाल, डॉ. विजय गुप्ता, समेत अन्य चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने छात्राओं की जांच की।

गंगा एक्सप्रेसवे: जमीनों के सर्किल रेट 48% तक बढ़ेंगे

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना को गति देने के लिए अमरोहा जिला प्रशासन ने जिले में जमीनों के नए सर्किल रेट प्रस्तावित किए हैं। एक्सप्रेसवे के दायरे में आने वाले राजस्व ग्रामों में प्रचलित दरों की असमानता दूर करते हुए सर्किल रेट में अधिकतम 48 फीसदी तक की बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। प्रशासन का मानना है कि इससे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में आ रही अड़चनें कम होंगी और किसानों को उनकी भूमि का बेहतर मूल्य मिल सकेगा।जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ द्वारा जारी प्रस्तावित सर्किल दर सूची में गंगा एक्सप्रेसवे के अंतर्गत आने वाले सभी राजस्व ग्रामों की दरों को आसपास के गांवों के अनुरूप करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा तहसील हसनपुर में गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन से लगी कृषि भूमि के लिए भी नई दरें प्रस्तावित की गई हैं।

अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ेंगी जमीनों की दरें

अमरोहा।प्रशासन की प्रस्तावित सूची के अनुसार सामान्य ग्रामीण क्षेत्रों में सर्किल रेट में 10 फीसदी, जबकि आवासीय एवं कृषि भूमि वाले विकासशील क्षेत्रों में 15 फीसदी की वृद्धि प्रस्तावित है। वहीं नगरीय, लघुत्तर नगरीय और अर्धनगरीय क्षेत्रों में आवासीय एवं कृषि भूमि की दरों में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर स्थित गांवों में कृषि और अकृषिक भूमि की दरों में स्थान के अनुसार 5 से 20 फीसदी तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है। जिन राजस्व ग्रामों में जमीन की दरों में अधिक असमानता है, वहां अधिकतम 30 फीसदी तक की वृद्धि कर दरों में समतुल्यता लाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही नगरीय, अर्धनगरीय और विनियमित क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग एवं जनपदीय मार्गों से लगी कृषि भूमि को बाजार मूल्य के करीब लाने के लिए बेल्टिंग प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

भूमि अधिग्रहण में आएगी तेजी

अमरोहा। गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण में मुआवजे को लेकर आने वाली दिक्कतों को दूर करने में नई प्रस्तावित दरें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। किसानों को जमीन का बेहतर मूल्य मिलने से अधिग्रहण प्रक्रिया में सहमति बनने की उम्मीद है। इससे परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आने और हरिद्वार तक कनेक्टिविटी बेहतर होने का रास्ता साफ होगा। एक्सप्रेसवे के पूरा होने के बाद अमरोहा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को हरिद्वार जाने के लिए तेज और सुगम मार्ग उपलब्ध होगा। इससे आवागमन के साथ ही क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

25 अगस्त तक दर्ज कराई जा सकेंगी आपत्तियां

अमरोहा। प्रस्तावित सर्किल रेट को लेकर प्रशासन ने आम लोगों से आपत्तियां और सुझाव भी मांगे हैं। प्रस्तावित मूल्यांकन सूची अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कार्यालय, सहायक महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय, सभी उप जिलाधिकारी एवं उप निबंधक कार्यालयों के अलावा एनआईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। कोई भी व्यक्ति 14 अगस्त से 25 अगस्त की शाम पांच बजे तक संबंधित कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से लिखित आपत्ति या सुझाव प्रस्तुत कर सकता है। प्रशासन के अनुसार 25 अगस्त शाम पांच बजे के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण 1 से 3 सितंबर तक किया जाएगा। आपत्तियों के निस्तारण का स्थान एवं समय बाद में प्रकाशित किया जाएगा।

मोदी सरकार ने संसद में हंगामे के बीच अडानी की दलाली वाला बिल पास कर दिया: संजय सिंह

- अब मोदी जी बिना किसी रोक-टोक के देश भर की खदानें अपने दोस्त अडानी को दे देंगे: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन बिल, 2026 का विरोध करते हुए मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने संसद में हंगामे के बीच अडानी की दलाली वाला बिल पास कर दिया। राज्यों का अधिकार छीन कर देश भर के सारे खनिजों पर केंद्र सरकार का कब्जा होगा। इस बिल के जरिए सुप्रीम कोर्ट का आदेश पलट दिया गया और अब राज्य सरकार को कोई राजस्व नही मिलेगा। अब मोदी जी बिना किसी रोक-टोक के देश भर की खदानें अपने दोस्त अडानी को दे देंगे। यह बिल राज्य सरकारों के आर्थिक संसाधनों पर कब्जा और उनके आर्थिक शक्ति को खत्म करने का प्रयास है। सदन में आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि यह बिल राज्यों के अधिकार छीनने वाला बिल है। केंद्र सरकार राज्य की बिजली, पानी और खनिजों पर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या सरकार पूरे देश के खनिज पदार्थों पर कब्जा चाहती हैं? उन्होंने कहा कि यह बिल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के भी खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच का फैसला 2024 में आया था। फैसले में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि राज्यों के पास खनिज अधिकारों और खनिज वाली भूमि पर टैक्स लगाने का अधिकार है। लेकिन केंद्र सरकार जो बिल लेकर आई है, उसमें स्पष्ट लिखा है कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी नाम से कोई टैक्स या सेस नहीं लगाया जाएगा। संजय सिंह ने कहा कि यह एक काला कानून है, जो राज्य सरकारों के आर्थिक संसाधनों पर कब्जा करने और उनकी आर्थिक शक्ति को खत्म करने का प्रयास है। यह बिल देश के चंद पूंजीपतियों को कोल ब्लॉक, माईन और खनिज देने के लिए लाया गया है। ओडिशा, तेलंगाना, बंगाल और तमिलनाडु जैसे तमाम राज्य, जहां माइनिंग होती है, वहां की माइनिंग पर केंद्र सरकार सीधे तौर पर कब्जा करना चाहती है। संजय सिंह ने कहा कि यह बिल अडानी की दलाली के लिए लाया गया है। केंद्र सरकार अडानी की दलाली करने के लिए यह बिल लेकर आई है। केंद्र सरकार को राज्यों की माइनिंग और खनिजों पर कब्जा करने का कोई अधिकार नहीं है।

एआई मानव बुद्धिमत्ता का सहायक बने विकल्प नहीं: आशीष सूद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सोशल मीडिया आपको उपलब्धियों की झलक दिखाता है। विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां आप अपना वास्तविक जीवन बनाते हैं, अपनी यात्रा की तुलना किसी और सोशल मीडिया प्लेटफार्म की फीड से न करें। उक्त बातें दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने डा. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षारंभ कार्यक्रम में गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को मानव बुद्धिमत्ता का सहायक बनना चाहिए, उसका विकल्प नहीं। उन्होंने कहा की एआई आपको एक उत्तर दे सकता है, लेकिन विश्वविद्यालय को आपको सही सवाल पूछना सिखाना चाहिए। एआई के युग में आपकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त केवल यह जानना नहीं होगी कि तकनीक का इस्तेमाल कैसे करना है, बल्कि यह जानना होगा कि तकनीक का इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए करना सार्थक है। उन्होंने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि सरकार उन्हें ईज ऑफ लर्निंग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन समाज के प्रति उनकी अंतिम जिम्मेदारी अपने ज्ञान और प्रतिभा के माध्यम से ईज ऑफ लिविंग का निर्माण करना है। शिक्षा मंत्री ने युवाओं से कहा की एआई का इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से ही करें। जानें कि यह कैसे काम करता है। लेकिन अपनी सोच को किसी एल्गोरिदम के हवाले न करें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल जीडीपी के आंकड़ों से नहीं होगा। भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा और आज की युवा पीढ़ी ही उस भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर ने कहा कि दीक्षारंभ विद्यार्थियों के लिए एक ऐसी शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत है, जो आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, अंतर्विषयक अध्ययन और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित है।

संक्षिप्त खबरें

डूसू चुनाव 18 सितंबर को परिणाम अगले दिन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के चुनाव की तारीख घोषित कर दी गई है। डूसू चुनाव के लिए 18 सितंबर को मतदान होगा, जबकि 19 सितंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव की तारीख सामने आने के साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में छात्र संगठनों और संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही नामांकन, प्रचार, मतदान और मतगणना से संबंधित विस्तृत कार्यक्रम जारी करेगा। चुनाव की घोषणा के बाद छात्र संगठनों के पास विद्यार्थियों से संपर्क करने और प्रचार अभियान चलाने के लिए करीब 35 दिन का समय है। इस दौरान विभिन्न संगठनों की ओर से महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय परिसर में गतिविधियां तेज होने की संभावना है। नए सत्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों पर भी छात्र संगठनों की विशेष नजर है। एबीवीपी और एनएसयूआई सहित विभिन्न संगठन नए विद्यार्थियों से संपर्क कर अपनी गतिविधियों और छात्र हित से जुड़े कार्यों की जानकारी दे रहे हैं। चुनाव के दौरान विश्वविद्यालय की आचार संहिता लागू रहेगी। पोस्टर, बैनर, प्रचार सामग्री, वाहनों के इस्तेमाल और सभाओं सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। प्रशासन के सामने शांतिपूर्ण चुनाव कराने के साथ परिसर में शैक्षणिक गतिविधियां और यातायात व्यवस्था सामान्य बनाए रखने की चुनौती भी रहेगी।

मिलावटखोरी से आजादी की मांग, प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान शुरू करने की घोषणा की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाद्य, दवाओं और ईंधन में मिलावट पर सख्त कानून बनाने की मांग की है। संजय सम्राट ने कहा कि मिलावटखोरी सिर्फ आर्थिक धोखा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। उन्होंने मिलावट पर सख्त कार्रवाई की जरूरत बताई।एसोसिएशन ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की नीति की स्वतंत्र वैज्ञानिक समीक्षा की मांग की है। इसी तरह सीएनजी में बायोगैस/सीबीजी मिलाने की नीति में भी गुणवत्ता, सुरक्षा और वाहन क्षमता की नियमित जांच की मांग की गई है।

डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सेमिनार, युवाओं से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले आयोजित नमो विकसित भारत संवाद में देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिकता पर गहन चर्चा हुई। डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सेंटर फॉर नमो स्टडीज की ओर से संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी अंका वर्मा ने कहा कि संविधान नागरिकों के प्रति गणतंत्र के दायित्व बताता है, जबकि धर्म समाज, राष्ट्र व आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारियां याद दिलाता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सोचें कि देश को क्या दे सकते हैं, न कि केवल क्या पा सकते हैं। आदित्य बिरला ग्रुप के डॉ. विनोद के वर्मा ने कहा कि संवैधानिक मूल्य व्यवहार में दिखने चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश दुबे, डॉ. मो. शम्स इकबाल, फिरोज खान गाजी, डॉ. आमना मिर्जा समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

दिल्ली में जाम से राहत के लिए 1.5 लाख करोड़ की परियोजनाएं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में यातायात जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए केंद्र सरकार करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़क और परिवहन परियोजनाओं पर काम कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। गडकरी के अनुसार, करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं, जबकि 34,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और इन पर जल्द काम शुरू किया जाएगा। इन योजनाओं में फ्लाईओवर, राष्ट्रीय राजमार्ग, सुरंग, भूमिगत मार्ग, अंडरपास और पैदल पुल जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। पूरी हो चुकी प्रमुख परियोजनाओं में दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग, ईस्टर्न पेरिफेरल द्रुतमार्ग, डीएनडी से फरीदाबाद-सोहना होते हुए वडोदरा-मुंबई द्रुतमार्ग, द्वारका द्रुतमार्ग और दिल्ली-देहरादून द्रुतमार्ग शामिल हैं। वहीं, जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से संपर्क मार्ग तथा डीएनडी-महारानी बाग-जैतपुर जंक्शन और दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग से 4 लेन संपर्क मार्ग जैसी परियोजनाओं पर काम जारी है। भविष्य की योजनाओं में एम्स से महिपालपुर होते हुए गुरुग्राम तक ऊंचा मार्ग, शिवमूर्ति-नेल्सन मंडेला मार्ग सुरंग, महरौली से गुरुग्राम सीमा तक राष्ट्रीय राजमार्ग और आश्रम से बदरपुर सीमा तक राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। इसके अलावा कालिंदी कुंज चौराहे पर संपर्क मार्ग तथा पंजाबी बाग से टिकरी सीमा तक राष्ट्रीय राजमार्ग जैसी परियोजनाएं भी प्रस्तावित हैं। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने संसद भवन में गडकरी से मुलाकात कर दिल्ली के लिए इन परियोजनाओं को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से यातायात जाम के साथ प्रदूषण की समस्या को कम करने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने 1,368 नव-नियुक्त शिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में नव-नियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान बांटे। मुख्यमंत्री ने इस चरण में कुल 1,368 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इनमें 1,015 टीजीटी, 236 पीजीटी और 117 संगीत शिक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी नव-नियुक्त शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल नियुक्ति पत्र प्रदान करने का अवसर नहीं है, बल्कि दिल्ली के लाखों बच्चों और उनके परिवारों के साथ बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी को और मजबूत करने का अवसर है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, शिक्षा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नए शिक्षकों का जुड़ना दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों के लिए बेहतर अकादमिक सहयोग, मार्गदर्शन और नए अवसरों का विस्तार है। यह भर्ती अभियान सरकारी विद्यालयों में रिक्त पदों को भरने और शिक्षण क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विद्यालयों की इमारतें तैयार करने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना भी है कि हर कक्षा में योग्य और समर्पित शिक्षक हों, शिक्षण का स्तर बेहतर हो, आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग हो, बच्चों को खेल और कला के पर्याप्त अवसर मिलें। प्रत्येक बच्चा वास्तव में सीखने और आगे बढ़ने में सक्षम हो। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को केवल परीक्षा-केंद्रित दृष्टिकोण से आगे ले जाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने नव-नियुक्त शिक्षकों से विद्यार्थियों के लिए केवल विषय-विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि मेंटर्स, रोल मॉडल और मार्गदर्शक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर आशीष सूद ने कहा कि आज 1,368 नए शिक्षकों का दिल्ली के शिक्षा परिवार से जुड़ना केवल नियुक्तियों की संख्या बढ़ना नहीं है, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक विद्यार्थी को ज्ञान के साथ आत्मविश्वास, दिशा और आगे बढ़ने का विश्वास देता है। आज कक्षा में बैठा कोई बच्चा भविष्य में वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी, उद्यमी या राष्ट्र की किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभाल सकता है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली भाजपा ने पांच जिलों में निकाली तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले प्रदेश भाजपा ने पांच जिलों में बृहस्पतिवार को तिरंगा यात्रा निकाली। बाहरी दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली, करोलबाग, केशवपुरम और शाहदरा जिलों में आयोजित यात्राओं में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यात्राओं के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने का आह्वान किया गया। बाहरी दिल्ली में सांसद योगेंद्र चांदोलिया के नेतृत्व में रोहिणी सेक्टर-2 से बालेश्वर मंदिर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें प्रदेश भाजपा की सह प्रभारी एवं सांसद डॉ. अल्का गुर्जर, विधायक राजकुमार चौहान, मनोज शौकीन और गजेंद्र दराल समेत हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। उत्तर पूर्वी दिल्ली में सांसद मनोज तिवारी के नेतृत्व में यमुना विहार स्थित जिला कार्यालय से घोंडा चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। मनोज तिवारी ने कहा कि तिरंगा केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के राष्ट्र समर्पण का प्रतीक है।

हर्ष मल्होत्रा ने अहिल्याबाई होल्कर की पुण्य तिथि पर दी उन्हें श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की पुण्य तिथि पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष संतोष पाल की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अनुकरणीय सुशासन, जन कल्याण के प्रति समर्पण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा देश भर में ऐतिहासिक मंदिरों के पुनर्निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सभी को सम्बोधित करते हुए लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की पुण्य तिथि पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा परिवार संकल्प लेता है कि हम अहिल्याबाई के सेवा, सुशासन और संस्कृति के मूल्यों पर चलकर विकसित भारत बनाएंगे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर सिर्फ एक शासक नहीं थीं, वो जनसेवा की जीवंत मिसाल थीं। 18वीं सदी में उन्होंने नारी शक्ति का ऐसा आदर्श स्थापित किया जिसे पूरा विश्व आज भी याद करता है। उन्होंने कहा कि राजधर्म ही उनका धर्म था, और सेवा ही उनकी पूजा थी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मालवा की धरती से उन्होंने सुशासन की जो गाथा लिखी, वो आज भी प्रेरणा देती है। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ तक, भारत के कोने-कोने में उन्होंने मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। सड़क, कुएं, धर्मशाला, अन्नक्षेत्र बनाकर उन्होंने कहा राजा का खजाना जनता की सेवा के लिए है। उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव, बिना भ्रष्टाचार, 30 वर्षों तक अहिल्याबाई होलकर ने रामराज्य का स्वरूप दिखाया। मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अहिल्याबाई के सुशासन और नारी शक्ति के आदर्श को बार-बार याद करते हैं। इस अवसर पर विष्णु मित्तल, योगिता सिंह, मोहनलाल गिहारा, सतीश गर्ग, प्रवीण शंकर कपूर, रामखिलाड़ी यादव, शुभेन्दू शेखर अवस्थी, कैलाश जैन, यासिर जिलानी, नितिन त्यागी, सुमन सैनी, रामनरेश पाल, विशाल प्रजापति, मोहित नागर, अमर बघेल आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ अभाविप का देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों की सीबीआई जांच तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने गुरुवार को देशभर में प्रदर्शन किया। दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, हैदराबाद, कोलकाता, गुवाहाटी, अहमदाबाद, सूरत, गोरखपुर, जोधपुर, कोटा, रायपुर, भुवनेश्वर, वाराणसी और प्रयागराज समेत कई शहरों एवं विश्वविद्यालय परिसरों में विद्यार्थियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। नई दिल्ली में वसंत विहार स्थित झारखंड भवन के बाहर अभाविप कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए झारखंड सरकार से परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बहाल करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने जेएसएससी सीजीएल सहित उन परीक्षाओं को रद्द कर दोबारा आयोजित करने की मांग की, जिनकी शुचिता पर गंभीर सवाल उठे हैं। अभाविप का आरोप है कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर झारखंड के विद्यार्थी पिछले कई दिनों से आंदोलनरत हैं। संगठन के अनुसार, 10 और 11 अगस्त को प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज, वॉटर कैनन के इस्तेमाल और गिरफ्तारी की कार्रवाई के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन किया गया। अभाविप ने जांच के लिए गठित एसआईटी में बार-बार बदलाव को लेकर भी सवाल उठाए और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय सीबीआई जांच की मांग की। संगठन ने कहा कि अनियमितताओं में दोषी पाए जाने वाले लोगों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं की अनियमितताओं की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने जेएसएससी सीजीएल समेत संदिग्ध परीक्षाओं को रद्द कर पुनः परीक्षा कराने तथा परीक्षा व्यवस्था में आवश्यक संस्थागत सुधार की मांग की। राष्ट्रीय मंत्री आदित्य तकियार ने कहा कि झारखंड के विद्यार्थी अपने भविष्य और न्यायसंगत अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हाथ की मुट्ठी में छिपाकर लाया 100 ग्राम सोना, दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अधिकारियों ने प्रोफाइलिंग के आधार पर सिंगापुर से आए एक यात्री के पास से करीब 100 ग्राम सोना बरामद किया। यात्री ने सोने को अपने हाथ की मुट्ठी में छिपा रखा था, ताकि सामान की स्कैनिंग के दौरान यह पकड़ में न आए। अधिकारियों के अनुसार, 12 अगस्त की रात सिंगापुर से दिल्ली पहुंची इंडिगो की उड़ान 6 ई-1014 से उतरे दिल्ली निवासी यात्री को एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर संदिग्ध मानकर निगरानी में लिया गया। यात्री ग्रीन चैनल पार कर चुका था। उसके सामान की स्कैनिंग में कोई संदिग्ध वस्तु स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दी। हालांकि, अधिकारियों ने देखा कि यात्री ने अपना एक हाथ असामान्य तरीके से बंद कर रखा था। पूछताछ के दौरान उसे मुट्ठी खोलने को कहा गया तो उसमें करीब 100 ग्राम सोना मिला। अधिकारियों के मुताबिक यात्री ने सोने को हाथ में छिपाकर रखा था, ताकि बैगेज स्कैनर से बचाया जा सके। मामले में आगे की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि प्रोफाइलिंग के साथ सतर्क निगरानी के कारण सोने की बरामदगी संभव हुई।

दिल्ली विधानसभा 14 और 15 अगस्त को आम लोगों के लिए खुलेगी, सुरक्षा बलों के बैंड की होगी संगीतमय प्रस्तुति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का भवन व परिसर देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 14 और 15 अगस्त को आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। नागरिक इन दोनों दिनों में शाम 5:00 बजे से रात 8:00 बजे तक विधानसभा परिसर में प्रवेश कर इसके गौरवशाली इतिहास, विरासत और लोकतांत्रिक परंपराओं से परिचित हो सकेंगे। इसके लिए किसी पूर्व पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। विधानसभा परिसर में प्रवेश के लिए प्रत्येक आगंतुक को आधार कार्ड अथवा अन्य वैध पहचान-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान इतिहास, संस्कृति और जनभागीदारी का विशेष संगम देखने को मिलेगा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बैंड एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) बैंड देशभक्ति से ओत-प्रोत संगीतमय प्रस्तुतियां देंगे। वहीं साहित्य कला परिषद द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। समारोह के अवसर पर ऐतिहासिक दिल्ली विधानसभा भवन को शाम के समय तिरंगे की रोशनी से विशेष रूप से सजाया और प्रकाशित किया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, विधानसभा के सदस्य तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि स्वतंत्रता दिवस महान स्वतंत्रता सेनानियों और देशभक्तों के बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ नागरिकों को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा के द्वार जनता के लिए खोलना इस मूल भावना का प्रतीक है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं अंततः उसी जनता की हैं, जिसकी सेवा के लिए उनका गठन हुआ है। आम नागरिकों को ऐतिहासिक विधानसभा भवन तथा परिसर में स्थित महत्वपूर्ण विरासत स्थलों को देखने और दिल्ली के विधायी एवं लोकतांत्रिक इतिहास में विधानसभा की भूमिका को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, संस्थाओं और उन संवैधानिक मूल्यों से जोड़ना है, जिन्होंने देश की लोकतांत्रिक यात्रा को दिशा प्रदान की है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बीएसएफ एवं सीआरपीएफ बैंड की देशभक्ति से परिपूर्ण प्रस्तुतियां तथा साहित्य कला परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह में विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। इनके माध्यम से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भारत की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत को एक साथ प्रस्तुत किया जाएगा। यह आयोजन भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता के गौरव को रेखांकित करेगा।

आईटीओ पर दस एकड़ में बनेगा नया दिल्ली सचिवालय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का नया सचिवालय आईटीओ पर लगभग दस एकड़ जमीन पर बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए दिल्ली सरकार आयकर विभाग की पांच एकड़ की जमीन लेकर उन्हें पीडब्ल्यूडी मुख्यालय की तरफ जगह देगी। इससे एक तरफ दिल्ली सरकार के पास बड़ा 10 एकड़ जमीन हो जाएगी जिस पर बड़ा दिल्ली सचिवालय बन सकेगा। इसमें मंत्रालय से लेकर विभिन्न विभागों के दफ्तर एक जगह रहेंगे। पीडब्ल्यूडी इस दिशा में योजना तैयार करने में जुटा हुआ है। जानकारी के अनुसार आईपी स्टेट स्थित दिल्ली सरकार का मौजूदा सचिवालय लगभग चार एकड़ जगह में बना हुआ है। यहां पर सभी मंत्रियों के कार्यालय के अलावा कुछ विभागों के भी दफ्तर हैं। दिल्ली सरकार भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा सचिवालय बनाना चाहती है जहां न केवल मंत्रियों के दफ्तर हों बल्कि महत्वपूर्ण विभागों के अधिकांश दफ्तर भी उसी इमारत में मौजूद रहे। इसके लिए दिल्ली सरकार द्वारा कई जगहों का मुआयना किया गया था। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने निरीक्षण के बाद आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय एवं उसके सामने मौजूद विकास भवन की जगह को दिल्ली सचिवालय के लिए चिन्हित किया था। लेकिन सड़क के दोनों तरफ जमीन होने एवं बीच में आयकर विभाग की बिल्डिंग होने के चलते इसे बनाने में मुश्किल आ रही थी. सूत्रों ने बताया कि पहले यहां पर सड़क के दोनों तरफ बिल्डिंग बनाकर उन्हें आपस में जोड़कर ट्वीन टॉवर बनाने की योजना थी। लेकिन अब इन दोनों इमारतों को जोड़ा नहीं जाएगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री के साथ आयकर विभाग के अधिकारियों ने बैठक कर इस परियोजना में शामिल होने की सहमति दे दी है। इससे आईटीओ पर दिल्ली सचिवालय बनने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली सरकार सड़क के एक तरफ मौजूद विकास भवन (5 एकड़ जमीन) और आयकर भवन (5 एकड़ जमीन) को मिलाकर कुल 10 एकड़ में अपना नया सचिवालय तैयार करेगी। वहीं पीडब्ल्यूडी मुख्यालय (8 एकड़) की जगह पर भी नई इमारत खड़ी होगी जिसमें आयकर विभाग को उनकी भूमि के अनुपात में जगह दी जाएगी।

स्विगी फूड का अब हर 7 में से 1 ऑर्डर हो रहा 99 स्टोर से, किफायत बनी सबसे बड़ी वजह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय। भारत के प्रमुख ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म, स्विगी लिमिटेड (एनएसई: SWIGGY/बीएसई: 544285) ने आज घोषणा की कि उसने पिछले एक साल में अफोर्डेबिलिटी सेगमेंट की अपनी पेशकश 99 स्टोर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। जुलाई 2025 में लॉन्च किया गया 99 स्टोर अब प्लेटफॉर्म के हर 7 में से 1 फूड ऑर्डर का हिस्सा है, जो वैल्यू-ड्रिवन फूड विकल्पों की मजबूत मांग को दर्शाता है। इस पेशकश ने देश के 500+ शहरों में 1.8 लाख से अधिक रेस्टोरेंट पार्टनर्स के नेटवर्क के साथ अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, जो किफायती फूड डिलीवरी में सबसे व्यापक पार्टनर नेटवर्कों में से एक है। 99 स्टोर का स्विगी फूड ऐप के भीतर एक समर्पित सेक्शन है जो 49, 79 और 99 के प्राइस प्वाइंट पर भाग लेने वाले ब्रांडों से दैनिक उपभोग के लिए क्यूरेटेड, किफायती फूड आइटम्स और भोजन दिखाता है और 49 से ऊपर के ऑर्डर के लिए फ्री डिलीवरी अनलॉक करता है। यह उन वैल्यू-कॉन्शियस ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है जो किफायती कीमत पर विश्वसनीय ब्रांडों के गुणवत्तापूर्ण फूड और भोजन विकल्पों की तलाश में हैं। पिछले एक साल में, यह स्वस्थ भोजन विकल्पों के लिए भी एक पसंदीदा प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है। 99 स्टोर न केवल ऑर्डर की संख्या बढ़ा रहा है, बल्कि नए शहरों में अपना विस्तार कर रहा है, नए रेस्टोरेंट पार्टनर जोड़ रहा है, स्विगी से नए यूजर्स को जोड़ रहा है और ग्राहकों को बनाए रखने की क्षमता को बेहतर बना रहा है – यह सब एक ही वैल्यू प्रपोज़िशन पर हो रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बाइक से टक्कर मारकर गिराया, फिर पीटकर नकदी और आधार कार्ड लूटा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के ख्याला थाना क्षेत्र में युवक को मोटरसाइकिल से टक्कर मारकर गिराने के बाद मारपीट कर नकदी और आधार कार्ड लूटने के मामले में पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, पीड़ित का आधार कार्ड और 200 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 7 अगस्त की रात करीब 9:40 बजे रोहित कुमार जगन बर्तन भंडार के पास ई-रिक्शा का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार 2 युवकों ने उनका पीछा किया और पीछे से टक्कर मारकर उन्हें सड़क पर गिरा दिया। इसके बाद दोनों ने उनके साथ मारपीट की और शर्ट की जेब से 1,000 रुपये तथा आधार कार्ड लेकर फरार हो गए। घटना के बाद ख्याला थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपितों की पहचान की। इसके बाद रघुबीर नगर निवासी गगन और आर्यन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, गगन के खिलाफ पहले से 20 से अधिक मामले दर्ज हैं, जबकि आर्यन के खिलाफ 3 मामले दर्ज हैं। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबे दो मासूम, इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली। नरेला इलाके में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 9 और 11 वर्ष के दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे बृहस्पतिवार को 100 फुटा, डीडीए फ्लैट्स क्षेत्र में गड्ढे के पास खेल रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों बच्चे बारिश के पानी से भरे गड्ढे में चले गए और डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों को सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल, नरेला पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बच्चे गड्ढे तक कैसे पहुंचे और हादसे के समय उनके साथ कोई बड़ा व्यक्ति मौजूद था या नहीं। बारिश के मौसम को देखते हुए पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस ने पानी से भरे गड्ढों, नालों और जलभराव वाले स्थानों के आसपास बच्चों को जाने से रोकने की सलाह दी है।

सपा ने संसद में जुटाई चंदे की रकम हनुमान मंदिर में चढ़ाई

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने मानसून सत्र के दौरान संसद परिसर में प्रदर्शन के दौरान एकत्र की गई चंदे की रकम गुरुवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में चढ़ाई। पार्टी के अनुसार, यह धन अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले के विरोध में प्रदर्शन के दौरान जुटाया गया था। सपा नेताओं ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान सांसदों और कुछ मीडियाकर्मियों से यह राशि एकत्र की गई थी। मंदिर में चढ़ावा अर्पित करने के बाद पार्टी नेताओं ने इसकी रसीद भी प्राप्त की। सपा नेता अवधेश यादव ने कहा कि यह रकम बजरंगबली के चरणों में अर्पित की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी अपने अभियान में लोगों के बीच जागरूकता अभियान जारी रखेगी और अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी मामले में दोषियों को सजा मिलने तक इस मुद्दे को उठाती रहेगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि संसद में प्रदर्शन के दौरान जुटाई गई राशि को मंदिर में अर्पित करने का उद्देश्य इस मुद्दे को जनता के बीच पहुंचाना और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

आबकारी घोटाला: केजरीवाल-सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में दी अर्जी

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। दोनों ने निचली अदालत के आरोपमुक्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को खारिज करने की मांग की है। दोनों की ओर से दायर अर्जी में कहा गया है कि निचली अदालत के फैसले के महज 4 घंटे के भीतर जल्दबाजी में अपील दायर की गई। उनका तर्क है कि पुनरीक्षण याचिका में निचली अदालत के फैसले में किसी विशेष त्रुटि-कानूनी तथ्य या गंभीर त्रुटि का उल्लेख नहीं किया गया है। मनीष सिसोदिया की ओर से दायर अर्जी में कहा गया है कि सीबीआई ने एजेंसी की अपील प्रत्येक आरोपित के खिलाफ यह स्पष्ट करने में विफल रही है कि आरोपमुक्त करने का आदेश किस साक्ष्य के अभाव में पारित हुआ।

चावल घोटाले में मंत्री सिरसा की भूमिका की जाँच हो, तुरंत हो बर्खास्त: सौरभ भारद्वाज

● निलंबित एडिशन कमिश्नर का लिखित में दिया, मंत्री सिरसा से चर्चा और निर्देश के बाद असम के निगम का पत्र एफसीआई को भेजा: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एलजी और मुख्यमंत्री से चावल घोटाला मामले में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को तत्काल बर्खास्त कर जांच बैठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के गरीबों में बांटने के लिए असम के निगम नाम के निगम को एफसीआई से चावल मिला, लेकिन उसने गरीबों में बांटने के बजाय हरियाणा की एक कंपनी को दोगुने दाम में बेच दिया। एफसीआई ने निगम को यह चावल मंत्री सिरसा के विभाग में तैनात एडिशन कमिश्नर अरुण कुमार झा के कई बार पत्राचार के बाद दिया। जिसके लिए अरुण कुमार को निलंबित कर दिया गया है। कारण बताओ नोटिस के जवाब में अरुण कुमार ने लिखित जवाब दिया है कि मंत्री सिरसा से चर्चा और निर्देश के बाद निगम का पत्र एफसीआई को भेजा। जब मंत्री सिरसा के निर्देश पर एफसीआई से पत्राचार करने पर एडिशन कमिश्नर निलंबित हो गया तो सिरसा मंत्री पद पर कैसे हैं? मंत्री सिरसा को बर्खास्त क्यों नहीं किया जा रहा है? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भले ही मंत्री सिरसा इसे पत्र को फॉरवर्ड करना बता रहे हैं, लेकिन उनका खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग इसे सिफारिश मान रहा है। मंत्री का कहना है कि हजारों पत्र आते हैं, वे फॉरवर्ड कर देते हैं, लेकिन कोई एक बार धोखे से उनसे असम के निगम का पत्र फॉरवर्ड करा सकता है, दोबारा तो नहीं करा सकता। निगम ने मंत्री को दो बार पत्र भेजा और उन्होंने दोनों बार अपने विभाग के एडिशन कमिश्नर को ही फॉरवर्ड क्यों किया? दूसरी बार पत्र फॉरवर्ड करने के दौरान मंत्री सिरसा ने ये क्यों नहीं सोचा कि निगम ने 31 हजार मीट्रिक टन चावल दिल्ली में कहां बंटे? गुरुवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दो दिन पहले दिल्ली विधानसभा में खाद्य आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा कह रहे थे कि उनके पास विधायकों सहित बहुत लोगों के पत्र आते हैं और उन्होंने पत्र फॉरवर्ड कर दिया, इसमें उनकी क्या गलती है? उनकी इस बात से लगा कि इस पूरे चावल घोटाले में उनके योगदान पर बारीकी से चर्चा होनी चाहिए।

सदन में आप के दलित विधायक कुलदीप कुमार का अपमान करने पर दलित संगठनों का भाजपा मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ हल्ला बोल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के दलित विधायक कुलदीप कुमार का अपमान करने पर दलित संगठनों ने गुरुवार को कल्याणपुरी बस स्टैंड के पास भाजपा मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इस बाबत कुलदीप कुमार ने कहा कि विधानसभा में जिस तरह प्रवेश वर्मा ने मेरे साथ अपमान जनक व्यवहार किया, उससे दलित समाज में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कोंडली पुल का उद्घाटन किया, लेकिन कोंडली का विधायक होने के बावजूद मुझे नहीं बुलाया, क्योंकि मैं दलित हूं। यह पुल केजरीवाल सरकार ने बनवाया था। मात्र 5 फीसद काम बचा था, जिसे पूरा करने में इन्हें डेढ़ साल लग गए। कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली विधानसभा के अंदर भाजपा मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा मेरे साथ किए गए अपमानजनक व्यवहार और उनकी भाषा के खिलाफ आज दलित समाज के कई संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन किया है। उनमें इस बात को लेकर काफी आक्रोश है। प्रवेश वर्मा ने उस शब्द का इस्तेमाल करने की कोशिश की, जो उनके मन के ही नहीं। कुलदीप कुमार ने बताया कि आज दिल्ली की मुख्यमंत्री और प्रवेश वर्मा कोंडली विधानसभा में एक पुल का उद्घाटन करने आए थे। इनकी सोच इतनी संकीर्ण है कि इन्होंने मुझे इस उद्घाटन में इसलिए आमंत्रित नहीं किया क्योंकि मेरा नाम उस नेमप्लेट पर न आ जाए, क्योंकि मैं दलित समाज से आता हूं। कोंडली का यह पुल अरविंद केजरीवाल सरकार ने बनवाया था, जिसका मात्र 5 फीसद काम बचा हुआ था। भाजपा सरकार ने उस बचे हुए काम को पूरा करने में डेढ़ साल लगा दिए। 6 महीने पहले पुल बनकर तैयार हो चुका था, लेकिन उसके बावजूद मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन नहीं किया। क्योंकि मुख्यमंत्री को दलित समाज के लोगों से नफरत है और यह विधानसभा एक दलित बहुल विधानसभा है। इसलिए मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार ने 6 महीने तक यहां के लोगों को परेशान किया। कुलदीप कुमार ने कहा कि आज मुख्यमंत्री इसका उद्घाटन करने इसलिए आई हैं क्योंकि यह सरकार क्रेडिट चोर सरकार है। उन्हें लगता है कि जनता यह भूल जाएगी कि पुल केजरीवाल ने बनवाया था। लेकिन अरविंद केजरीवाल जनता के दिलों में बसते हैं और जनता भूलने वाली नहीं है।

केजरीवाल ने सीबीआई की याचिका का विरोध किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में उन्हें आरोपमुक्त किए जाने के खिलाफ सीबीआई द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका खारिज करने की मांग की है। केजरीवाल व सिसोदिया ने इसे लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। दोनों नेताओं ने सीबीआई की आपराधिक पुनर्विचार याचिका में अपना जवाब दाखिल किया। यह याचिका न्यायमूर्ति मनोज जैन की एकल पीठ के समक्ष लंबित है। केजरीवाल व सिसोदिया का कहना है कि निचली अदालत द्वारा आरोपमुक्त किए जाने का आदेश पारित होने के महज चार घंटे के भीतर सीबीआई ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल कर दी। दोनों नेताओं ने इसे असाधारण जल्दबाजी व गंभीरता के अभाव में उठाया गया कदम बताया है। याचिका में कहा गया कि सीबीआई ने आरोपमुक्त करने वाले पांच सौ से अधिक पन्नों के फैसले का उचित तरीके से अध्ययन किए बिना ही उसके खिलाफ चुनौती याचिका दाखिल की है।यह मामला कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों का है। 27 फरवरी को निचली अदालत ने मामले में सभी 23 आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया था। इनमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता भी शामिल थीं। निचली अदालत ने अपने फैसले में सीबीआई की जांच की भी कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद सीबीआई ने उसी दिन आरोपमुक्ति के आदेश को चुनौती देते हुए पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी।

मास्टर प्लान-2047: दिल्ली में बसेंगे नए उपनगर लंदन-पेरिस की तर्ज पर बदलेगी राजधानी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं दिल्ली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को दिल्ली मास्टर प्लान-2047 को मंजूरी दे दी। इस योजना का उद्देश्य दिल्ली को आधुनिक, टिकाऊ, हरित और नागरिक सुविधाओं से युक्त महानगर के रूप में विकसित करना है। योजना में आवास, परिवहन, आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, अपशिष्ट निपटान, बुनियादी ढांचे, विरासत संरक्षण और नागरिक केंद्रित प्रशासन को प्राथमिकता दी गई है। मास्टर प्लान-2047 को प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप तैयार किया गया है। योजना में लंदन और पेरिस में अपनाए गए आधुनिक शहरी विकास के विभिन्न सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए दिल्ली के भविष्य के विस्तार और पुनर्विकास का खाका तैयार किया गया है। पुराने डीडीए आवासों का होगा पुनर्विकास मास्टर प्लान-2047 में दिल्ली के पुराने आवासीय क्षेत्रों के पुनर्विकास पर विशेष जोर दिया गया है। इसके तहत 50 साल से अधिक पुराने और कमजोर डीडीए आवासीय परिसरों के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव है। पुरानी दो मंजिला डीडीए आवासीय इकाइयों को खाली भूखंड के समान पुनर्विकास अधिकार दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इससे जर्जर और पुरानी आवासीय इकाइयों के स्थान पर आधुनिक आवासीय परिसर विकसित किए जा सकेंगे। इससे जमीन का बेहतर उपयोग होने के साथ लोगों को आधुनिक सुविधाओं वाले आवास उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। दिल्ली में विकसित किए जाएंगे नए उपनगर योजना में दिल्ली के भीतर नए उपनगर विकसित करने पर भी जोर दिया गया है। इन क्षेत्रों में आवासीय और औद्योगिक गतिविधियों के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा तैयार किया जाएगा। नए उपनगरों का विकास इस तरह करने की योजना है कि आवास, रोजगार, परिवहन और नागरिक सुविधाएं एक-दूसरे से जुड़ी रहें। इसका उद्देश्य दिल्ली के मौजूदा क्षेत्रों पर बढ़ते जनसंख्या और यातायात के दबाव को कम करना तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शहर का संतुलित विस्तार करना है। रिठाला-कुंडली मार्ग से बढ़ेगी संपर्क सुविधा नरेला उपनगर में रिठाला-कुंडली मेट्रो मार्ग के डिपो के विकास के लिए 19.63 हेक्टेयर भूमि का उपयोग परिवहन संबंधी गतिविधियों के लिए करने की अनुमति दी गई है।

दिल्ली में 2 बड़े पुल बंद, पुरानी दिल्ली जाने वालों की बढ़ेगी परेशानी

नई दिल्ली। दिल्ली में पुरानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। उत्तर रेलवे द्वारा पुल बंगश और पुल डफरिन रेलवे उपरिगामी पुल के पुनर्निर्माण के कारण दोनों पुल लंबे समय तक यातायात के लिए बंद रहेंगे। दिल्ली यातायात पुलिस ने वाहन चालकों की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करते हुए विशेष यातायात परामर्श जारी किया है। 13 अगस्त से पुल बंगश बंद पुल बंगश रेलवे उपरिगामी पुल को यातायात के लिए असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद इसके पुनर्निर्माण का निर्णय लिया गया है। यह पुल 13 अगस्त से 31 दिसंबर तक पूरी तरह बंद रहेगा। प्रारंभिक चरण में आजाद मार्केट से लाला हरदेव सहाय मार्ग की ओर जाने वाला मार्ग बंद किया गया है। इसके बाद पुल पर दोनों दिशाओं में यातायात पूरी तरह रोक दिया जाएगा। वीर बांदा बैरागी मार्ग और आजाद मार्केट की ओर से आने वाले वाहन चालकों को आजाद मार्केट चौक, डीसीएम चौक, रानी झांसी फ्लाईओवर और तीस हजारी होते हुए अंतरराज्यीय बस अड्डा कश्मीरी गेट तथा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जाने की सलाह दी गई है। 10 सितंबर से पुल डफरिन भी बंद पुल बंगश के बाद पुल डफरिन रेलवे उपरिगामी पुल भी 10 सितंबर से यातायात के लिए बंद कर दिया जाएगा। यह पुल भी 31 दिसंबर तक बंद रहेगा। इसके पुनर्निर्माण के चलते पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से आने वाले वाहन चालक आर्वंतिका बाई चौक, पुल मिठाई और जोरावर सिंह मार्ग होते हुए बाराखंभा चौक की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से आर्वंतिका बाई चौक, आजाद मार्केट मार्ग और आजाद मार्केट चौक होकर जाने का मार्ग भी अपनाया जा सकता है। कई मार्गों पर बढ़ सकता है यातायात दबाव मोरी गेट चौक से एसपीएम मार्ग की ओर जाने वाले वाहनों के लिए गोखले मार्ग, निकोलसन मार्ग अथवा जोरावर सिंह मार्ग, लोथियन मार्ग, छत्ता रेल चौक होते हुए एसपीएम मार्ग का विकल्प दिया गया है। यातायात पुलिस का उद्देश्य वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से तीस हजारी और आसपास के प्रमुख मार्गों पर वाहनों के अतिरिक्त दबाव को कम करना है। इसके बावजूद दोनों पुलों के लंबे समय तक बंद रहने से पुरानी दिल्ली, आजाद मार्केट, कश्मीरी गेट और आसपास के क्षेत्रों में व्यस्त समय के दौरान यातायात प्रभावित होने की संभावना है।

दिल्ली में घर खरीदने का मौका, डीडीए के 1224 फ्लैट्स पर 25 प्रतिशत छूट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे सरकारी कर्मचारियों और विभिन्न पेशेवरों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने विशेष आवास योजना शुरू की है। कर्मयोगी आवास योजना के तहत नरेला में 1224 तैयार फ्लैट्स पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। योजना में सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के साथ डॉक्टर, वकील, अभियंता, शिक्षक सहित कई पेशेवर वर्गों को शामिल किया गया है। योजना के तहत फ्लैटों का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। खास बात यह है कि जिन आवेदकों के पास पहले से दिल्ली या देश के किसी अन्य हिस्से में संपत्ति है, वे भी इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। पात्र आवेदक अलग-अलग श्रेणियों में एक से अधिक फ्लैट के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। नरेला में उपलब्ध हैं 1224 फ्लैट डीडीए की यह योजना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के नरेला क्षेत्र में लागू की गई है। इसके तहत सेक्टर ए-1 से ए-4 और पॉकेट-11 में कुल 1224 तैयार फ्लैट उपलब्ध हैं। इनमें 1 शयनकक्ष, 2 शयनकक्ष और 3 शयनकक्ष वाले फ्लैट शामिल हैं। योजना के तहत सभी पात्र खरीदारों को निर्धारित कीमत पर 25 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इससे दिल्ली में घर खरीदने की इच्छा रखने वाले नौकरीपेशा लोगों के लिए अपेक्षाकृत कम कीमत पर आवास प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध हुआ है। कौन कर सकता है आवेदन? योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक भारत का नागरिक और कम से कम 18 वर्ष की आयु का होना चाहिए। इसके अलावा आवेदक को निर्धारित पात्रता वर्ग में शामिल होना आवश्यक है। सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों में केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम, स्वायत्त निकाय, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, स्थानीय निकाय, सरकारी विश्वविद्यालय और सरकारी अस्पतालों के सेवारत तथा सेवानिवृत्त नियमित कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड लेखाकार, वास्तुकार, नगर नियोजक, अभियंता, वैज्ञानिक और शिक्षक जैसे पेशेवर भी योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। किस श्रेणी में कितने फ्लैट? योजना के तहत अलग-अलग आकार के कुल 1224 फ्लैट उपलब्ध हैं।

NBFC फिनटेक पोर्टफोलियो में सालाना 21.2% की बढ़ोतरी के साथ 1 लाख से ज्यादा के पर्सनल लोन में तेजी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारत। CRIF High Mark और यूनिफाइड फिनटेक फोरम (UFF) ने आज फिनसाइट का दूसरा संस्करण जारी किया। यह जून 2026 के डेटा पर आधारित भारत के ठइत्रऋ फिनटेक इकोसिस्टम का एक विस्तृत अध्ययन है। 120 से ज्यादा ठइत्रऋ फिनटेक (मुख्य रूप से वत्रऋऋ और फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (ऋअउए) के सदस्य) के डेटा का इस्तेमाल करते हुए और पारंपरिक ठइत्रऋर व व्यापक ठइत्रऋ इंडस्ट्री से उनकी तुलना करते हुए, यह रिपोर्ट पोर्टफोलियो ग्रोथ, लोन देने के ट्रेंड, प्रोडक्ट मिक्स, उधारकताओं के व्यवहार, भौगोलिक विस्तार और रिस्क परफॉर्मेंस की जाँच करती है, जो भारत में डिजिटल लेंडिंग के विकास को आकार दे रहे हैं। रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि ठइत्रऋ फिनटेक सेक्टर एक ज्यादा परिपक्व चरण में प्रवेश कर रहा है, जहाँ ग्रोथ को सोच-समझकर लोन देने, मजबूत अंडरराइटिंग, पोर्टफोलियो की क्वालिटी पर ज्यादा ध्यान देने और धीरे-धीरे बड़े लोन की ओर बढ़ने से आकार मिल रहा है। हालाँकि पर्सनल लोन इस सेगमेंट का मुख्य आधार बने हुए हैं, लेकिन बिना गारंटी वाले बिजनेस लोन एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में उभर रहे हैं, खासकर 1 लाख से 5 लाख की रेंज में। साथ ही, फिनटेक लेंडर बड़े शहरी केंद्रों से परे अपनी पहुँच बढ़ा रहे हैं, जो उभरते बाजारों में औपचारिक क्रेडिट सुविधा पहुँचाने में उनकी व्यापक भूमिका का संकेत देता है।

मुख्य बातें

लगातार पोर्टफोलियो ग्रोथः ठइत्रऋ फिनटेक ने जून 2026 तक बकाया पोर्टफोलियो में सालाना 21.2% की ग्रोथ दर्ज की, जो लगातार विस्तार का संकेत है, भले ही ग्रोथ की रफ़्तार पहले के उच्च स्तर से थोड़ी कम हुई है। उनकी पोर्टफोलियो ग्रोथ व्यापक ठइत्रऋ इंडस्ट्री से ज्यादा बनी हुई है, जबकि ठइत्रऋ पोर्टफोलियो बकाया में उनकी हिस्सेदारी लगभग 9% है। लोन देने में तेजीः वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (द1 ऋ27) में लोन देने की कुल राशि 79.9 हजार करोड़ तक पहुँच गई, जिसमें मूल्य के हिसाब से सालाना 53% और संख्या के हिसाब से 21% की ग्रोथ दर्ज की गई। इसमें मुख्य रूप से 1 लाख से ज्यादा के पर्सनल लोन का योगदान रहा। ठइत्रऋ फिनटेक के नए उधारकताओं (जिन्होंने पहले कभी लोन नहीं लिया) का हिस्सा जून-24 में 14.2% से घटकर जून-26 में 11.4% हो गया है, जो लोन देने के ज्यादा सोच-समझकर और नपे-तुले तरीके को दिखाता है। मौके का विश्लेषणः ठइत्रऋ फिनटेक के लगभग 55.2% उधारकर्ता, जिनका दूसरे लेंडर्स (ढरव बैंक, प्राइवेट बैंक और पारंपरिक ठइत्रऋ) के साथ भी लोन चल रहा है, उनके पास पर्सनल लोन के तहत ट्रेड लाइनें हैं।

इंडियन बैंक द्वारा खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्रों में 1,220 करोड़ का संवितरण

मुंबई। इंडियन बैंक द्वारा अपने 120वें स्थापना दिवस पखवाड़ा समारोह के उपलक्ष्य में मुंबई में एक ह्यमेगा ऋण संवितरण एवं ग्राहक संपर्क शिविरह्न का आयोजन किया गया, जिसमें महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा क्षेत्रों के लाभार्थियों को खुदरा, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों के तहत कुल 1,220 करोड़ के ऋण संस्वीकृति-पत्र वितरित किए गए। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री बिनोद कुमार ने इस शिविर का उद्घाटन किया तथा लाभार्थियों को ऋण संस्वीकृति-पत्र प्रदान किया। उद्यमियों की सहायता करने एवं एमएसएमई क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दशार्ते हुए बैंक ने कुल संस्वीकृत राशि में से एमएसएमई क्षेत्र में 615 करोड़ की राशि को मंजूरी दी। इस अवसर पर श्री बिनोद कुमार, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडियन बैंक ने कहा कि इंडियन बैंक खुदरा, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में परिवर्तनकारी नवोन्मेषी पहल को आगे बढ़ाते हुए उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आम लोगों, किसानों और उद्यमियों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए सही समय पर पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। यह क्षेत्र रोजगार सृजन, उद्यमिता और समावेशी आर्थिक विकास के प्रमुख वाहक हैं। ग्राहकों के विकास और प्रगति में उनके सहयोग के लिए हम ग्राहक-केंद्रित वित्तीय सुविधा प्रदान करने के अपने प्रयासों को सुदृढ़ करते रहेंगे। यह पहल बैंक के उस रणनीतिक लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत आरएएम क्षेत्र में बैंक अपनी मौजूदगी को सुदृढ़ करते हुए ग्राहक केंद्रित बैंकिंग, ऋण की बेहतर उपलब्धता तथा आम लोगों, किसानों एवं उद्यमियों की वित्तीय आकांक्षाओं को पूरा करने में उनकी सहायता करके समावेशी विकास में अपना योगदान देना चाहता है। बैंक द्वारा स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत देश भर में विभिन्न कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बैंक ने विक्टोरिया मेमोरियल स्कूल फॉर द ब्लाइंड, मुंबई को कंप्यूटर, लैपटॉप और आवश्यक बुनियादी वस्तुएं प्रदान की और कोचीन में आयोजित एक समारोह में सुश्री मिनी टी.एम., कार्यपालक निदेशक द्वारा कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में खेल गतिविधियों के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

दिल्ली-एनसीआर में दहशत फैलाने निकले गैंगलैंड के बदमाश, सरगना समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में जबरन वसूली और फायरिंग के जरिए दहशत फैलाने की कथित साजिश को दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ ने नाकाम कर दिया है। पुलिस ने मथुरा आधारित नवगठित गैंगलैंड गिरोह के सरगना कन्हा सिंह जदौन उर्फ कन्हा ठाकुर समेत 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा के गिरोह के लिए काम करते थे और दिल्ली-एनसीआर में वारदात को अंजाम देने के लिए निशाने तलाश रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 पिस्तौल, 11 जिंदा कारतूस और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी जबरन वसूली के लिए किसी कार्यालय या वाहन पर गोलीबारी करने की कथित योजना को अंजाम देने से ठीक पहले की गई। द्वारका में बिछाया गया जाल पुलिस के अनुसार, विशेष प्रकोष्ठ की दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र की टीम को सूचना मिली थी कि गैंगलैंड गिरोह के कुछ सदस्य दिल्ली-एनसीआर में जबरन वसूली के लिए नए निशाने तलाश रहे हैं। आरोपी कार्यालयों या वाहनों पर गोलीबारी कर लोगों में भय पैदा करने की योजना बना रहे थे। सूचना के आधार पर टीम ने द्वारका क्षेत्र में जाल बिछाया। 29-30 जुलाई की मध्यरात्रि को स्कॉर्पियो वाहन में घूम रहे 3 संदिग्धों को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ और जांच के बाद उनकी पहचान 26 वर्षीय कन्हा सिंह जदौन उर्फ कन्हा ठाकुर, 24 वर्षीय सूरज और 30 वर्षीय वल्लभ आचार्य के रूप में हुई। कन्हा ठाकुर ने मिलकर बनाया था गिरोह पुलिस के मुताबिक कन्हा ठाकुर ने मथुरा के भूषण के साथ मिलकर गैंगलैंड गिरोह का गठन किया था। गिरोह के सदस्य अपनी गतिविधियों का प्रदर्शन सामाजिक माध्यमों पर भी करते थे। बाद में गिरोह ने रोहित गोदारा को अपना प्रमुख बना लिया और उसके गिरोह के लिए काम करना शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार कन्हा ठाकुर पर वर्ष 2023 में जयपुर में ठेके पर हत्या से जुड़े मामले में भी आरोप है। पुलिस अब उसके आपराधिक इतिहास और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। 3 पिस्तौल और 11 कारतूस बरामद पुलिस ने आरोपियों के पास से एक 30 बोर की स्वचालित पिस्तौल बरामद की, जिसमें 5 कारतूस थे।

महिलाओं की सेहत के लिए मेगमीट और मेडिवेज की साझेदारी

नोएडा। मेगमीट इलेक्ट्रिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मेडिवेज हेल्थ फाउंडेशन ने गौतम बुद्ध नगर में महिलाओं के लिए ह्लकॉम्प्रिहेंसिव प्रिवेंटिव हेल्थ आउटरीच एंड सर्जिकल सपोर्टह्व पहल शुरू करने के लिए रणनीतिक सीएसआर साझेदारी की है। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य जागरूकता, शुरूआती जांच, उचित चिकित्सा मार्गदर्शन और आवश्यकता पड़ने पर समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। इस पहल के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को जागरूकता, जांच, नेविगेशन और उपचार के चार चरणों में आगे बढ़ाया जाएगा। कम्युनिटी लेवल पर स्वास्थ्य जागरूकता और उपयुक्त स्क्रीनिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। जरूरत के अनुसार मैमोग्राफी और पैप/एचपीवी स्क्रीनिंग जैसी सुविधाओं के साथ महिलाओं को आगे की चिकित्सा प्रक्रिया और उपचार तक पहुंचने में सहायता दी जाएगी। मेगमीट इलेक्ट्रिकल इंडिया के सीनियर मैनेजर (ल्फ) चेतन शर्मा ने कहा, सीएसआर का उद्देश्य केवल एक एक्टिविटी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि कम्युनिटी में लोंगटर्म पॉजिटिव चेंज लाना चाहिए। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा प्रयास एक ऐसी व्यवस्थित स्वास्थ्य पहल को सहयोग देना है, जिसमें निरंतरता, जवाबदेही और कम्युनिटी इम्पैक्ट को प्राथमिकता दी जाए। मेडिवेज हेल्थ फाउंडेशन की सीओओ एकता राठी ने कहा, स्क्रीनिंग तभी सार्थक होती है, जब महिला को यह पता हो कि इसके बाद क्या करना है। हमारा उद्देश्य जागरूकता से जांच और जांच से सही चिकित्सा मार्ग तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर उपचार तक स्वास्थ्य यात्रा को प्रभावी बनाना है। यह साझेदारी सीएसआर के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को केवल कैंप और स्क्रीनिंग तक सीमित रखने के बजाय निरंतर और परिणाम-आधारित देखभाल से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गौतम बुद्ध नगर में यह पहल महिलाओं के लिए एक संरचित कम्युनिटी हेल्थकेयर मॉडल विकसित करने का प्रयास करेगी।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।'हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।'हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरैलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

स्मार्ट ग्रिड पर 1,135 करोड़ खर्च, योजना अधूरी

बादशाहपुर, एजेंसी। साइबर सिटी में बिजली व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद जमीनी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। सेक्टरों में बिजली के खंभों पर तारों का जाल बना हुआ है। कई जगह मीटर और केबल बेतरतीब तरीके से लटक रहे हैं। वर्षा के दौरान इनसे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है।

शहर में बिजली के खंभे पर बड़ी संख्या में तार लटकते दिखाई दे रहे हैं। कई मीटर खंभे पर एक के ऊपर एक लगाए गए हैं। तार नीचे तक झूल रहे हैं। खंभे के आसपास पानी भरा हुआ है। ऐसे में करंट उतरने की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है।

दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम ने सेक्टर-1 से 57 तक के 580 फीडरों को भूमिगत कर स्मार्ट बनाने की योजना बनाई थी। इसके लिए अलग-अलग कंपनियों को काम दिया गया। 29 सितंबर 2017 को विद्या टेलीलिंक को 148 फीडर का काम 255.80 करोड़ रुपये में दिया गया।

टाटा प्रोजेक्ट को 147 फीडर का काम 239.52 करोड़ रुपये में मिला। इसके बाद 28 नवंबर 2018 को टाटा प्रोजेक्ट को 166 फीडर का काम 354.86 करोड़ रुपये में दिया गया। 11 सितंबर 2019 को एलएंडटी को 119 फीडर का काम 285.50 करोड़ रुपये में मिला। इन चार टेंडरों की राशि 1,135.68 करोड़ रुपये है। पूरे स्मार्ट ग्रिड कार्यक्रम पर करीब 1,300 करोड़ रुपये खर्च होने की बात कही जा रही है। नियम के अनुसार कंपनियों को दो साल में काम पूरा करना था। विद्या टेलीलिंक और एलएंडटी के प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। लेकिन टाटा प्रोजेक्ट के दोनों काम अभी तक अधूरे हैं। टीएसजीपी-8 में 166 फीडर तैयार किए जाने थे। इनमें 117 फीडर ही तैयार हो पाए हैं।

623 किलोमीटर केबल भूमिगत की जानी थी। इसमें 546 किलोमीटर केबल ही डाली गई है। 239.52 करोड़ रुपये वाले टीएसजीपी-6 में 147 फीडर तैयार करने थे। इनमें 133 फीडर तैयार हो चुके हैं। 129 फीडर चालू भी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद शहर के कई हिस्सों में खुले तार और अव्यवस्थित बिजली ढांचा सवाल खड़े कर रहा है। स्मार्ट ग्रिड के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद बिजली व्यवस्था पटरी पर नही है। हमारे आसपास खंभों पर तारों का जाल है। बारिश में पानी भरने के बाद डर बना रहता है। बिजली निगम को पहले खतरनाक जगहों को चिह्नित कर तार व्यवस्थित करने चाहिए। लोगों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। मेरे हिसाब से इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद भी अगर बिजली के तार इसी तरह लटकते रहें तो यह गंभीर लापरवाही है। स्मार्ट ग्रिड का फायदा लोगों को दिखाई देना चाहिए। केवल कागजों में काम पूरा होना पर्याप्त नहीं है। निगम को अधूरे काम की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। ट्रांसफार्मर की अर्थिंग नहीं है। कोई पार्क के किनारे लगा दिया। किसी ट्रांसफार्मर को कवर कर सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है। भूमिगत केबल डालने की योजना बनाई गई थी तो अभी कहीं कोई व्यवस्था नहीं हो सकी। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी खंभों पर तारों का बोझ है। बारिश के दिनों में हादसे की आशंका रहती है। स्मार्ट ग्रिड के काम की सार्वजनिक रूप से प्रगति रिपोर्ट जारी की जाए। किस कंपनी ने कितना काम किया और कितना पैसा खर्च हुआ, इसकी जानकारी लोगों को मिलनी चाहिए। अधूरे काम को जल्द पूरा कराया जाए और खुले तारों को सुरक्षित किया जाए। आमजन की जिंदगी से खिलवाड़ न किया जाए। 239.52 करोड़ रुपये 2017 में टाटा प्रोजेक्ट को 147 फीडर स्मार्ट बनाने का टेंडर 354.86 करोड़ रुपये 2018 में टाटा प्रोजेक्ट को 166 फीडर भूमिगत करने का टेंडर।

राजस्थान के मंत्री ने ही अपनी सरकार के खिलाफ दिया धरना, जिला कलेक्टर व निगम आयुक्त को बताया भ्रष्टाचारी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार के वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने बुधवार को अपनी ही सरकार के अधिकारियों के खिलाफ समर्थकों के साथ धरना दिया। अलवर नगर निगम में मंत्री ने पांच घंटे तक अधिकारियों के खिलाफ धरना देते हुए जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला और निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कलेक्टर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आम जनता की सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया। सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति के मुद्दे पर धरना देते हुए मंत्री ने कलेक्टर को लूटकर खाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि कलेक्टर और निगम आयुक्त के टालमटोल रवैये के कारण चयनित 329 अभ्यर्थी परेशान हो रहे हैं। बता दें कि निगम में सफाई कर्मचारियों का करीब छह महीने पहले चयन हो गया था, लेकिन कलेक्टर और निगम आयुक्त सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने के काम में देरी कर रहे थे। मंत्री ने इस संबंध में कलेक्टर एवं निगम आयुक्त से पूर्व में कई बार बातचीत की, लेकिन वे इस काम को टाल रहे थे। इससे नाराज होकर उन्होंने सफाई कर्मचारियों के साथ धरना दिया। मंत्री के साथ कांग्रेस के दो नेता भी धरने पर बैठ गए। मंत्री के धरना देने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने राज्य सरकार को घेरा।

संक्षिप्त समाचार

राशन कार्ड से पैन तक... मृतक की उम्र साबित करने के लिए अब 5 कागजात होंगे मान्य

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय पारिवारिक योजना का लाभ लेने के लिए शासन ने अब शहरी क्षेत्र

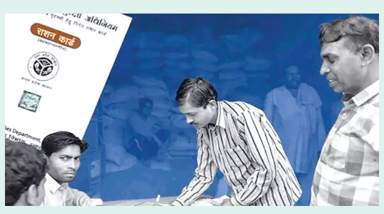

के आवेदकों के लिए बड़ी सहूलियत दिए जाने का निर्णय लिया है। शहरी क्षेत्र के आवेदकों को अब मृतक की उम्र साबित करने के लिए परिवार / कुटुंब रजिस्टर और हाईस्कूल प्रमाणपत्र न होने पर परेशान नहीं होना पड़ेगा। शासन ने पांच अन्य दस्तावेजों को भी आयु प्रमाण के रूप में मान्य कर दिया है। इनमें राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट और पैन कार्ड शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। उन्होंने कहा है 25 अक्टूबर 2024 को जारी शासनादेश में योजना के लिए मृतक की आयु के प्रमाण के तौर पर परिवार/कुटुंब रजिस्टर की प्रमाणित प्रति व जन्मतिथि अंकित शैक्षिक प्रमाणपत्र को मान्य किया गया था। मगर नगरीय क्षेत्रों में सामान्य तौर पर परिवार / कुटुंब रजिस्टर उपलब्ध न होने के कारण आवेदकों को आवेदन करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता था। ऐसे में शासन ने लोगों की सुविधा के लिए व्यवस्था में बदलाव किया है। वार्ड व नगरीय क्षेत्र के ऐसे आवेदक, जिनके पास हाईस्कूल स्तर का शैक्षिक प्रमाणपत्र नहीं है और परिवार रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं है। वे निर्धारित पांच दस्तावेजों में से किसी के जरिए मृतक की आयु का सत्यापन करा सकेंगे। आवेदक को निर्धारित प्रारूप पर स्व घोषणा भी देनी होगी कि उसके पास हाईस्कूल स्तर का शैक्षिक प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है और संबंधित नगरीय क्षेत्र में परिवार/ कुटुंब रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं है। समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार का कहना है कि यह सुविधा केवल नगरीय क्षेत्र के आवेदकों के लिए लागू होगी।

उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में 940 गांवों पर भूस्खलन का मंडराता खतरा

देहरादून, एजेंसी। टिहरी गढ़वाल में 940 गांव भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील हैं। वहीं, 06 गांवों को अतिसंवेदनशीलता के दायरे में रखा गया है। यह बात यूनिवर्सिटी आफ गौर बंगा (बंगाल), विद्यासागर यूनिवर्सिटी (बंगाल) और यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी (आस्ट्रेलिया) के संयुक्त अध्ययन में सामने आई। जिसे स्पैशियल इंफार्मेशन रिसर्च में 23 जून 2026 को प्रकाशित किया गया। भूस्खलन के लिहाज से गांवों को संवेदनशीलता के अध्ययन के लिए विज्ञानियों ने 1,600 पुराने भूस्खलन स्थानों और उन्हें प्रभावित करने वाले 17 भौगोलिक, जलवायु, मिट्टी, भूगर्भीय और मानवीय कारकों को मिलाकर पांच मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग मॉडल से संवेदनशीलता मानचित्र तैयार किए। अध्ययन में टिहरी के दक्षिणी, पश्चिमी और मध्य हिस्सों को अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील पाया गया, जबकि उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संवेदनशीलता काफी कम रही। शोधकर्ताओं ने 31 दिसंबर 2004 से 11 नवंबर 2022 के बीच उपलब्ध गूगल अर्थ चित्रों, पूर्व प्रकाशित अध्ययनों, सरकारी रिपोर्ट, समाचार रिपोर्ट और मैदानी सर्वेक्षणों से 1,600 भूस्खलन स्थान दर्ज किए। इन स्थानों का जीपीएस और उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के ऐतिहासिक आंकड़ों से भी सत्यापन किया गया। इनमें ढलान, ऊंचाई, ढलान की दिशा, धरातल की वक्रता, स्थलाकृतिक आर्द्रता सूचकांक, स्थलाकृतिक स्थिति सूचकांक, वार्षिक वर्षा, जलधारा शक्ति सूचकांक, नदी से दूरी, मिट्टी का प्रकार, मिट्टी की बनावट, मिट्टी की गहराई, भूविज्ञान, भूगर्भीय रेखाओं का घनत्व, भूमि उपयोग-भूमि आवरण, सड़क से दूरी और वनस्पति सूचकांक शामिल हैं।

जयपुर में खुली जेल के कैदी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, वारदात के बाद बदमाश फरार

जयपुर, एजेंसी। करणी विहार क्षेत्र में खुली जेल के कैदी गंगासहाय कुमावत (40) की बुधवार को गोली मार कर हत्या कर दी गई। बाइक सवार दो बदमाशों ने कुमावत पर तीन राउंड फायरिंग की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। जांच में सामने आया कि मृतक ने वर्ष 2018 में शहर में महेंद्र नामक व्यक्ति की हत्या की थी। उसी मामले में वह सजा काट रहा था। करीब आठ वर्ष तक जेल में रहने के बाद उसके सही व्यवहार को देखते हुए करीब तीन माह पहले खुली जेल में स्थानांतरित किया गया था। वहां रहते हुए कुमावत दिन में रोजगार के सिलसिले में प्रतिदिन बाहर जाता था। शाम को उसे लौटना होता था। अन्य दिनों की तरह कुमावत बुधवार शाम जेल लौट रहा था। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उसकी गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए नाकेबंदी करवाई गई है। वहीं, राज्य के टोंक जिला मुख्यालय पर स्थित जेल में बंद एक कैदी की तबीयत बिगड़ने पर मौत हो गई। मृतक कैदी गणदेव गुर्जर सवाईमाधोपुर का निवासी था। गणदेव की मौत के बाद स्वजन ने जेल के मुख्यद्वार के बाहर हंगामा किया।

बेंगलुरु में बदहाल सड़क बनी जानलेवा, ब्रेक लगाते ही बाइक से गिरी महिला को मिनी ट्रक ने कुचला

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी के पास अनंतनगर मेन रोड पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां खराब सड़क के कारण ब्रेक लगने से दोपहिया वाहन फिसल गई, इस दौरान बाइक पर पीछे बैठी 32 वर्षीय महिला मेधा गिर गई।

इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक मिनी मालवाहक वाहन ने महिला को कुचल दिया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने महिला मेधा को मृत घोषित कर दिया। दरअसल, श्क्क्ल कार्यालय में कार्यरत मेधा अपने सहकर्मी के साथ दोपहिया वाहन पर सिंगासंद्रा की ओर जा रही थी, इसी दौरान कीचड़ भरे टूटी सड़क पर एक पैदल यात्री को बचाने के लिए कार और बाइक सवार ने अचानक ब्रेक लगाए।

ब्रेक लगते ही मेधा बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गई, जिसके बाद उसे एक मिनी ट्रक ने कुचल दिया और मेधा की मौत

हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

पीड़िता मेधा आकर्ष अनंतनगर की निवासी और मूल रूप से केरल की रहने वाली थी। वह कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कार्यालय में काम करती थी। उसके परिवार में उसका पति आकर्ष और तीन वर्षीय बेटा है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना अनंतनगर मेन रोड पर सुबह करीब 9 बजे हुई, जब मेधा अपने एक सहकर्मी अजय गुरु के साथ अनंतनगर से सिंगासंद्रा की ओर जा रही थीं। इस घटना से स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया, स्थानीय निवासियों ने सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ भारी आक्रोश जताया और इस दुर्घटना के लिए सड़क की खराब स्थिति को जिम्मेदार ठहराया। एक स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रसारित संदेश में कहा गया, 'इस मौत के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सड़कें बुरी तरह से जर्जर होने के कारण कीचड़ और दलदल से भरी हुई हैं।' पुलिस ने सड़क की खराब स्थिति को स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच में अचानक ब्रेक लगाने को दुर्घटना का तात्कालिक कारण बताया गया है। पुलिस ने बताया कि वहां मौजूद किसी भी व्यक्ति ने मिनी मालवाहक वाहन का नंबर नोट नहीं किया। हम आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रहे हैं।

खतरे में जेलेंस्की की कुर्सी? पुतिन के करीबी सर्बिया को साधने में जुटे यूक्रेनी राष्ट्रपति

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जारी भीषण युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की राजनीतिक जमीन खिसकती नजर आ रही है। हाल ही में जारी हुए सोसिस सर्वे के अनुसार, यदि देश में राष्ट्रपति चुनाव का दूसरा दौर होता है, तो जेलेंस्की को अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वियों से करारी हार का सामना करना पड़ सकता है। सर्वे में जेलेंस्की को केवल 33.8त्न वोट मिलने का अनुमान जताया गया है, जबकि पूर्व सेना प्रमुख वालेरी जालुझनी 66.2त्न समर्थन के साथ काफी आगे चल रहे हैं। इस बढ़ते घरेलू राजनीतिक दबाव के बीच जेलेंस्की को एक तरफ युद्ध के मोर्चे पर रूस का सामना करना पड़ रहा है, तो दूसरी तरफ देश के भीतर अपनी सत्ता बचाए रखने की चुनौती से भी जूझना पड़ रहा है।

सर्बिया के साथ कूटनीतिक संतुलन की कोशिश–आंतरिक राजनीतिक संकट के बीच जेलेंस्की ने सर्बिया की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की है। यूरोप में सर्बिया को रूस का सबसे बड़ा हिमायती माना जाता है। इसके राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच के समर्थकों का एक बड़ा वर्ग पुतिन का समर्थक है। सर्बिया ने रूस पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों का भी साथ नहीं दिया है।

इसके बावजूद जेलेंस्की का दौरा बेहद रणनीतिक है, क्योंकि यूक्रेन को युद्ध जारी रखने के लिए भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियारों की आवश्यकता है, जिसे सर्बिया का रक्षा उद्योग पूरा कर सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई के निवेश से यूक्रेन और सर्बिया मिलकर एक संयुक्त ड्रोन फैक्ट्री बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

रूसी मिसाइलों ने मचाया कहर– सैन्य मोर्चे पर यूक्रेन की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है, जहां रूस के ताबड़तोड़ हमलों के कारण यूक्रेन का एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर पड़ता दिख रहा है। रूस ने अकेले जुलाई के महीने में रिकॉर्ड 126 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जो युद्ध के दौरान किसी एक महीने का सबसे बड़ा आंकड़ा है।5 अगस्त को कीव पर हुए हमले में रूस ने 24 बैलिस्टिक और 4 हाइपरसोनिक मिसाइलें दागीं, जिससे भारी तबाही हुई। इसके अलावा, कीव और आसपास के इलाकों में हुए हालिया हमलों में एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई।हालांकि, यूक्रेनी वायु सेना ने 151 में से 135 रूसी ड्रोनों को मार गिराया, लेकिन पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की भारी कमी के कारण यूक्रेन के महत्वपूर्ण ठिकाने अब भी रूसी हमलों के सामने असुरक्षित बने हुए हैं। रूस के लगातार होते हमलों के जवाब में यूक्रेन ने अपनी रणनीति बदलते हुए लंबी दूरी के ड्रोन से हमला करना शुरू कर दिया है, जिससे रूस के विशाल भौगोलिक फैलाव की कमजोरी उजागर हो रही है।

अमेरिका की वीजा नीति का असर: घट सकते हैं 1.1 लाख विदेशी छात्र, होगा 3.4 अरब डॉलर का नुकसान; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सख्त वीजा नीति और बदलती नीतियों को लेकर बनी अनिश्चितता का असर विदेशी छात्रों के दाखिले पर पड़ सकता है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के शीतकालीन सत्र में अमेरिकी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के दाखिले में 1.1 लाख तक की कमी आ सकती है। शिक्षकों के संगठन (एनएएफएसए) एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल एजुकेटर्स और शोध संस्था जेबी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी छात्रों की संख्या घटने से अमेरिकी स्थानीय अर्थव्यवस्था को 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर यानी करीब 32,457.83 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इससे करीब 39,000 नौकरियों पर भी असर पड़ने का अनुमान है।

11.69 लाख से घटकर 10.57 लाख हो सकती है संख्या

रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के शीतकालीन सत्र में अमेरिका में विदेशी छात्रों के दाखिले की अनुमानित संख्या 11.69 लाख थी। इस साल यह घटकर 10.57 लाख रह सकती है। अमेरिका में विदेशी छात्रों के सबसे बड़े स्रोत के तौर पर भारत की अहम भूमिका है। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 3.63 लाख से अधिक भारतीय छात्रों ने अमेरिका में अलग-अलग पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025-26 के शीतकालीन सत्र में विदेशी छात्रों ने अमेरिकी स्थानीय अर्थव्यवस्था में 41.77 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 3,98,754.02 करोड़ रुपये) का योगदान दिया था। 2026-27 में यह घटकर 38.37 अरब डॉलर (करीब 3,66,296.19 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है। एनएएफएसए की कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैंटा आव ने कहा कि अमेरिका की नीतियां और नियम इस बात को प्रभावित करते हैं कि विदेशी छात्र अपना भविष्य

कहां बनाने का फैसला करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के ये फैसले अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था पर छोटे और लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं।

विश्व कप टिकट धारकों को वीजा प्राथमिकता भी बनी वजह

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सख्त वीजा नीतियों के अलावा, विदेश विभाग की ओर से फीफा विश्व कप के टिकट धारकों को छात्रों की तुलना में वीजा जारी करने में प्राथमिकता देना भी विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के दाखिले को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐतिहासिक रूप से इस व्यस्त मौसम में विदेश विभाग छात्र और शोधकर्ता वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देता रहा है। इससे छात्रों को समय पर विश्वविद्यालय परिसरों में पहुंचने में मदद मिलती थी।

कई देशों के यात्रियों पर पहले भी लगी थी पाबंदी

पिछले साल अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अफगानिस्तान और यमन समेत दर्जनों देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाए थे। इसके अलावा, पिछले महीने अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने एक नियम को अंतिम रूप दिया। इसके तहत विदेशी छात्रों को विस्तार की मंजूरी के बिना अमेरिका में चार साल से अधिक समय तक रहने की अनुमति नहीं होगी। इस बदलाव से लंबे समय वाले डॉक्टरेट कार्यक्रमों में पढ़ने वाले छात्रों के सामने मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। उन छात्रों पर भी असर पड़ सकता है जो पढ़ाई पूरी करने के बाद अस्थायी तौर पर अमेरिका में काम करने की उम्मीद रखते हैं।

मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, 'ईरान पर भरोसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा दिया' जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं।'

एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है।

ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से

जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं।

तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी-32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था।

अचानक बदला प्लान : ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी-32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

तीसरी बार चुनाव लड़ने के सवाल पर क्या कहा

ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

ईरानी मिसाइल के निशाने पर थे ट्रंप: दावा-आईआरजीसी को पता थी लोकेशन, खुफिया एजेंसियों ने कैसे फेरा मंसूबे पर पानी

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर खतरे का दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कई इनपुट मिले थे कि ईरान को तुर्किये की राजधानी अंकारा में ट्रंप के ठिकाने की सटीक जानकारी थी। बताया गया कि ईरानी एजेंटों को उस होटल की मंजिल तक की जानकारी थी, जहां ट्रंप ठहरे हुए थे। सुरक्षा अधिकारियों ने इसी दौरान ट्रंप को निशाना बनाने वाले संभावित सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल खतरे का भी पता लगाया। खतरे का आकलन इतना गंभीर बताया गया कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों ने असाधारण सुरक्षा योजना तैयार की। रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो सम्मेलन के आसपास एक व्यक्ति को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल के साथ भी देखा गया था। साथ ही ऐसी जानकारी सामने आई कि ट्रंप को ले जाने वाले विमान को निशाना बनाया जा सकता है। इसके बाद ट्रंप की आवाजाही को सार्वजनिक रूप से सामान्य दिखाते हुए उन्हें गुप्त तरीके से दूसरे विमान में भेजने की योजना बनाई गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,